जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 45 संख्याः 278 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 30 अप्रेल, 2024 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

क्या गहलोत की टीम बाड़मेर में कांग्रेस के उम्मीदवार उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये लगी रही अंत तक?

उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने के लिये गहलोत टीम बाड़मेर में निर्दलीय उम्मीदवार रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में दिलो जान से कार्यरत रही

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- गहलोत की टीम के सदस्य थे, मेवाराम जैन, वी.पी. सिंह राठौड़, अमीन खान। अमीन खान को तो कांग्रेस से निष्कासित भी किया गया है, रविन्द्र सिंह भाटी के पक्ष में भारी संख्या में मुस्लिम वोट डलवाने के कारण।
- बेनीवाल ग्रुप के लोग, दो कारों का किस्सा बड़े जोर-शोर से सुना रहे हैं, गहलोत टीम की इस साजिश को प्रमाणित करने के लिये।
- किस्से के अनुसार, गहलोत को बाड़मेर आना था, घोषित प्रोग्राम के अनुसार कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में चुनाव प्रचार करने।
- उनकी बाड़मेर यात्रा के लिए दो गाड़ियां बुक की गयीं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन दोनों गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिये स्वीकृति भी प्राप्त की गयी।
- पर, अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं आये तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया।
- ये गाड़ियां टैक्यिसां नहीं थीं, वरन् मेवाराम जैन के नजदीकी व्यक्ति की प्राइवेट गाडियां थीं, जो गहलोत के लिये उपलब्ध करायी गई थीं।

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। अपने पक्ष में अशोक गहलोत कह रहे हैं कि, गाड़ियाँ जैन ट्रैवल्स से किराए पर ली गई थीं, लेकिन, जब उनके पुत्र वैभव की सनलाइट ट्रैवल्स नाम की अपनी ही कंपनी है तो कारें किसी और कंपनी से किराए पर क्यों ली जानी चाहिए।

जानकार लोगों का कहना है कि, जो गाड़ियाँ इस्तेमाल की जा रही थीं वो टैक्सी नहीं, प्राइवेट गाड़ियाँ थीं।

ये कारें मेवा राम जैन के करीबी लोगों की थीं। ज्ञातव्य है कि, मेवा राम जैन को पार्टी से निकाल दिया गया था, लेकिन, वो अभी भी गहलोत के काफी करीब हैं और गहलोत उन्हें पार्टी में वापस लाने का प्रयास कर रहे हैं।

ये वही मेवा राम हैं, जिनके वीडियो से राजनीतिक क्षेत्रों में हलचल मच गई थी, और जिसके कारण उन्हें पार्टी से निकाल दिया गया था।

अशोक गहलोत तथा मेवा राम जैन के एक और करीबी व्यक्ति हैं वी.पी. सिंह राठौड़, जो कांग्रेस के आदमी हैं लेकिन उनका फेस बुक पेज रविन्द्र सिंह भाटी के प्रचार से भरा हुआ है।

अमीन खान की भी यही कहानी है, जिन्हें भी पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। इस पूरी टीम की निष्ठा अशोक गहलोत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे जिम्मेदार'

जयपुर, 29 अप्रेल। जिला उपभोक्ता आयोग ने चलती ट्रेन में यात्री के सामान की चोरी के लिए रेलवे प्रशासन को जिम्मेदार माना है और उत्तर-पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक को कहा है कि, मानसिक संताप और परिवाद व्यय के तौर पर परिवादी को डेढ़ लाख रुपए अदा करे। इसके अलावा, चोरी हुए एक लाख सत्तर हजार रुपए व अस्सी हजार रुपए की अंगूठी की कीमत भी, परिवाद पेश करने की तिथि से नौ फीसदी ब्याज सहित अदा

- जिला उपभोक्ता आयोग ने रश्मि शाह के परिवाद पर यह निर्णय सुनाया और रेल्वे पर डेढ़ लाख रू. का हर्जाना लगाया।

करे। आयोग अध्यक्ष अशोक शर्मा और सदस्य विनोद कुमार सैनी ने यह आदेश रश्मि शाह के परिवाद पर सुनवाई करते हुए दिए। आयोग ने अपने आदेश में कहा कि परिवादी ए.सी. कोच में यात्रा कर रही थी और इस दौरान उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे के कर्मचारियों की थी। कर्मचारियों की लापरवाही के कारण परिवादी का सामान चोरी हो गया।

परिवाद में कहा गया कि, परिवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर सीट भाजपा के पास जाने के संकेत

पर जीत का अंतर बहुत कम रहने की संभावना है

- इस सीट पर अंतिम समय में कांग्रेस और बाप पार्टी का गठबंधन हुआ और नेतृत्व के निर्देश के बाद भी कांग्रेस प्रत्याशी अरविन्द डामोर ने नाम वापस नहीं लेकर मुकाबला त्रिकोणीय बना दिया और भाजपा की राह आसान कर दी।
- बाप पार्टी की तरफ से युवा नेता राजकुमार रोत मैदान में हैं, उनके पास युवा वर्ग का भारी समर्थन है, पर भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, जो कांग्रेस से आए हैं, का क्षेत्र में काफी दबदबा है, उनके पास धन और संगठन की ताकत है, साथ ही वे बेहद अनुभवी भी हैं।
- सूत्रों का कहना है कि, इस सीट पर मालवीया ही कांग्रेस के सबसे कद्दावर नेता थे, अब वे भाजपा में चले गए हैं तो स्वाभाविक ही है कि, कांग्रेस कमजोर पड़ गई है।

उदयपुर, 29 अप्रेल (कासं)। बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा सीट के 8 विधानसभा क्षेत्रों में इस बार 72.77 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया। आंकड़ों में देखे तो यह मतदान पिछले चुनाव की तुलना में 0.13 प्रतिशत कम रहा है। यहां भारतीय आदिवासी पार्टी (बाप) और भाजपा के बीच सीधा मुकबला है। हालांकि यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन वापस नहीं लेकर त्रिकोणीय संघर्ष की स्थिति खड़ी कर दी, जिसका फायदा भाजपा को मिलता दिख रहा है। राजनीतिक जानकारों का भी मानना है कि जीत का संकेत भाजपा की ओर जाता दिख रहा है।

इस सीट पर 2009 में 52.68 फीसदी मतदान हुआ था तब कांग्रेस जीती थी। लेकिन बाद में 2014 में मतदान 68.86 और 2019 में 72.75 फीसदी मतदान हुआ तो दोनों ही बार फायदा भाजपा को मिला, दोनों बार मोदी लहर थी। इस बार 0.13 प्रतिशत वोटिंग कम हुई है और मोदी लहर भी बरकरार है, लेकिन जिस तरह से बी.ए.पी. यहां से हमेशा स्थानीय और जातिगत उठती रही है उससे इस सीट पर बाप पार्टी का जोर भी है और कांग्रेस को इसी वजह से गठबंधन करना पड़ा। बाप पार्टी ने चुनाव भी स्थानीय मुद्दों पर लड़ा है, हालांकि बाप पार्टी ने जोरदार कोशिश की है लेकिन, भाजपा प्रत्याशी महेन्द्र जीत सिंह मालवीय की जीत की संभावना ज्यादा प्रबल है भले ही जीत का अंतर कम रह सकता है। भाजपा प्रत्याशी महेंद्र जीत सिंह मालवीया वागड़ की राजनीति में एक बड़ा अनुभव रखते हैं। वर्ष 2014 में जब मोदी की लहर थी तब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के कई दिग्गज मंत्री और नेता हार गए लेकिन तब भी मालवीया जीते थे। इस सीट पर मालवीया के कारण ही कांग्रेस का वर्चस्व था, अब जब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हमने जमानत के लिये अर्जी इसलिये नहीं डाली, क्योंकि गिरफ्तारी ही गैर कानूनी थी'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट में केजरीवाल की जमानत पर पुरजोर बहस की। सिंघवी ने यह भी कहा कि, ''गिरफ्तार करने का अधिकार, गिरफ्तारी को आवश्यक नहीं बना देता। केवल संदेह (सस्पिशन) के कारण गिरफ्तारी नहीं की जा सकती, ''गिल्ट'' (दोष) स्थापित करना जरूरी है।

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने शीर्ष अदालत से अनुरोध किया कि गिरफ्तारी का कारण सिर्फ संदेह ना होकर अपराध सिद्धि होना चाहिए। सिंघवी ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को अवैध बताते हुए उसे संघीय ढांचे व स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों पर आधारित लोकतंत्र के सिद्धांतों पर एक अभूतपूर्व प्रहार की संज्ञा दी।

सिंघवी ने तर्क दिया कि माननीय जज ऐसा कोई भी केस नहीं ढूंढ़ पाएंगे जिसमें प्रिवैंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पी.एम.एल.ए.) की धारा 50 पर ध्यान दिए बिना गिरफ्तारी की गई हो। उन्होंने कहा कि इसका एकमात्र अपवाद था संजय सिंह की गिरफ्तारी। उस केस में भी धारा 50 को रिकॉर्ड पर नहीं लिया गया था। उनकी गिरफ्तारी के दो साल बाद अपराध का पता चला।

सिंघवी ने ध्यान दिलाया कि ''एक को छोड़कर किसी भी गवाह के धारा 50 के बयानों में केजरीवाल का नाम नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि इलैक्टोरल बॉण्ड्स खरीदने वाले बी.एस.आर. रेड्डी ने 17 बयान दिए थे। उन्होंने अप्रेल में नाम लिया था।'' केजरीवाल गत 21 मार्च को गिरफ्तार किए गए थे।

केस की सुनवाई मंगलवार को भी जारी रहेगी। इस बीच कोर्ट ने सिंघवी से पूछा कि जमानत का आवेदन निचली अदालत में क्यों है।

सिंघवी ने अभियोजनकर्ता पर चूहा-बिल्ली का खेल खेलने का आरोप लगाया।

सिंघवी ने कोर्ट को बताया कि ''हम यह तय करना अभियोजनकर्ता पर निर्भर हैं कि प्रासंगिक क्या है। यह निष्पक्षता नहीं है? शरज रेड्डी केजरीवाल को अप्रेल तक दोषी नहीं ठहराते हैं, लेकिन ई.डी. इसके कारण बता सकती है कि रेड्डी के दसवें बयान को ही क्यों विश्वसनीय माना गया। सह-अपराधी से सरकारी गवाह बने बयान की तुलनात्मक पुष्टि करनी चाहिए, जो कि आपराधिक विधि का एक मूल सिद्धांत है। राघव मगुंता ने 4 बयान दिए, जिनमें से एक भी दोष सिद्धि के लायक एवं विश्वसनीय नहीं था। सरथ रेड्डी अपने 9 बयानों में कोई भी दोषारोपण नहीं करते हैं। उन्हें अपर्याप्त दस्तावेजों में रख दिया गया था। अभियोजनकर्ता की निष्पक्षता सर्वाधिक विचारणीय होती है। दोषमुक्ति सिद्ध करने वाली सामग्री को प्रकाश में लाना अभियोजनकर्ता का दायित्व है। आप चयन ही किसी बयान विशेष का करते हैं। यह चूहे और बिल्ली का खेल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीस जून को रिटायर हुए कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि

जयपुर, 29 अप्रेल। राजस्थान हाईकोर्ट ने तीस जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को राहत देते हुए उन्हें एक जुलाई को होने वाली वेतन वृद्धि का लाभ दिया है। अदालत ने संबंधित कर्मचारियों को एक वार्षिक वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर भी देने को कहा है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश शंभू दयाल

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आदेश दिए कि, 30 जून को रिटायर होने वाले कर्मचारियों को एक अप्रैल से लागू होने वाली वेतन वृद्धि की गणना कर एरियर दिया जाए।

नागर व अन्य की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि, याचिकाकर्ता ग्राम विकास अधिकारी के पद से 30 जून, 2021 को रिटायर हुए थे। सिविल सेवा संशोधित नियम, 2008 के तहत कर्मचारियों को एक साल की सेवा पूरी करने के बाद एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देवेगौड़ा के पौत्र का ''सैक्स स्कैण्डल'' कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान से पूर्व रिलीज़ हुआ!

जैसा कि विदित ही है, कर्नाटक में देवेगौड़ा की पार्टी व भाजपा, चुनावी गठबंधन के अंतर्गत मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कांग्रेस के प्रवक्ता के अनुसार, भाजपा के नेता देवराज गौड़ा ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष को आठ दिसंबर 2023 को पत्र लिखकर आगाह किया था कि, ऐसी कोई पैन ड्राइव सार्वजनिक हो रही है, जिनमें प्रमाण मौजूद हैं, पूर्व प्र.मंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र प्रज्वल रैवन्ना के, 3000 महिलाओं के ''सैक्शुअल अब्यूज़'' के प्रकरण में लिप्त होने के बारे में।
- इस ''पैन ड्राइव'' के किस्से का कर्नाटक के द्वितीय चरण के मतदान पर असर पड़ेगा ही, साथ ही ''इंडिया गठबंधन'' को मौका मिल गया है, बंगाल के संदेशखाली क्षेत्र में तृणमूल पार्टी के नेताओं के ''सैक्शुअल अब्यूज़'' के कारनामों के जवाब में भाजपा गठबंधन के साथी जद (एस) पर भी कीचड़ उछालने का।

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। भाजपा के सहयोगी जनता दल (सैक्यूलर) के प्रत्याशी प्रज्वल जो कर्नाटक के एक जाने माने राजनैतिक परिवार ''देवेगौडा'' परिवार से ताल्लुक रखते है, के सैक्स स्कैंडल के रहस्योद्घाटन का समय इससे अधिक बुरा नहीं हो सकता था क्योंकि अभी आधे कर्नाटक में लोकसभा चुनाव के वोट पड़ने शेष हैं।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि पश्चिम बंगाल में संदेशखाली को फोकस कर किया जा रहा भाजपा का तमाम चुनाव प्रचार कर्नाटक में 3,000 महिलाओं के साथ किए गए श्रृंखलाबद्ध यौन उत्पीड़न पर भाजपा की चुप्पी से बेजान साबित हो सकता है। इससे कर्नाटक में उसके प्रत्याशियों की संभावनाएं कमज़ोर पड़ना तय है।

जे.डी. (एस.) प्रत्याशी एवं पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पौत्र के इस सैक्स स्कैण्डल में शामिल होने के मुद्दे को कांग्रेस ने पहले ही लपक लिया है। कांग्रेस ने भाजपा से प्रश्न किया है कि सारे सबूतों की जानकारी रखने के बावजूद उसने इस कथित बलात्कारी को चुनाव मैदान में उतारने में दिलचस्पी क्यों दिखाई।

कांग्रेस ने इस संबंध में कर्नाटक के भाजपा नेता द्वारा पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व को लिखे गए एक पत्र को जारी किया। पत्र में कहा गया था प्रज्वल रैवन्ना द्वारा हजारों युवा लड़कियों से किए गए यौन दुर्व्यवहार के साक्ष्य एक पैन ड्राइव में हैं। पत्र में वह यह बताना चाहते थे कि भाजपा इस काण्ड से अनभिज्ञ नहीं है, लेकिन इसके बावजूद उसने उस कथित प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतारकर उसका समर्थन किया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी उसके लिए चुनाव प्रचार किया।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कर्नाटक के भाजपा नेता देवराज गौड़ा द्वारा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को 8 दिसम्बर 2023 को लिखे गए एक पत्र को ट्वीट किया। पत्र में एक पैन ड्राइव की मौजूदगी की बात कही गई है जिसमें प्रज्वल रैवन्ना के अश्लील वीडियो हैं। भाजपा नेता ने पत्र में प्रश्न किया है कि भाजपा ने इसके बावजूद भी जे.डी. (एस.) के साथ चुनावी गठबंधन क्यों किया और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि श्रृंखलाबद्ध बलात्कारों की वीडियो रिकॉर्डिंग कर उन्हें पैन ड्राइव में रखने वाले के खिलाफ कोई एक्शन क्यों नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है

कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा ने कड़ी टक्कर देने की पूरी कोशिश की, पर शायद किन्हीं कारणों से क्षेत्र के कांग्रेसी नेताओं का उन्हें पूर्ण समर्थन नहीं मिला

- इसके विपरीत गजेन्द्र सिंह के पक्ष में भाजपा एक जुट नज़र आई। प्रदेश के सभी बड़े नेता जोधपुर पहुंचे प्रचार के लिये।
- यू.पी. के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो ने तो माहौल एकदम बदल दिया।
- शेखावत और उचियारड़ा की स्थिति को राजपूत बहुल बी.जे.एस. कॉलोनी में हुई शेखावत व उचियारड़ा की सभा से समझा जा सकता है, जहां शेखावत की सभा में भारी भीड़ थी, वहीं, उचियारड़ा की सभा फीकी रही।
- पूरे चुनाव प्रचार में कुछ विश्वस्त कार्यकर्ताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा अकेले ही संघर्ष करते दिखे और उन्होंने मुकाबला कांटे का बना दिया, पर अंततः शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है।

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। लोकसभा चुनाव में मतदान के बाद जोधपुर से भाजपा प्रत्याशी तथा जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत का पलड़ा भारी होता लग रहा है। कांग्रेस के प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा ने प्रचार में शेखावत को कड़ी टक्कर तो दी मगर कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की उदासीनता ने शेखावत की जीत की राह आसान कर दी। शेखावत के पक्ष में उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री और हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट की भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत के रोड शो की अपार सफलता के बाद से ही शेखावत की जीत की संभावना बढ़ी है।

कांग्रेस प्रत्याशी करणसिंह उचियारड़ा चुनाव मैदान में अकेले ही संघर्ष करते नज़र आ रहे थे। कांग्रेस का कोई भी बड़ा नेता उनके पक्ष में प्रचार करने जोधपुर नहीं आया। उचियारड़ा ने अपने कुछ कार्यकर्ताओं के साथ तुफानी प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाने की भारी कोशिश की, पैसा पानी की तरह बहाया। मगर सवाल यह उठता है कि कांग्रेस नेतृत्व ने जोधपुर की उपेक्षा क्यों की? चर्चा है कि चूंकि करण सिंह को सचिन पायलट का बेहद करीबी माना जाता है, इसलिए न तो गहलोत ने उनकी मदद की ना ही किसी और को करने दी। दूसरे शायद गहलोत नहीं चाहते थे कि जोधपुर सीट जहां से उनका बेटा चुनाव हार चुका है , से कोई अन्य कांग्रेसी प्रत्याशी, खासकर जो पायलट खेमे का हो, चुनाव जीते।

यह बात शायद उचियारड़ा के मन में भी रही होगी, इसलिए उन्होंने अपने प्रचार की कमान खुद ही संभाले रखी। उन्होंने खुद को जोधपुर का जाया जन्मा तथा शेखावत को बाहरी बताने पर फोकस बनाए रखा। संजीवनी मामले को उठाकर पीड़ितों की सहानुभूति बंटोरने सहित जोधपुर में विकास कार्य नहीं करवाने की बात लगातार उठाई और चुनाव प्रचार में मुकाबला कड़ा बना दिया।

इधर प्रचार के दौरान ही राजपूत बाहुल्य क्षेत्र बीजेएस कालोनी स्थित शिव मंदिर के मैदान में हुई करणसिंह उचियारड़ा तथा गजेन्द्र सिंह शेखावत की जनसभा भी पिछले दिनों चर्चा में रही। क्षेत्र के निवासी वरिष्ठ नागरिक गोपाल सिंह राठौड़ (जालसू) ने बताया कि इन दोनों प्रत्याशियों की सभा की भीड़ ने ही स्पष्ट कर दिया था कि शेखावत का पलड़ा भारी है। शिवमन्दिर मैदान में शेखावत की सभा में उमड़ी भीड़ ने पिछले दस वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया जबकि इस सभा में शेखावत के अलावा वक्ता के रूप में केवल स्थानीय नेता ही थे। दूसरी तरफ उचियारड़ा की सभा में भीड़ नहीं जुट पाई।

इसके बाद उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने शेखावत के समर्थन में रोड शो कर शेखावत के पक्ष में माहौल बनाया। दोनों रोड शो में भारी भीड़ उमड़ी।

गजेन्द्र सिंह शेखावत को वर्ष 2014 में भाजपा ने पहली बार जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से अपना प्रत्याशी बनाया था। उस समय शेखावत का चेहरा जोधपुर के लोगों के लिए नया था। मगर मोदी लहर के चलते उस चुनाव में शेखावत ने भारी अन्तर से शानदार जीत दर्ज की थी। शेखावत ने कांग्रेस प्रत्याशी तथा पूर्व जोधपुर नरेश गजसिंह की बहन चंद्रेश कुमारी को 4 लाख दस हजार से अधिक वोटों से हराया था और परिणाम स्वरूप उन्हें केन्द्र सरकार में राज्य मंत्री बनाया गया।

इसके बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को दो लाख 74

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 29 अप्रेल (निसं)। शहर के कुन्हाड़ी थाना इलाके के लैंडमार्क कोचिंग इलाके में एक और कोचिंग छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र हरियाणा के रोहतक से मेडिकल प्रवेश परीक्षा नेशनल एलिजबिलिटी कम एन्ट्रैंस एग्ज़ाम की तैयारी करने कोटा आया था।

- रोहतक का रहने वाला छात्र, 19 वर्षीय सुमित कुमार नीट के लिए आया था। सुमित के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंच तहकीकात शुरू कर दी। छात्र के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी ने बताया कि घटना रविवार रात करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

क्रोध यमराज है। –चाणक्य

एक देश, एक चुनाव- संभावना और चुनौतियां

भारत सरकार ने पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ कराने की संभावना का परीक्षण करने एवं संविधान संशोधनों की आवश्यकता पर विचार करने हेतु पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति का गठन 2 सितंबर 2023 को किया। इस समिति ने राजनैतिक दलों, विशेषज्ञों आदि से विस्तृत विचार-विमर्श के पश्चात अपनी रिपोर्ट 14 मार्च 2024 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी है। इस समिति में सदस्यों के रूप में अमित शाह, गृहमंत्री भारत सरकार, गुलाम नबी आजाद, राज्यसभा में विपक्ष के पूर्व नेता, एन के सिंह, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष, डॉ सुभाष कश्यप, लोकसभा के पूर्व महासचिव, श्री हरीश साल्वे, वरिष्ठ अधिवक्ता, श्री संजय कोठारी पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त, विशेष आमंत्रित अर्जुन राम मेघवाल, राज्य मंत्री, कानून एवं न्याय सम्मिलित हैं। समिति के सचिव डॉ नितिन चंद्रा थे।

इस उच्च स्तरीय समिति ने विभिन्न राजनैतिक दलों और विधि विशेषज्ञों से विचार-विमर्श किया। समिति ने नागरिकों से भी इस बारे में सुझाव मांगे जिसके उत्तर में कुल 21558 सुझाव प्राप्त हुए। अधिकांश ने एक साथ चुनाव कराने के विचार का समर्थन किया। जिन विशेषज्ञों से समिति ने चर्चा की, उनमें भारत के उच्चतम न्यायालय के चार पूर्व मुख्य न्यायाधीश, प्रमुख उच्च न्यायालयों के 12 पूर्व मुख्य न्यायाधीश, चार पूर्व चुनाव मुख्य निर्वाचन आयुक्त, आठ राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त एवं विधि आयोग के अध्यक्ष प्रमुख हैं। इसके अतिरिक्त, समिति ने कई व्यावसायिक संगठनों जैसे फिक्की, सी आई आई एसोचेम के प्रतिनिधियों एवं अर्थशास्त्रियों से भी विचार-विमर्श किया। इन व्यावसायिक संगठनों ने यह विचार व्यक्त किया कि लगातार चुनाव होते रहने से आर्थिक प्रगति पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं शिक्षा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र भी इससे प्रभावित होते हैं।

प्राप्त सुझावों के परीक्षण और विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों से गहन विचार-विमर्श के पश्चात समिति ने एक साथ चुनाव कराने का कार्य दो चरणों में करने हेतु सिफारिश की है। पहले चरण में, लोकसभा और सभी राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ करने की अनुशंसा की गई है। दूसरे चरण में शहरी निकाय और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव भी इनके साथ कराए जाने की सिफारिश की है। ये चुनाव, लोक सभा और विधानसभाओं के चुनाव पूरे होने के बाद 100 दिनों के में कराए जा सकते हैं। समिति ने यह भी सिफारिश की है कि सभी चुनावों के लिए, एक ही मतदाता सूची का प्रयोग होना चाहिए।

भारत का निर्वाचन आयोग कई सालों से एक साथ सारे चुनाव कराने की बात करता रहा है। आयोग द्वारा इस हेतु निम्न मुख्य आधार बताये गये हैं:–

1. एक साथ चुनाव कराने से, बहुत बड़ी धनराशि जो बार-बार चुनाव कराने पर व्यय की जाती है, उससे बचा जा सकता है।

2. मतदाता सूचियां का बार-बार पुनरीक्षण किए जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी और केवल 5 वर्ष में एक बार ही इसे बनाना होगा।

3. बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों (जिनकी संख्या लगभग 25 लाख है) को बार-बार चुनाव की ड्यूटी में नहीं लगाना पड़ेगा। फलस्वरुप सरकारी कामकाज विपरीत रूप से प्रभावित नहीं होगा।

4. चुनाव के कारण, सरकारी विभागों के काम एक प्रकार से रुक जाते हैं, क्योंकि प्रत्येक चुनाव के दौरान आदर्श चुनाव संहिता के चलते ,नीति गत निर्णय नहीं हो पाते हैं।

5. चुनावों के कारण कर्मचारियों/अधिकारियों के स्थानांतरण भी चुनाव अवधि में नहीं किया जा सकते हैं। इससे भी सरकारी कामकाज बहुत विपरीत रूप से प्रभावित होता है।

6. राजनैतिक दलों और उम्मीदवारों को भी बार-बार चुनाव लड़ने के हेतु बहुत अधिक धनराशि खर्च करनी पड़ती है।

विधि आयोग यह सिफारिश करता रहा है कि पूरे देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक ही साथ कराए जाएं।

संसद की विधि और न्याय से संबंधित स्थाई समिति ने भी 2015 में इन्हीं बिंदुओं के आधार पर पूरे देश में सभी चुनाव एक साथ चुनाव कराने की सिफारिश की थी।

उच्च स्तरीय समिति ने कुल 62 राजनीतिक दलों से अपनी राय मांगी थी, जिनमें से 47 ने अपनी राय समिति को भेजी। इनमें से 32 दलों ने इसके पक्ष में अपनी राय रखी और 15 ने इसका विरोध किया।

यह उल्लेखनीय है कि कुल छह राष्ट्रीय दलों में से केवल भारतीय जनता पार्टी और नेशनल पीपुल्स पार्टी ने इस अवधारणा का समर्थन किया एवं शेष चार राष्ट्रीय दल जैसे आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट) और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस विचार का विरोध किया। इसके साथ ही कुछ प्रमुख राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों ने भी 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध किया। इन दलों में ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस, ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट, डी एम के, समाजवादी पार्टी प्रमुख हैं।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि 'एक देश, एक चुनाव' का सिद्धांत आदर्श स्थिति में तो अच्छा है, किंतु वास्तव में आदर्श स्थितियां देश में विद्यमान नहीं हैं। संभव है, सबसे बड़े दल को ऐसा लगता होगा कि केंद्र और सभी राज्यों पर उसका एकाधिकार हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो हम संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली की ओर चले जाएंगे।

अधिकांश प्रमुख विपक्षी दलों ने इस आधार पर 'एक देश, एक चुनाव' का विरोध किया कि यह संविधान में निहित संघीय ढांचे पर चोट करता है। इन्होंने यह भी कहा कि कुछ अधिक खर्च होने पर कोई अंतर नहीं पड़ेगा यदि इससे संसदीय प्रणाली जो कि संविधान प्रदत्त है, की रक्षा होती है। यह भी उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने विचार-विमर्श हेतु अपना कोई प्रतिनिधि समिति के समक्ष नहीं भेजा।

समिति ने चार पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्तों अचल कुमार जोति, ओ पी रावत, सुनील अरोड़ा एवं सुशील चंद्र से भी चर्चा की। सबने एक साथ चुनाव कराने पर बल दिया।

समिति ने अपनी, रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख किया है कि वर्ष 2019 से 23 तक प्रतिवर्ष देश के किसी न किसी भाग में चुनाव होते रहे। इसके कारण सभी विकास कार्य, नीति गत निर्णय लेने की प्रक्रिया बाधित होती रही। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं सरकार के मंत्री शासन चलाने के काम को छोड़कर लगभग पूरा समय चुनाव संबंधी कार्य में ही लगे रहे। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बार-बार चुनाव होने से मतदाता में चुनाव के प्रति थकान (Voter fatigue) उत्पन्न हो जाती है जो मतदाता को उदासीन बना देती है।

हर समय चुनाव होते रहने के और भी दुष्प्रभावों की समिति ने चर्चा की है। कानून और व्यवस्था में लगे हुए अर्द्ध सैनिक बलों एवं पुलिस को चुनावी ड्यूटी में लगाना होता है, जिसके कारण अपराध पर नियंत्रण पूरी तरह नहीं हो पाता है। निरंतर चुनाव प्रचार होने के कारण, समाज में कटुता एवं वैमनस्यता बढ़ती है। बार-बार चुनाव होने के कारण, प्रवासी मजदूरों के मतदान के लिए अपने-अपने गांव/ शहर में जाने के कारण, औद्योगिक और सर्विस क्षेत्र में काम पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।

समिति ने देश में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ करने के उद्देश्य से यह सुझाव दिया कि यदि किसी विधानसभा अथवा लोकसभा को पांच साल से पहले भंग करना पड़े तो, मध्यावधि चुनाव, 5 साल में से शेष बची हुई अवधि के लिए ही होगा, ताकि अगले चुनाव सब विधानसभा, लोकसभा के चुनाव के एक साथ ही हो सके।

'एक देश, एक चुनाव' की व्यवस्था को मूर्त रूप देने के लिए समिति ने संविधान में कई संशोधन करने का प्रस्ताव दिया है। समिति की अनुशंसा के अनुसार संविधान के जिन अनुच्छेदों को संशोधित करना होगा, वे इस प्रकार हैं:– 83 (2), 83 (3) (2), 83 (4), 172(1), 172 (3), 172 (4), 82A (1), 82A (2), 82A (3), 82A (4), 82A (5), 324A, 325 (2), 325(3), 327।

पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की योजना प्रथम दृष्टया, बहुत सरल और आवश्यक लगती है, किंतु इसे लागू करने में कई चुनौतियाँ हैं। सबसे प्रमुख तो संविधान संशोधन को पारित कराना है जिसके लिए संसद में दो तिहाई बहुमत की आवश्यकता होगी। शायद इसीलिए, लोकसभा चुनावों में 'अबकी बार 400 पार' का नारा प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कार्यकर्ताओं को दिया है। कुछ संशोधन जैसे– अनुच्छेद 325 और अनुच्छेद 324 ऐसे भी हैं, जिनके लिए आधी से अधिक विधानसभाओं का अनुमोदन भी लेना होगा।

'एक चुनाव एक देश' के सम्बन्ध में यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि इससे स्थानीय मुद्दे गौण हो जाएंगे और सब चुनावों पर राष्ट्रीय मुद्दे ही हावी रहेंगे। इसका सबसे बड़ा खामियाजा तो राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों को उठाना पड़ेगा जिनका अस्तित्व ही संकट में आ जाएगा। भारत, अत्यंत विविधताओं से भरा हुआ देश है और केवल प्रशासनिक सुविधा की दृष्टि से एक साथ चुनाव कराने का निर्णय लेने से पहले, इसके सम्भावित दुष्परिणामों के प्रति भी सचेत रहने की आवश्यकता है। यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि 'एक देश, एक चुनाव' के कारण कहीं 'एक देश, एक चुनाव और एक दल' की स्थिति न बनकर रह जाए। फिर भारत की भी वही स्थिति हो सकती है जैसी रूस अथवा चीन में है।

यहां पर यह भी उल्लेखनीय है कि यदि वास्तव में सत्ता धारी दल की 'एक देश, एक चुनाव' की मंशा होती तो वह बिना किसी संविधान संशोधन के भी उन भाजपा शासित प्रदेशों के चुनाव लोकसभा चुनाव के साथ चुनाव करवा सकता था, जहां 2024, 2025 में चुनाव होने हैं। इसके लिए केवल इन राज्यों की विधानसभाओं को भंग करने की सिफारिश संबंधित राज्य सरकारों द्वारा की जा सकती थी। ऐसा करके वे अपनी साफ़ नीयत प्रदर्शित कर सकता था।

यह सुझाव भी बहुत उपयुक्त प्रतीत नहीं होता कि 5 वर्ष से पूर्व बीच में यदि किसी भी विधानसभा और लोकसभा को भंग किया जाता है तो मध्य अवधि चुनाव उसे 5 वर्ष की अवधि के शेष समय के लिए ही कराए जाएं। इससे चुनाव की गंभीरता पर प्रश्न चिह्न लगेगा एवं कई दल एवं नेता शायद केवल एक या दो वर्ष के लिए चुनाव में भाग नहीं लेना चाहेंगे।

कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि 'एक देश, एक चुनाव' का सिद्धांत आदर्श स्थिति में तो अच्छा है, किंतु वास्तव में आदर्श स्थितियां देश में विद्यमान नहीं हैं। संभव है, सबसे बड़े दल को ऐसा लगता होगा कि केंद्र और सभी राज्यों पर उसका एकाधिकार हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो हम संसदीय प्रणाली से राष्ट्रपति प्रणाली की ओर चले जाएंगे। फ़िलहाल तो सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि चुनाव आयोग लंबित चुनाव सुधार करके, चुनावों को अनावश्यक व्यय, बाहुबल और आपराधिक तत्त्वों के प्रभाव से मुक्त करा सके।

देखना है कि जो रिपोर्ट पूर्व राष्ट्रपति की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय समिति ने दे दी है, वह किस प्रकार से क्रियान्वित हो पाती है? यह लोकसभा चुनाव के परिणाम पर भी निर्भर करेगा कि क्या सत्ताधारी दल संसद में दो-तीन बहुमत प्राप्त कर पाता है? फ़िलहाल तो हमें 4 जून, 2024 की प्रतीक्षा है जब लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

चुनाव में घटती वोटिंग प्रतिशत वर्तमान प्रणाली के प्रति जनता की अनिक्षा व अस्वीकारिता का द्योतक, नीति निर्धारक अभी चेतें

प्रो. वीर बहादुर सिंह

देश में संपन्न हुए विधायक के चुनाव और वर्तमान में हो रहे संसदीय चुनाव में एक महत्वपूर्ण बात प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर हो रही है वह है वोटिंग का प्रतिशत पहले से कम होना। एक तो वर्तमान प्रणाली ही ऐसी है जिसमे अनेक राजनैतिक पार्टिओं/दलों के प्रत्याशी चुनाव में उतरते हैं उसमें भी यदि मतदाता की अनिक्षा वोट डालने की नहीं हो तो चुना हुआ व्यक्ति क्या वहां की जनता का सही प्रतिनिध ठहराया जा सकता है? उस पर यदि 50-55 प्रतिशत ही मतदान हो तो अन्य पार्टिओं के प्रत्याशिओं के होते हुए विजयी मुश्किल से 25-30 प्रतिशत वोट लेकर चुनाव जीतता है। जो चुनाव हार गए उनकी भूमिका शून्य अथवा नगण्य रह जाती है। इतनें कम समर्थन से देश में सरकारें बनती रही हैं, जो सक्रीय लोकतंत्र के लिए किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं ठहराया जा सकता। यह न तो लोकतंत्र है और न ही प्रजातंत्र। बल्कि यह खिचड़ी तंत्र है जिसका उल्लेख संविधान में मेरे विचार से नहीं किया हुआ है। बाबा साहब को संभवत: यह अपेक्षा नहीं रही होगी कि देश का मतदाता भविष्य में इतना उदासीन हो जायगा कि अपना वोट ही न दे और दूसरी तरफ राजनैतिक दल मक्खिओं की भांति देश में पनपेंगे और चुनाव को एक मखौल बना कर रख देंगे? उन्हें जीतने वाले व्यक्ति के लिए एक निश्चित वोटों का प्रतिशत पाने के अनिवार्यता को दृणता से प्रतिपादित करना था।

वर्तमान चुनाव पद्धति के प्रति बढ़ती उदासीनता का दूसरा बड़ा कारण प्रत्यार्शी का चुनाव जनता द्वारा न होकर राजनैतिक पार्टियों द्वारा किया जाना भी है। इतना ही नहीं अब तो प्रत्याशी हाईकमान निर्धारित करता है। उसका न पार्टी को पता और न सम्बंधित जनता को। ऐसी स्थिति में कोई व्यक्ति वोट डालने क्यों जायेगा? जब अमुक कैंडिडेट से उसकी कोई वाकफियत या जानकारी ही नहीं है। उदयपुर में जहाँ लेखक निवास करता है वहां किसी भी पार्टी का प्रत्याशी अथवा उसके कोई कार्यकर्ता वोटर के पास एक बार भी नहीं आये। पोलिंग बूथ पर जाने पर इ वी ऍम मशीन पर चिपके नाम और चुनाव चिन्हों से कैंडिडेट्स का नाम पता पड़ा। जब चुनाव से पूर्व ऐसे हालात हैं तो चुनाव के बाद किसी के जीतने पर क्या अपेक्षा की जा सकती है? यदि यह चुनाव पार्टी के शीर्षतम नेता के नाम पर लड़ा गया है तो फिर केवल चुनाव चिन्ह ही काफी था नाम की आवश्यकता भी नहीं थी। कुल मिलाकर यह चुनाव अलग ही तरह का है ऐसा पहले कभी किसी विधायक या संसदीय चुनाव में नहीं देखा था।

हमारे चुनाव क्षेत्र की क्या प्राथमिकताएं थी मुझे नहीं मालूम। वर्तमान में मैं इसकी अपेक्षा भी नहीं रखता क्योंकि सम्पूर्ण चुनाव प्रधान मंत्री मोदी जी द्वारा पार्टी के लिए लड़ा जा रहा है फिर भी प्रत्याशिओं को क्षेत्र की प्राथमिकताएं तो मालूम होनी ही चाहिए। मुझे लगता है भारतीय जनता पार्टी के जीतने पर सभी विजयी सांसदों के लिए एक ओरिएंटेशन प्रोग्राम, मोदी जी को चलाना पड़ेगा जिसमे प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के बारे में वे दिशा निर्देश देकर एक विस्तृत विकास प्लान बनबायेंगे। प्रधान मंत्री जी की सोच और प्लानिंग के आगे अभी तो सभी नेता और टेक्नोक्रैट्स फ़ैल हैं।

वर्तमान चुनाव प्रचार और चुनाव प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन आवश्यक है। बाबा साहब ने उस समय की स्थिति और आवश्यकताओं के मुताविक अपने सुझाव रखे थे उन्होंने यह कभी नहीं कहा कि इन नि यमों में भविष्य में कोई परिवर्तन नहीं किया जाय ? एक शिक्षित और विवेकशील उन जैसा व्यक्ति ऐसा कभी भी नहीं कह सकता। यहाँ में कहना चाहता हूँ कि संविधान में अनेक परिवर्तन मोदी जी के पूर्व प्रधान मंत्रिओं ने किये हुए हैं। समय के साथ केवल ऐतिहासिक और भौगोलिक बातें नहीं बदलती, जबकि सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक स्थितिओं के बदलते क़ानून, नियम आदि सभी कुछ बदलना पड़ता है जो नहीं बदलते वे स्वत: निष्क्रिय होकर अर्थहीन हो जाते हैं। बदलाव प्रकृति का नियम है। ठहरा हुआ पानी भी कुछ समय बाद सड़ जाता है। इसलिए जो लोग संविधान को बदलने का विरोध करते हैं वे कुंठित मानसिकता से ग्रसित और विकास के पक्षधर नहीं हैं। यदि सब कुछ पुराना ही श्रेष्ठ है तो फिर प्रधान मंत्री, मुख्यमंत्री, संसद, मंत्री, विधायक, सचिव और पुराने पहनने के कपड़े आदि किसी को न बदला जाय? क्या यह श्रेयकर होगा? हम प्रतिदिन विभिन्न समितिओं में बैठकर बदलाव अथवा परिवर्तन ही तो करते हैं। हम सब बालक पैदा हुए, अब बूढ़े हो रहे हैं एक दिन जगह खाली कर चले जायेगे, हमारा स्थान कोई अन्य ले लेगा। ये परिवर्तन रुकने वाला नहीं, यह तो प्रतिक्षण घटित हो रहा है। इसलिए उन्नति के लिए परिवर्तन वांछनीय है। अत: कोई भी निजी स्वार्थवश इन परिवर्तनों का विरोध के लिए विरोध न करे यह मूर्खता का द्योतक है।

इसलिए मेरा सुझाव है कि देश के राष्ट्रपति एक उच्च स्तर की क़ानून विदों, शिक्षाविदों, समाजविज्ञानी, कृषक आदि क्षेत्रों से प्रतिष्ठित लोगों की समिति को आमंत्रित कर यह कार्य सोंपें जो सम्पूर्ण व्यवस्था पर अपने सुझाव दे। उन सुझावों पर फिर संसद सम्बाद करे। चुनाव के लिए प्रत्याशी का चयन वोटर/जनता के स्तर पर किया जाय। तत्पश्चात पार्टी उसे अपना कैंडिडेट बना सकती है। वोटर के लिए वोट देना जरुरी हो, नहीं देंनें पर दंड का प्रावधान किया जाय। जीतने के लिए कैंडिडेट को क्षेत्र के कुल वोटर्स का 35 प्रतिशत वोट पाना जरुरी किया जाय। आरक्षित चुनाव क्षेत्र समाप्त किये जाय अब 70 वर्षों बाद इस प्रावधान का कोई औचित्य नहीं रह गया है। देश में उचित तो यह रहेगा कि पार्टी सिस्टम डेमोक्रेसी को यथा संभव नही अपनाया जाय क्योंकि पार्टी सिस्टम भ्रष्टाचार का उद्गम होता है। एक रूसी समाज शास्त्री ने अपनी पुस्तक में इस बात को काफी बल पूर्वक उद्घाटित किया है। 1952 के लोकसभा चुनाव में राजनैतिक पार्टियां तो खास सख्या में नहीं थी कोंस के अलावा ; निर्दलीय ही अधिक चुनाव लड़े थे। इसलिए पार्टी विहीन लोग निर्दलीय होकर चुनाव लड़ें और जीतने पर संसद में अपना नेता अथवा प्रधान मंत्री चुने।

पार्टी प्रणाली यदि रखना ही जरुरी हो तो पार्टिओं की संख्या को सीमित किया जाय। प्रदेश स्तर और देश स्तर की पार्टियां चिन्हित हों, प्रदेश स्तर की पार्टी के प्रत्याशी सांसद के चुनाव के लिए प्रत्याशी न बन सकें। प्रत्येक दल में प्रत्यार्शी का चुनाव पहले सम्बंधित जनता करे न कि पार्टी पदाधिकारी। चुनाव् लड़ने वाले व्यक्ति को न्यूनतम स्नातक होना वांछित हो। इसके अतिरिक्त छ: माह की फौज की ट्रेनिंग का अनुभव चुनाव के लिए आवश्यक किया जाये। चुनाव लड़ने वाले की अपराधिक प्रष्ट भूमि नहीं हो। चाल-चलन, व्यवहारिकता आदि भी सरल और ग्राह्य हो। सामाजिक क्षेत्र के अनुभव को चयन में वरीयता मिले। इनके अतितिक्त और बहुतेरे सुझाव रखे जा सकते हैं यदि पहले प्रस्तावित मॉडल स्वीकार्य हो। कैंडिडेट के चनाव जीतने के बाद यदि कोई राष्ट्र विरोधी गतिविधि में संलग्न पाया जाय तो उसकी सदस्यता तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी जाये। वर्तमान प्रणाली में डेल गए वोटों में यदि नोटा का प्रतिशत दस हो जाय तब वह चुनाव कैंसिल कर दिया जाय।

सांसद अथवा विधायक चुनने के बाद उनके लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम किया जाय जहाँ कोड ऑफ़ कंडक्ट की समुचित जानकारी सभी सदस्यों को मिले। चुनाव में फ्री वीज की घोषनायें वर्जित हों, नहीं मानने वालों पर सख्त कार्यवाही हो। जनता को अथवा जनता के किसी खास वर्ग को कोई भी फ्री सुविधा केवल सदन में पारित कर दी जाय अन्यथा नहीं और उसका बजट में प्रावधान भी किया जावे। चुनाव प्रचार में भी किसी भी प्रकार का लालच घोषित न हो। मेरा सुझाव है वर्तमान में चुनाव प्रणाली में विस्तृत स्तर पर परिवर्तन अब समय की मांग है, अन्यथा भविष्य के चुनाव में वोटिंग प्रतिशत और अधिक गिरने की प्रवल सम्भावना है। समय रहते ही संभलना बुद्धिमानी है।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
सेवा निवृत कुलपति,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय,
उदयपुर

बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह आयोजित

बीकानेर, (निसं)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि विद्यार्थी वैदिक भारत के शाश्वत सिद्धांतों को आधार बनाकर ऐसे नवाचार करें जो प्रकृति के अनुकूल हों। राज्यपाल मिश्र सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तकनीकी शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित अद्वितीय क्षमताओं को पहचानते हुए उन्हें भविष्य के अवसरों के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों में इस तरह के शोध और अनुसंधान हों जिससे देश के संसाधनों से स्थानीय उत्पादों का निर्माण हो सके।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों स्वर्ण पदक प्रदान किये।

■ मानवीय मूल्यों को तकनीकी शिक्षा में प्रधानता देने के लिए चिंतन की आवश्यकता : राज्यपाल मिश्र

राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शोध और अनुसंधान की मौलिक परंपरा पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। इसी के अनुरूप भारतीय पारंपरिक ज्ञान को केंद्र में रखकर आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीक के विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत की शिक्षा का दृष्टिकोण विज्ञान प्रौद्योगिकी भारतीय दर्शन और नवाचार प्रतीक के रूप में खड़ा है।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने चिंता जताते हुए कहा कि आज भी हमारे यहां वैज्ञानिक तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा अंग्रेजी में ही दी जाती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत भारत सरकार द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन की पहल की गई है। इसका उद्देश्य अंग्रेजी के साथ दूसरी भाषाओं में वैज्ञानिक, तकनीकी और चिकित्सकीय शिक्षा के पाठ्यक्रमों को सुलभ करवाना है। राज्यपाल ने बीकानेर साहित्यिक परम्परा को रेखांकित किया और परम्परागत ज्ञान को आगे बढ़ाने में डॉ. छगन मोहता, हरीश भादाणी, रामदेव आचार्य और यादवेंद्र शर्मा जैसे साहित्यकारों के योगदान का स्मरण किया।

राज्यपाल ने कहा कि बीकानेर में प्रौद्योगिकी विकास का भी अहम इतिहास रहा है। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय नई शिक्षा नीति के अनुरूप ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करें, जिसमें हमारे प्राचीन ज्ञान के संदर्भों के साथ आधुनिक वैश्विक ज्ञान का समन्वय हो। मिश्र ने कहा कि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान दर्शन और कौशल आधारित पाठ्यक्रम के साथ कौशल निर्माण और नैतिक उन्नयन से जुड़े पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए गए हैं। आने वाले समय में इसके बेहतरीन परिणाम आएंगे। राज्यपाल ने दीक्षांत समारोह में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों में से 11 बालिकाएं हैं। यह संख्या इस बात की घोतक है कि अवसर मिलने पर बालिकाएं अपने भविष्य के साथ राष्ट्र के भविष्य को भी सुदृढ़ बना सकती हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अम्बरीष शरण विद्यार्थी ने स्वागत उद्बोधन दिया एवं नवाचारों व प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह के दौरान राज्यपाल एवं कुलाधिपति कलराज मिश्र ने बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह में वर्ष 2024 बीआर्क, बी डिजाइन बीटेक एमटेक एमबी, एमसी, पाठयक्रम सहित कुल 20 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। वहीं बीटेक की 2 हजार 529 बीटेक ऑनर्स की 18एमबीए की 426 एमसीए की 139 एमटेक की 42 बीआर्क की 3 बी.डिजाइन की 14 सहित कुल 3 हजार 171 डिग्रियां वितरित की। इससे पहले विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर राज्यपाल का गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मान किया गया। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित की। दीक्षांत समारोह की शुरुआत दीक्षांत परेड से हुई। इसके पश्चात विश्वविद्यालय का कुलगीत प्रस्तुत किया गया। कुलसचिव रामकिशोर मीणा ने आभार जताया।

हिंदुस्तान जिंक को अवार्ड मिला

उदयपुर, (निसं)। वेदांता समूह की कंपनी और देश की अग्रणी जस्ता-सीसा-चांदी उत्पादक हिंदुस्तान जिंक ने सबसे बड़े एकीकृत चांदी निर्माता के लिए प्रतिष्ठित इंडिया सिल्वर कॉन्फ्रेंस एक्सीलेंस अवार्ड 2023 जीतकर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

यह मान्यता तब मिली है जब हिंदुस्तान जिंक को द सिल्वर इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित विश्व सिल्वर सर्वे 2024 द्वारा 3 सबसे बडे चांदी उत्पादक का स्थान दिया गया है। यह पुरस्कार चांदी विनिर्माण क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और सस्टेनेबल प्रणाली के प्रति हिंदुस्तान जिंक की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी की साल-दर-साल 5 प्रतिशत की लगातार वृद्धि का श्रेय बढ़ते अयस्क उत्पादन और उन्नत ग्रेड को दिया है, जिससे वैश्विक चांदी बाजार में एक प्रमुख कंपनी के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। इस अवसर पर हिंदुस्तान जिंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण मिश्रा ने कहा कि हम इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त कर गौरवान्वित हैं, जो हमारे संचालन में नवाचार को बढ़ावा देने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2024 में 746 टन के साथ, हिंदुस्तान जिंक तीसरे सबसे बड़े उत्पादक तक पहुंच गई है। यह विकास को बढ़ावा देने और स्थायी मूल्य बनाने के हमारे निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। यह मान्यता हमारी उत्कृष्टता की निरंतर खोज और हमारी मूल्य श्रृंखला में स्थिरता पर हमारे फोकस को रेखांकित करती है। हिंदुस्तान जिंक की सिंदेसर खुर्द खदान विश्व की दूसरी सबसे अधिक चांदी उत्पादक खदान है, जो चांदी उद्योग में कंपनी के महत्वपूर्ण योगदान को और बढ़ाती है।

राशिफल मंगलवार 30 अप्रेल, 2024

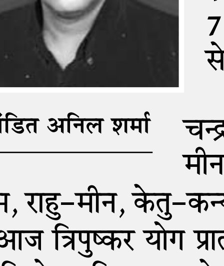

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, उत्तरा षाढ़ा नक्षत्र रात्रि 4:09 तक, साध्य योग रात्रि 10:24 तक, वणिज करण प्रात: 7:06 तक, चन्द्रमा दिन 10:37 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज त्रिपुष्कर योग प्रात: 7:06 से रात्रि 4:09 तक है। रवियोग रात्रि 4:09 से आरम्भ होगा। आज भद्रा प्रात: 7:06 से सांय 6:26 तक रहेगी। शुक्र अस्त पूर्व रात्रि 3:30 पर होगा। आज सप्तमी तिथि का क्षय हुआ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:09 से 10:46 तक, लाभ-अमृत 10:46 से 2:02 तक, शुभ 3:39 से 5:17 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 6:55

मेष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
आज नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कर्क
स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां दूर होने लगेंगी। दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी।

कन्या
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों, भाई-बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आय में वृद्धि होगी।

धनु
व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अतिथियों का आगमन बना रहेगा। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी।

मीन
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

‘भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को पहचान देना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य’

बीकानेर, (कासं)। भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को पहचान देना नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य है। ये उद्‌गार आज रामपुरिया विधि महाविद्यालय में आयोजित एक दिवसीय सेमिनार में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति तथा भारतीय शिक्षा जगत की विदुषी शिक्षाविद् प्रो. डॉ. चन्द्रकला पंडिया ने व्यक्त किए।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर सोमवार को रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय प्रांगण में एक दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. चन्द्रकला पंडिया थी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रामपुरिया विधि महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष तथा उद्योगपति सुनील रामपुरिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिठ्ठल बिस्सा थे।

व्याख्यान माला को सम्बोधित करते हुए पूर्व कुलपति डॉ. चन्द्रकला पंडिया ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्पराओं, भारतीय सांस्कृतिक विरासत, हमारी आध्यात्मिक ज्ञान परम्परा को बहुत ही सुन्दर तरीके से शामिल करते हुए नारी स्वतंत्रता, समानता, स्वतंत्रता जैसी भारतीय पुरातन संस्कृति एवं साहित्य का समावेश किया गया है। जिसके परिणामस्वरूप अब भारत का विद्यार्थी पूर्व में भारतीय ज्ञान परम्पराओं को तोड़

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर व्याख्यान माला को महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो. डॉ. चन्द्रकला पंडिया ने संबोधित किया।

मरोडकर प्रस्तुत किया गया था। उससे हटकर अब वास्तविक भारतीय परम्पराओं, इतिहास, शिक्षाविदों तथा भारतीय दर्शन का ज्ञान प्राप्त कर सकेगा। उसको आत्मसात करते हुए भारत को पुनः विश्वगुरू बनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकेगा।

डॉ. पंडिया ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को मनुष्य बनाना है और नई भारतीय शिक्षा नीति 2020 में इसी उद्‌देश्य को समाहित करते हुए भारतीय सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को पहचान देने का प्रयास किया गया है। डॉ. पंडिया ने कहा कि भारतीय चिंतकों ने शासक के बारे में जो धारणा प्रस्तुत की थी कि सेल्फ ट्रांसफॉर्मेशन के द्वारा ही लोकतंत्र की आत्मा तक पहुंचा जा सकता है। इस प्रकार के विचारों तथा धाराओं का नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में समावेश किया गया है। उन्होंने रामकृष्ण परमहंस, मां शारदा, कौटिल्य, महात्मा गांधी जैसे भारतीय मनीषियों तथा मनुस्मृति, दुग्र सप्तशती तथा ऋग्वेद जैसे धार्मिक तथा सामाजिक ग्रन्थों के उदाहरण देते हुए भारतीय चिंतन तथा साहित्य के महत्व तथा इन सभी के शिक्षा नीति में समावेश के बारे में विद्यार्थियों को बताया। डॉ. पंडिया ने कहा कि शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य हमारी पुरातन सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर पुनः स्थापित करना है।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनन्त जोशी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि पूर्व कुलपति डॉ. चन्द्रकला पंडिया का स्नेह बीकानेर के लिए तथा विशेष रूप से रामपुरिया विधि महाविद्यालय पर हमेशा से ही रहा है। उन्होंने डॉ. पंडिया का महाविद्यालय के विद्यार्थियों को इस ज्वलंत तथा विद्यार्थी महत्व के विषय पर व्याख्यान देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष सुनील रामपुरिया ने अतिथियों तथा आगंतुकों का आभार

- **नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्पराओं, भारतीय सांस्कृतिक विरासत, हमारी आध्यात्मिक ज्ञान परम्परा एवं साहित्य का समावेश किया गया है**

व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों के शैक्षणिक तथा बौद्धिक विकास के अत्यन्त आवश्यक है।

कुलपति के उद्‌बोधन से निश्चित रूप से विद्यार्थियों को प्रेरणा प्राप्त होगी। महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय के अतिरिक्त कुलसचिव डॉ. बिठ्ठल बिस्सा ने व्याख्यानमाला का विषय प्रवर्तन किया। अतिथियों, आगन्तुकों तथा विद्यार्थियों से कुलपति का परिचय करवाया।

कार्यक्रम के अन्त में रामपुरिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पंकज जैन ने अतिथियों तथा आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की व्याख्याता सुनीता लूणिया ने किया। कार्यक्रम में ज्ञान विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बी. एल. विश्नोई, सिस्टर निवेदिता कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य, डॉ. रीतेश व्यास तथा व्याख्याता बिशनाराम आदि मौजूद थे।

राजस्थानी युवा पुरस्कार पुनीत कुमार रंगा को

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी के चर्चित युवा साहित्यकार पुनीत कुमार रंगा को उनकी चर्चित राजस्थानी काव्य कृति ‘मुगत आभौ’ पर वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित दिलीप कुमार पहाड़िया राजस्थानी युवा पुरस्कार दिया जायेगा।

नेम प्रकाशन, डेह नागौर की पुरस्कार आयोजन समिति के अध्यक्ष पवन पहाडिया, संयोजक लक्ष्मण दान कविया, संरक्षक सुखदेव सिंह गादड, सूत्रधार डॉ. गजादान चारण ने वर्ष 2024 के राजस्थानी भाषा साहित्य पुरस्कारों की घोषणा करते हुए बताया कि पुरस्कृत होने वाले सभी साहित्य साधकों को 11 हजार रूपए नगद राशि, सम्मान-पत्र, शॉल, श्रीफल, प्रतीक चिन्ह और साहित्य आदि आगामी जून माह में डेह नागौर में आयोजित होने वाले इस राष्ट्रीय स्तरीय समारोह में अर्पित किए जायेंगे।

इस बार के 28 पुरस्कृत विभूतियों के साथ अबतक पुरस्कृत साहित्यकारों की संख्या 108 हो जायेगी। जो अपने आप में ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण होगी। ज्ञात रहे पुनीत कुमार रंगा को वर्ष 2019 का राजस्थानी अकादमी के प्रेमजी प्रेम राजस्थानी युवा लेखन पुरस्कार इसी चर्चित कृति पर मिला था। इसी प्रकार रंगा 2023 में राजस्थान बाल साहित्य अकादमी के प्रथम विष्णु प्रसाद चतुर्वेदी बाल साहित्य पुरस्कार से सम्मानित हो चुके है। रंगा बीकानेर नगर निगम और राव बीकाजी संस्थान की ओर से युवा साहित्यकार के रूप में सम्मानित हुए है। इसी तरह सोजत (पाली) से राष्ट्रीय स्तरीय युवा प्रतिभा सम्मान के साथ-साथ प्रदेश एवं देश की अन्य साहित्यक संस्थाओं से भी आप सम्मान प्राप्त कर चुके हैं।

सर्वर डाउन लोगों को नहीं मिले ड्राइविंग लाइसेंस और आर.सी.

बीकानेर, (कासं)। संभाग के सबसे बड़े रीजनल एवं जिला परिवहन कार्यालय में सुबह से ही सारथी वाहन और वाहन 4.0 वेव साइट का सर्वर डाउन होने से पब्लिक को खासा परेशान होना पड़ा। शनिवार और रविवार के दो दिन अवकाश के बाद आज जैसे ही डीटीओ कार्यालय खुला ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने और वाहन संबंधी काम के लिए पहुंचे लोगों की भीड़ लग गई। विभाग की कंप्यूटर साइट का सर्वर डाउन हो गया जो दोपहर तक नहीं चला।

- **लर्निंग,परमानेंट एवं रिन्युअल लाइसेंस के लिए दूरदराज से आये लोग फोटो खींचने और ट्रायल के लिए भीषण गर्मी में भूखे-प्यासे इंतजार करते रहे**

लर्निंग,परमानेंट एवं रिन्युअल लाइसेंस के लिए दूरदराज से आये लोग फोटो खींचने और ट्रायल के लिए भीषण गर्मी में भूखे-प्यासे इंतजार करते रहे। लेकिन उन्हें ई ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिला। इसी तरह मुख्य परिवहन भवन और ई मित्रों पर भी वाहन साफ्टवेयर का सर्वर डाउन रहा जिससे वाहनों की कर चुकता, फिटनेस,परमिट चालान संधारण, वाहन ट्रांसफर जैसे महत्वपूर्ण काम नहीं हुए। फिटनेस प्रमाण पत्र लेने के लिए आई गाड़ियां फिटनेस सेंटरों और आरटीओ कार्यालय के बाहर खड़ी रही। सर्वर डाउन होने के कारण कार्यालय की खिड़कियों पर एक भी कार्मिक नही मिला और अधिकारी भी इंतजार कर रहे लोगों को कोई संतुष्ट जवाब नहीं दे पाए। इस संदर्भ में बीकानेर सिटीजन एसोसिएशन के एडवोकेट हनुमान शर्मा ने एनआईसी के हैड ऑफिस और मुख्यालय के अधिकारियों को भी सुबह से परेशान हो रही पब्लिक की परेशानी से अवगत कराया लेकिन कोई स्थाई समाधान नहीं निकला। एडवोकेट शर्मा ने मुख्यालय को पत्र लिखा हैं जिसमें कहा है कि एक तरफ तो राज्य सरकार ई-फाइलिंग सिस्टम को लागू करके सरकारी कार्यों का सरलीकरण करना चाहती हैं। वहीं दूसरी तरफ परिवहन कार्यालय का तकनीकी सिस्टम कमजोर होने से आये दिन सर्वर डाउन की समस्या बनी रहती है जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ता है। अतः राजस्व प्राप्ति में अव्वल आरटीओ कार्यालय में उच्च श्रेणी का तकनीकी सिस्टम और हाई स्पीड का इंटरनेट उपलब्ध करवाएं ताकि बार- बार सर्वर डाउन होने की समस्या से निजात मिल सकें।

376 रोगियों के नेत्रों की जांच

बीकानेर,(कासं)। गंगाशहर राजकीय सैटेलाइट चिकित्सालय में अप्रेल 2024 माह में आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 376 रोगियों के नेत्रों की जांच व इलाज किया गया।

गंगाशहर नागरिक परिषद् के सम्पतलाल दुगड़ ने बताया इस शिविर में बीकानेर जिले के आस-पास के ग्रामीण इलाकों व गंगाशहर, भीनासर से आये ऑपरेशन योग्य चयनित 117 रोगियों में से 11 रोगियों के फेको/फोल्डेबल लैंस पद्धति से व 106 रोगियों के एस.आई.सी.एस. विधि से लेन्स प्रत्यारोपित किये गये।

ऑपरेशन नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. संजीव सहगल ने किये। अस्पताल अधीक्षक डॉ. मुकेश वाल्मीकि ने बताया कि शिविर में बीकानेर क्षेत्र के दूर दराज गांवों से आये रोगियों की नेत्र शल्य चिकित्सा की गई। गंगाशहर नागरिक परिषद के महेन्द्र चैपड़ा ने बताया कि शिविर में नेत्र चिकित्सक सहायक दिलीप सिंह, सीताराम, अनिल यादव, पंकज मदान ने सेवाएं दी।

बच्चा नहीं होने पर सास ने करवाया बहू का दुष्कर्म

पदमपुर, (कासं)। इलाके के 24 बीबी गांव में एक दलित महिला के साथ झाड़ फूंक के नाम पर दो जनों ने सामूहिक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। तीस वर्षीय महिला की शादी के बाद बच्चे नहीं हो रहे थे। सास के कहने पर दो जनों ने महिला से दुष्कर्म किया।

पुलिस ने सास सहित 3 आरोपियों के खिलाफ धारा 450, 376 डी व अनुसूचित जनजाति अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता ने पदमपुर थाने में परिवाद दिया। थाना प्रभारी सुरेन्द्र राणा ने बताया कि पीड़िता ने बताया कि 26 बीबी निवासी गोपीराम बिश्नोई और पदमपुर वार्ड 16 निवासी परमजीत महजबी दोनों का उसकी सास से अवैध संबंधों के चलते घर आना जाना था।

ये दोनों उस पर बुरी नजर रखते थे। 23 अप्रेल को किसी काम से वह अपनी ननद के घर पहुंची तो वहां ननद और ननदोई नहीं मिले। लेकिन दोनों

- **आरोपियों के सास से अवैध संबंध थे, बहू पर भी रखते थे गंदी नजर**

आरोपियों गोपीराम और परमजीत सिंह ने उसे कमरे में बंद कर पिस्तौल की नोंक पर दुष्कर्म किया।

दोनों ने यह बात किसी को न बताने पर पति को जान से मारने की धमकी दी। इनका कहना था कि सास बार-बार बोल रही थी कि बहू के बच्चा नहीं हो रहा है। जब उसने पति और ननदोई को बताई तो उन लोगों ने आरोपियों को उलाहना दिया। इन लोगों का कहना था कि वे झाड़ फूंक करके जो इष्ट देव आदेश करते हैं, उसके अनुसार काम करना पड़ता है तो ही बच्चा हो सकता है। 25 अप्रेल को आरोपी पति और ननदोई से फिर झगड़े करने को उतारू हो गए।

डॉ. कांता मीना को दूसरी बार मिला पुरस्कार

बीकानेर, (कासं)। शक्ति फिल्म प्रोडक्शन द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाली प्रतिभाओं को स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 से वर्चुअल ऑनलाइन आयोजित समारोह के तहत सम्मानित किया गया।

इस क्रम में राजस्थानी व हिन्दी भाषा की साहित्यकार डॉ. कांता मीना को भी शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। डॉ. मीना की दो पुस्तकें काव्य संग्रह कैलाशी व कहानी संग्रह तरूशिखा व अनेक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। इस सम्मान समारोह के लिए देशभर से सैकड़ों की तादाद में प्रविष्ठियां ऑनलाइन प्राप्त हुई। जूरीज द्वारा उत्कृष्ट एवं बेहतरीन कार्य के

- **स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित**

आधार पर प्राप्त प्रविष्ठियों में से 51 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। ये जानकारी शक्ति फिल्म प्रोडक्शन फाउंडर अंबालिका शास्त्री ने दी। डॉ. मीना शिक्षा व साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए यूथ आइकॉन अवार्ड, समाज गौरव सम्मान, कोरोना योद्धा सम्मान, मानव सेवा योद्धा सम्मान, स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय सम्मान, महिला शक्ति काव्य रत्न सम्मान, अखिल आदिवासी मीणा महासभा सहित अनेक संस्थाओं से सम्मानित हो चुकी है।

सीए फाउंडेशन मॉक टेस्ट प्रथम सीरीज शुरू

बीकानेर, (कासं)। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टेर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया की बीकानेर ब्रांच के अध्यक्ष सीए जसवंत सिंह बैद ने बताया कि सीए फाउंडेशन की मुख्य परीक्षा जून 2024 में होने वाली है। जिसके लिए प्रथम सीरीज मॉक टेस्ट शिववैली स्थित आई.सी.ए.आई. भवन में 29 अप्रैल से 02 मई तक आयोजित होगी।

विद्यार्थियों की वास्तविक परीक्षा की तैयारी को परखने व उसमें सुधार हेतु मार्गदर्शन के उद्देश्य से मॉक टेस्ट का आयोजन किया जाता है। ब्रांच अध्यक्ष सीए राहुल पच्चीसिया ने बताया कि उक्त मॉक टेस्ट का पंजीकरण विद्यार्थी शाखा भवन में करवाकर होने वाली परीक्षा में भाग ले सकते हैं।

कृत्रिम सफेद रोशनी व देर रात तक जागना कैंसर को बुलावा

बीकानेर, (कासं)। यहां आयोजित हिमेटेलॉजी सिंपोजियम राज्य स्तरीय कैंसर सेमिनार में कैंसर विशेषज्ञों ने अपने अनुभव बताए कि कृत्रिम सफेद रोशनी एवं देर रात तक जागना, कैंसर को बुलावा देना है, तो अलर्ट हो जाएं।

मनुष्य के शरीर के विकास और रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए दिन में सूर्य की प्राकृतिक रोशनी जरूरी है। उतना ही जरूरी रात के समय अंधेरा भी है। ज्यादा देर तक कृत्रिम सफेद रोशनी में रहना और देर रात तक जागते रहना मनुष्य के लिए घातक साबित हो सकता है। ऐसे व्यक्ति में कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

हिमेटेलॉजी सिंपोजियम राज्य स्तरीय कैंसर सेमिनार में दो दिन के

- **राज्य स्तरीय कैंसर सेमिनार में कैंसर विशेषज्ञों ने किया सचेत**

लिए बीकानेर में जुटे विशेषज्ञों से बातचीत में कैंसर के नए कारकों में यह प्रमुख कारण भी सामने आया है। प्रदेशभर के कैंसर विशेषज्ञों ने अपने पास आये मरीजों के अनुभव साझा करते हुए कैंसर के कुछ नए कारण गिनाए। इनमें धूम्रपान, मदिरा सेवन, पेस्टीसाइडयुक्त खाद्य से कैंसर के खतरे के सर्वविदित कारणों से हटकर कई कारण सामने आये हैं।

कैंसर विशेषज्ञों ने पत्रिका से बातचीत में कहा कि अब तेजी से बदल रही लाइफ स्टाइल समेत कई नए कारण जुड़ गए हैं। महावीर कैंसर सेंटर जयपुर के ब्लड कैंसर विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश सिंह शेखावत ने बातचीत में कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डबल्यूएचओ) की रिपोर्ट में सफेद लाइट में ज्यादा समय तक रहने व रात को देरी से सोने को भी कैंसर के संभावित कारणों में शामिल किया गया है। अभी इस दिशा में शोध चल रहा है। चिकित्सकों के पास आ रहे कैंसर पीडितों की हिस्ट्री का विश्लेषण किया जा रहा है। कैंसर विशेषज्ञों ने कॉमन कारण बताया कि उम्र के साथ शरीर के अंदर की कोशिकाएं कमजोर होने लगती है।

मायड़ भाषा, मरू संस्कृति और मरू वनस्पति का चित्रण करती है खेलरां रो खेल

बीकानेर, (कासं)। बाल साहित्य लेखन अत्यंत चुनौतीपूर्ण होता है। इसके लिए लेखक मन को बच्चा बनकर सृजन करना पड़ता है। अच्छी बात है कि मनीष जोशी ने इस पेटे बेहतरीन सृजन किया है। यह मायड़ भाषा, मरू संस्कृति और मरू वनस्पति को सांगोपांग चित्रित करती है।

अजीत फाउंडेशन सभागार में बाल साहित्यकार मनीष जोशी की राजस्थानी बाल कथा संग्रह खेलरां रो खेल के विमोचन के दौरान अतिथियों ने यह उद्‌गार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि कमल रंगा ने कहा कि राजस्थानी में बाल साहित्य लेखन की अपार संभावनाएं हैं। इस दिशा में अनवरत कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जोशी की पुस्तक बाल साहित्य के सभी पैमानों पर खरी उतरी है। कवि कथाकार राजेन्द्र जोशी ने कहा कि खेल लेखन और बाल साहित्य

बाल साहित्यकार मनीष जोशी के राजस्थानी बाल कथा संग्रह ‘खेलरां रो खेल’ का विमोचन कवि कथाकार कमल रंगा व राजेन्द्र जाोशी ने किया।

सृजन अलग प्रकृति के कार्य हैं। इसके बावजूद जोशी ने दोनों क्षेत्रों में बेहतरीन कार्य किया है। इस संग्रह की प्रत्येक कथा एक सीख देती है।

राजस्थानी साहित्यकार शंकर सिंह राजपुरोहित ने कहा कि जोशी को बालमन की समझ है। यह कथाएं बाल पाठकों को सहज तरीके से आकर्षित करती हैं। जनसंपर्क विभाग के सहायक

- **राजस्थानी बाल कथा संग्रह ‘खेलरां रो खेल’ का विमोचन**

निदेशक हरिशंकर आचार्य ने कहा कि बाल साहित्यकार द्वारा पुस्तकें लिखकर अपना कार्य किया जाता है। इन्हें बच्चों तक पहुंचाना हमारा कार्य है। डॉ. नमामी शंकर आचार्य ने पत्र वाचन किया और प्रत्येक कथा पर समालोचकीय टीप प्रस्तुत की। मनीष जोशी ने पुस्तक की सृजन यात्रा के बारे में बताया। इस दौरान चित्रकार योगेन्द्र पुरोहित का सम्मान किया गया। इसी पहले अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए और पुस्तक का विमोचन किया। जोशी ने पुस्तक की प्रथम प्रति राकेश जोशी और सतोष जोशी को भेंट की।

राज्य पुरस्कार शिविर प्रारंभ

झुंझुनू,(निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का प्रारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ। शिविर संचालक एवं सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर में ध्वजारोहण जीबी मोदी विद्या विहार सीनियर सैकंडरी स्कूल की प्रधानाचार्य वंदना राठौड़ ने किया। राठौड़ संबोधित करते हुए कहा कि स्काउटिंग गाइडिंग व्यक्तित्व निर्माण की कार्यशाला है। यहां बालक बालिकाओं का चारित्रिक, सामाजिक, मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास किया जाता है। शिविर में नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, झंडा गीत, चिह्न, सेल्यूट, बायां हाथ मिलाना, गांठे, राष्ट्रगान, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा, पायनियर प्रोजेक्ट, कंपास, मैपिंग सहित विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। शिविर में जिले के सिंघाना, बुहाना, खेतड़ी, चिड़ावा, सूरजगढ़, पिलानी, मंडावा, नवलगढ़ के 270 स्काउट्स गाइड्स प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

सार-समाचार

भादानी तलाई की सफाई

अमृतम जलम अभियान के तहत भादानी तलाई में श्रमदान कर कीकर झाड़ी हटाकर सफाई की।

बीकानेर, (कासं)। अमृतम जलम अभियान के तहत आज भादानी तलाई गोपेश्वर बस्ती में अवर फोर नेशन के अध्यक्ष सुधीश शर्मा और बीकानेर सेवा योजना के अध्यक्ष राजकुमार व्यास के नेतृत्व मे श्रमशक्ति के माध्यम से श्रमदान करके तलाई की साफ-सफाई की गई। योजना की उपाध्यक्ष सीमा पारीक एवं सुमन ओझा ने बताया आज के श्रमदान में पुरूषों के बराबर महिलाओं ने खूब भागीदारी निभाई। योजना के ही वरिष्ठ उपाध्यक्ष त्रिलोक बिस्सा, पूर्व महामंत्री योगेश बिस्सा ने बताया कि श्रमदान के तहत तालाब की सीढ़ियों पर जमा कचरा, मिट्टी को हटाया गया तथा तलाई भूमि मे उगे हुए कीकर, झाड़ियों की सफाई की गई। इस अवसर पर बीकानेर सेवा योजना की सचिव सरस्वती भार्गव, रामकुमार ओझा, छोटूलाल चूरा, जुगल किशोर ओझा, बद्रीदास जोशी, राधा श्री पुरोहित, पूजा प्रजापत, मदन ओझा, मास्टर मिलन भार्गव, योगेश सारस्वत, रामलाल, अर्जुन पांडिया, रमेश उपाध्याय ने सहयोग किया। रामकुमार ओझा ने बताया कि अगला कार्यक्रम संभवतः शिवबाड़ी तालाब में रखा जायेगा।

राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में राज्यपाल मिश्र को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

बीकानेर,(कासं)। राज्यपाल एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी राजस्थान के अध्यक्ष कलराज मिश्र से इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के प्रतिनिधि मण्डल ने सोमवार को बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के अतिथि गृह में शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात करने वालों में रेडक्रॉस सोसायटी के स्टेट वाइस चेयरमैन विजय खत्री, बीकानेर के चेयरमैन राजेन्द्र जोशी एवं उपाध्यक्ष डॉ. तनवीर मलावत शामिल रहे। खत्री एवं जोशी ने इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा आयोजित की जा रही गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने राज्यपाल मिश्र से आग्रह किया कि जून में नशे के विरुद्ध आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के साथ संचालित किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि नशे के विरूद्ध अभियान को विश्वविद्यालय एवं विद्यालयों के माध्यम से संचालित की जाए। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के तत्वावधान में राज्यपाल मिश्र का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया।

मजदूर दिवस पैदल रैली एक को

बीकानेर, (कासं)। संयुक्त संघर्ष समिति, केन्द्रीय ट्रेड यूनियन बीकानेर की बैठक हिन्दू महासभा रेलवे यूनियन कार्यालय बीकानेर में साथी वाई.के. शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यक्रम का संचालन एआईबीईए व आरपीबीइयू साथी रामदेव राठौड़ ने बताया कि बैठक अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस की समीक्षा, दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित कर दो मिनट का रखा गया। इस अवसर पर रेलवे से ब्रजेश ओझा, एटक अविनाश व्यास, अब्दुल रहमान कचौरी, इंटक अशोक पुरोहित, बैंक जयशंकर, जे.पी. वर्मा, सुनील नांगल, डाकघर के त्रिलोक चंद, सीटू गिरधारी लाल शर्मा व अन्य साथियों आदि ने मजदूर दिवस मनाने के विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। 1 मई मजदूर को सांयकाल 6 बजे पदैल रैली गोल सर्किल, स्टेशन रोड बीकानेर से रतन बिहारी पार्क में जन सभा आयोजित कर सम्पन्न होगी। मजदूर दिवस शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण वातावरण में बैनर, तख्ती, झंडे, स्लोगन से मनाया जायेगा। रैली में बैंक, बीमा, रेल, डाक, एटक, इंटक, सीटू, एक्टू,आशा सहयोगिनी, शिक्षक संगठन शामिल रहेंगे।

कार टकराई, मां-बेटी की मौत

हनुमानगढ़, (कासं)। गांव मेहरवाला के पास ऐलनाबाद-शेरगढ़ रोड पर हनुमानगढ़ आ रहा परिवार हादसे का शिकार हो गया। ट्रॉली में पीछे से कार टकरा गई। इससे कार सवार मां-बेटी की मौके पर मौत हो गई। जबकि छह वर्षीय बालिका सहित चार जने घायल हो गए। घायलों को एम्बुलेंस 108 की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। सूचना मिलने पर मेहरवाला चौकी व तलवाड़ा झील थाना पुलिस मौके पर पहुंची तथा शवों को मोर्चरी पहुंचाया। जानकारी के अनुसार हनुमानगढ़ टाउन की नई आबादी की गली नम्बर 14 निवासी विनोद सोनी (45) व उनका परिवार रविवार को ऐलनाबाद से हनुमानगढ़ के लिए रवाना हुआ। कार में विनोद सोनी, उनकी पत्नी, पुत्री, भतीजी तथा माता-पिता सहित कुल छह जने सवार थे। गांव मेहरवाला के पास खड़ी ट्रैक्टर ट्रॉली से कार टकरा गई। हादसे में किरण (40) पत्नी विनोद सोनी व उसकी पुत्री पारूल (21) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि विनोद सोनी, उसकी माता परमेश्वरी देवी (65) व भतीजी पीहू (6) पुत्री अरविन्द सोनी तथा पिता पृथ्वीराज सोनी (70) सभी निवासी नई आबादी, टाउन घायल हो गए।

स्मृति में पुरस्कार कल मिलेगा

नवलगढ़,(निसं)। एसोसिएशन ऑफ अलॉयंस क्लब्स इंटरनेशनल के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. ओमप्रकाश चोबदार की स्मृति में तीसरा पुरस्कार 1 मई को आदर्श अध्यापक रामावतार सबलानिया को शाम 6 बजे जांगिड़ अस्पताल परिसर में प्रदान किया जाएगा। पूर्व अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दयाशंकर जांगिड़ ने बताया कि स्व. ओमप्रकाश चोबदार उनके साथ लॉयंस क्लब में सक्रिय सचिव तथा बाद में अलॉयंस क्लब के अध्यक्ष प्रांतपाल बनकर सेवा कर अंतराष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाए गए। वे एक सक्रिय ईमानदार कर्मठ कार्यकर्ता थे। एक आदर्श अध्यापक के रूप में उन्होंने जहां भी रहे शिक्षा में नवाचार किए। भामाशाहों से सहयोग लेकर विकास कार्य करवाएं। पौधारोपण, रक्तदान शिविर करवाए। जनगणना व चुनाव में उनकी महत्ती भूमिका रहती थी। अच्छे मंच संचालक रहे। सरकारी नौकरी में 12 अप्रेल 2021 को कस्तूरबा जयंती पर मंच संचालन करते हुए वे कोरोना के शिकार हो गए और 1 मई को उनका देहांत हो गया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर
Telefax No. 0154-2466652, Email :- SECYUIT.SGNR@RAJASTHAN.GOV.IN
Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001

क्रमांक :- नियमन/2024/2887 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 29.04.2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री योगेश बजाज पुत्र श्री प्रेमचंद निवासी 2 एफ खाटलबाना, तहसील व जिला श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखंड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखंड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्तानुसार है :-

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखंड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखंड के नामांतरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूखण्ड का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 3 ए छोटी मुरब्बा नं. 02 किला नं. 17,18 माप 24.6 इंटू 50 फीट भूखंड सं. ए-3, एकम ऐवेन्यू श्रीगंगानगर	आवासीय नियमन पट्टा सं. 20289 दिनांक 6.6.2023 को श्रीमती वीरपाल कौर पत्नी श्री पूर्णपाल सिंह के नाम से जारी है। जो आज कि तिथि में दर्ज है।	श्री योगेश बजाज द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत बैयनामा दिनांक 12.03.2024 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस संबंध में श्री योगेश बजाज पुत्र श्री प्रेमचन्द निवासी 2 एफ खाटलबाना, तहसील व जिला श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/उजर दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जायेगा एवं कोई आपत्ति/उजर स्वीकार नहीं होगा।

सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

किन्नर के साथ हैवानियत, प्राईवेट पार्ट में लकड़ी डालकर पटका

गंभीर हालत में किन्नर को सीकर रैफर किया गया, पीड़ित किन्नर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है

श्रीमाधोपुर, (निसं)। महरौली के पास में सुबह एक नग्न अवस्था में लहूलुहान स्थिति में तथा प्राइवेट पार्ट में लकड़ी डली अवस्था में महिला (किन्नर) के मिलने के बाद हड़कंप मच गया। मामले में पुलिस ने तत्परता के साथ घायल पीड़िता को अस्पताल पहुंचाया और प्राइवेट पार्ट से लकड़ी निकाल चिकित्सकों ने ईलाज के लिए हायर सेंटर सीकर के लिए रैफर करवाया। मामले में दोपहर को नया मोड़ सामने आ गया। होश में आने बाद अस्पताल में पीड़िता ने पर्चा बयान में अपने आपको किन्नर बताया। थानाधिकारी जयसिंह बसेरा ने बताया कि महरौली में अरनिया-मूंडरु रोड पर एक जोहड़ में सुबह ट्रांसपोर्ट नगर (जयपुर) का रहने वाला किन्नर बेहोशी की हालत में मिला। जिसके गुप्तांग और चेहरे समेत शरीर पर गहरे चोटों के निशान थे। ग्रामीणों की सूचना पर घायल किन्नर को सीएचसी में भर्ती कराया।

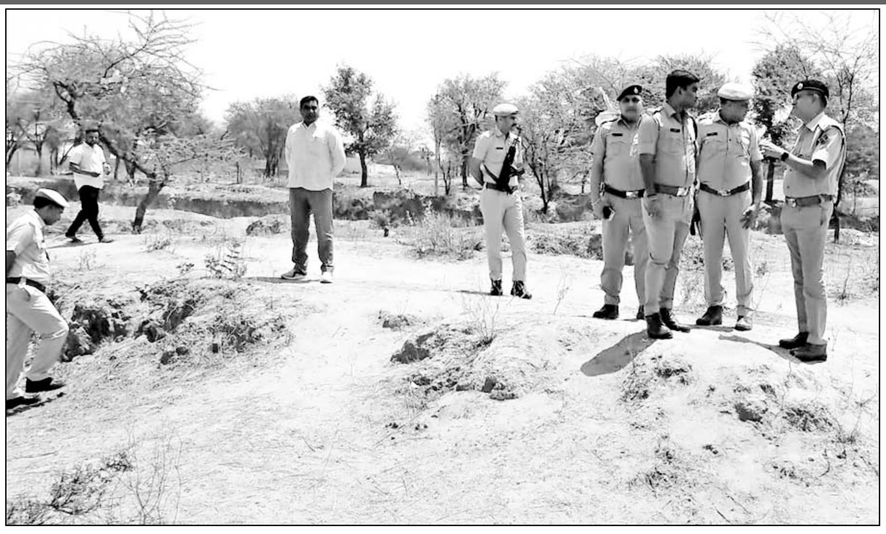

घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया।

- पुलिस ने घटना को गंभीरता से लिया और कहा कि मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही दुष्कर्म की पुष्टि होगी
- 'महरौली के रहने वाले युवक के साथ प्रेम-प्रसंग और रुपयों का लेनदेन था, बयानों के आधार पर महरौली के पास रहने वाले सचिन बलाई को पुलिस ने राउंडअप किया है'

सीएचसी के डॉ. निर्मल शर्मा ने बताया कि किन्नर को हॉस्पिटल में बेहोशी की हालत में लाया गया था। उसके गुप्तांग में लकड़ी भी मिली है। हॉस्पिटल में लाने के समय पर वह कुछ बताने की स्थिति में नहीं था। जिसे गंभीर हालत में हायर सेंटर सीकर के लिए रैफर किया गया। नीमकाथाना एएसपी गिरधारीलाल लाल शर्मा ने बताया कि पीड़ित किन्नर जयपुर के ट्रांसपोर्ट नगर का रहने वाला है।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि किन्नर ने ईलाज के दौरान बयान दिया कि वह कल जयपर से महरोली पहुंचा था और लेनदेन के मामले को रांउडअप किए युवक और परिजनों के साथ झगड़ा हुआ था और किन्नर ने बताया कि उसके परिजनों तथा लड़के ने मारपीट की। रात्रि में उसके साथ दुष्कर्म किया और मारपीट कर पटककर चले गए। फिलहाल पुलिस का कहना है कि दुष्कर्म होने की घटना का पता तो मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही चलेगा। फिलहाल मौके पर अस्पताल ड्यूटी ऑफिसर किन्नर के बयान ले रहे हैं। इधर पुलिस रांउडअप किए युवक से पूछताछ कर रही है। पुलिस द्वारा राउंडअप किया गया युवक महरौली निवासी शादी का झांसा देकर किन्नर से अब तक लाखों रुपए ऐंठ चुका है। इस संबंध में चार महीने पहले जयपुर के सिंधी कैंप थाने में मामला दर्ज कराया गया था।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि घायल किन्नर ने होश में आने के बाद बताया है कि महरौली के रहने वाले युवक के साथ प्रेम प्रसंग और रुपयों का लेनदेन था। इसी को लेकर पूरा घटनाक्रम हुआ है। बयानों के आधार पर महरौली के पास रहने वाले सचिन बलाई को पुलिस ने राउंड अप किया है। किन्नर ने दर्ज बयानों में बताया कि सचिन ने शादी का झांसा देकर करीब 8 लाख रुपए ऐंठ लिए और शादी करने से मना कर रहा है। रुपए वापस लेने के लिए महरौली में सचिन के घर गई थी। कहासुनी के बाद आरोपी और उसके परिजनों ने मिलकर मारपीट की। इसके बाद सचिन ने मेरे साथ दुष्कर्म किया और बेहोशी की हालत में फेंक दिया।

डिप्टी उमेश गुप्ता ने बताया कि थानाधिकारी जयसिंह बसेरा को दिशा-निर्देश देकर घटना स्थल का बारीकी से निरिक्षण करने को कहा। इस पर निरिक्षण के दौरान किन्नर की स्वयं की निशानदेही पर घटनास्थल से कुछ दूरी पर पुलिस को मोबाइल फोन व एक चैन तथा एक अंगूठी मिली। जिसे पुलिस ने कब्जे में लिया। इधर किन्नर ने अस्पताल में मौजूद पुलिसकर्मी को बयान दिया कि कहा परिजनों तथा युवक ने मारपीट की और रात्रि में उसके साथ दुष्कर्म कर हैवानियत कर उसे बेहोशी की हालत में पटकर चला गया। वहीं शादी का झांसा देकर लाखों रूपये एंठने का भी आरोप लगाया है।

जानकारी के अनुसार युवक सचिन जो कि करीब दो साल से सिंधी कैंप पर प्राइवेट ट्रेवल्स के काउंटर पर टिकट काटने का काम रहा था। इस दौरान करीब एक साल पहले किन्नर और सचिन की मुलाकात हुई थी। दोनों के बीच रुपयों का लेनदेन भी हुआ। वहीं किन्नर ने सचिन को आईफोन भी दिलवाया था। करीब चार महीने पहले सचिन की सगाई होने के बाद किन्नर से दूरी बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद 9 जनवरी को किन्नर ने सचिन के खिलाफ शादी का झांसा देकर आठ लाख रुपए ऐंठने का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। किन्नर ने 9 जनवरी को सिंधी कैंप थाने में आरोपी सचिन के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया गया कि सचिन से रेलवे स्टेशन पर मई 2023 में मुलाकात हुई थी। प्यार का झांसा देकर आईफोन, मां का ऑपरेशन करवाने, सट्टे में पैसे हारने के बहानों से अलग-अलग बार में आठ लाख रुपए ले लिए। इसके बाद माता-पिता से बात करने का बहाना बनाकर शादी करने से ये कहते हुए मना कर दिया कि माता-पिता राजी नहीं है। किन्नर ने रिपोर्ट में बताया कि 8 जनवरी आरोपी सचिन को फोन कर दिए हुए रुपए वापस मांगे थे। इस पर सचिन ने रुपए लौटाने से मना कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।

घटना के बाद नीमकाथाना एसपी प्रवीण नायक नुनावत, एडिशनल एसपी गिरधारीलाल शर्मा डिप्टी अजितगढ़ उमेश गुप्ता, थानाधिकारी अजीतगढ़ मुकेश सेपट, थानाधिकारी श्रीमाधोपुर जयसिंह बसेरा पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।

श्रीगंगानगर में करोना की दस्तक, आठ रोगी पॉजीटिव मिले

पिछले 28 दिनों में करोना पॉजीटिव रोगियों की संख्या चौदह हो गई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। पिछले दो दिनों में जिला मुख्यालय पर राजकीय जिला चिकित्सालय में दो महिलाओं समेत आठ रोगी करोना पॉजीटिव पाए गए है। लगातार खांसी ठीक नहीं होने पर पिछले अड़तालीस घंटे में 36 रोगियों की कोविड जांच कराई गई तो यह खुलासा हुआ। करोना पॉजीटिव में एक बालक और दो महिलाएं भी शामिल है। कुल आठ में से तीन रोगी तो पुरानी आबादी क्षेत्र के है।

वहीं सादुलशहर क्षेत्र गांव थांदेवाला का एक, सादुलशहर वार्ड 14 का एक, कालूवाला चक का एक, जिला मुख्यालय पर गणगौरनगर का एक और सूरतगढ़ क्षेत्र ढाबां झल्लार का एक रोगी भी करोना की चपेट में आया है। पिछले चार महीने के बाद कोरोना पॉजीटिव रोगी मिले है। इस साल में अब तक 17 रोगी करोना पॉजीटिव आ आए है, इसमें से अप्रेल माह में ही चौदह रोगी शामिल है। हालांकि जिला चिकित्सालय में इन रोगियों को भर्ती की बजाय कोविड प्रोटोकॉल के तहत होम आइसोलेट किया गया है।

राजकीय जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. दीपक मोंगा का कहना है कि इससे किसी को घबराने की जरूरत नहीं है। लगातार खांसी या निमोनिया रोगियों में करोना के संक्रमण पाए जा सकते हैं। वहीं जिला चिकित्सालय के उपनियंत्रक डॉ. बृजेश महावर का कहना है कि लोगों को पैनिक होने की जरूरत नहीं हैं।

विदित रहे कि पिछले साल कोविड-19 के नए मामले केरल में मिले थे, केरल में तीन रोगियों की मौत के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्देश पर राज्य सरकार ने कोविड संक्रमण के संबंध में एडवाइजरी भी जारी की थी। चिकित्सकों की माने तो लगातार खांसी होने या निमोनिया की चपेट में आए रोगियों में करोना संक्रमण सक्रिय की आशंका बनी रहती है। जिन रोगियों के लगातार उपचार के बावजूद खांसी ठीक नहीं हो रही है तो उन्हें करोना जांच कराई जा रही है। जिला चिकित्सालय में कोरोना लैब में इन दिनों औसतन दस से पन्द्रह रोगियों की कोविड जांच हो रही है। इस साल एक जनवरी से लेकर एक अप्रेल तक सिर्फ तीन रोगी सामने आए थे लेकिन पिछले 28 दिनों में करोना पॉजीटिव रोगियों की संख्या चौदह हो गई है।

मृत अवस्था में पड़ा मिला तेंदुआ

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर के सेमारी थाना क्षेत्र के नलाफला घोडासर रोड पर रविवार को एक वयस्क तेंदुआ मृत अवस्था में पड़ा मिला। तेंदुआ की दांयी आंख बाहर निकली हुई थी। सिर और पेट पर चोट के निशान मिले और पीछे के हिस्से से खून बह रहा था। बताया जा रहा है कि किसी अज्ञात वाहन की टक्कर से लेपर्ड की मौत हुई है। ग्रामीणों की सूचना पर वन नाका टोकर के वनपाल करण सिंह और जितेन्द्र सिंह घटना स्थल पहुंचे। वन विभाग के कर्मचारियों ने पंचनामा बनाकर रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी। वन विभाग के अनुसार मृत तेंदुए को टोकर स्थित वन विभाग की कुंडाल नर्सरी में ले जाया गया। जहां तीन डॉक्टरों की टीम ने उसका पोस्टमॉर्टम किया। जिसके बाद मृत लेपर्ड का नियमानुसार अंतिम संस्कार किया गया।

नाबालिग छात्रा ने आत्महत्या की

घर से 100 मीटर दूर पेड़ पर लटका मिला शव

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र के देवल फला घोघरा गांव में 9 वीं कक्षा की एक छात्रा ने अपने घर के पास आम के पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सदर थाना पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के देवल फला घोगरा गांव निवासी शर्मिष्ठा पुत्री रमेश चन्द्र ने हाल ही कक्षा 9 की परीक्षा दी थी। रविवार रात को शर्मिष्ठा ने परिवार के लोगों के साथ खाना खाया था और सोने चली गई थी। सोमवार सुबह जब घर वाले उठे तो अपने बिस्तर में नहीं थी। परिजनों ने उसकी तलाश की तो उसका शव घर से 100 मीटर की दूरी पर एक आम के पेड़ से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। परिजनों ने लोगों की मदद से शव को पेड से नीचे उतारा और इसे लेकर परिजन निजी वाहन से डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां पर चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर सदर थाना पुलिस भी डूंगरपुर जिला अस्पताल पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

सी.बी.आई. जांच की दस्तक मात्र से टोल वसूली नाका हटा

बसोली नाके से रातों-रात बजरी टोल वसूली नाका हटाया

बून्दी, (निसं)। जिले के राष्ट्रीय राजमार्ग 52 एवं 148-डी बसोली मोड़ पर स्थित बजरी नाका नेताओं और आमजन के विरोध प्रदर्शन के बावजूद नहीं हट सका, वह बजरी नाका सीबीआई की दस्तक मात्र से ही उठ गया। गौरतलब है कि शनिवार को तालाब गांव में सीबीआई के अधिकारियों द्वारा बजरी के मामले को लेकर दी गई दस्तक के बाद यहां पर बजरी माफियाओं व अधिकारियों में हड़कंप मच गया है।

गत तीन वर्ष से बसोली मोड़ पर राष्ट्रीय राजमार्ग 52 एवं 148-डी दोनों स्थानों पर एक बजरी संवेदक द्वारा तीन वर्ष से लगा रखे बजरी नाके को शनिवार रात को अचानक हटा लिया गया। जबकि यहां पर एक संवेदक द्वारा कांग्रेस शासन से ही बजरी का नाका लगाया गया था, जिसे हटाने के लिए कई आंदोलन हुए। इस बजरी का नाके पर संवेदक के दो दर्जन से अधिक युवा बजरी से भरी प्रत्येक गाड़ी को चेक कर यहां से भिजवाते थे। ऐसे में सुबह देखा तो नाका पूरी तरह हटा दिया गया। यहां पर बन रहे क्वार्टर से चद्दर तक हटा दिए गए, जिससे करीब पांच दर्जन से अधिक युवा भी बेरोजगार हो गए हैं। वहीं जानकारी के अनुसार भीलवाड़ा जिले के टीकड़ के पास लगा लंबे समय से बजरी नाका भी गत दिनों हटा लिया गया है।

तालाब गांव निवासी जब्बार प्रकरण के बाद बजरी माफियाओं में ऐसा हड़कंप मचा कि सीबीआई की आहट आने के बाद सब माफिया भूमिगत हो गए हैं। नाके पर कार्यरत लोगों का कहना था कि कुछ समय पहले बसोली मोड़ पर स्थित नाके पर 300 से 400 डंपर, ट्रेलर व ट्रक बजरी से भरे निकलते थे। लेकिन इन दिनों बजरी से भरे गिनती के वाहन निकल रहे हैं। उनका कहना है कि अवैध बजरी पर लगाम लगी हुई है। कुछ लोग सवाई माधोपुर के रास्ते से बजरी का व्यापार कर रहे हैं।

सूत्रों का कहना है कि सीबीआई तालाब गांव आने के साथ-साथ बनास व चंबल नदी के क्षेत्र में भी जाकर जांच करें, ताकि वहां पर हो रहे अवैध खनन की पोल नजर आएगी। नदी में जाने के बाद कितनी मात्रा में अवैध खनन हो रहा है, इसकी वस्तु स्थिति का पता लगेगा।

बसोली चौराहे पर स्थित बजरी टोल नाका पिछले वर्ष आंदोलन को लेकर खासा चर्चा में भी रहा था। ग्रामीणों ने कोटा उत्तर के पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल के नेतृत्व में टोल नाके को अवैध बताते हुए हटाने की मांग को लेकर आंदोलन किया था। यहां तक कि नेशनल हाईवे 52 पर जाम भी लगाया था। तब पुलिस व खनिज विभाग ने टोल नाके को वैध बताते हुए लाठीचार्ज करते हुए विरोध को दबाया था लेकिन अब क्षेत्रवासियों में चर्चा है कि ऐसा क्या हो गया कि संवेदक को नाका बंद करके भागना पड़ा। लोगों में चर्चा आम है कि कहीं सीबीआई के खौफ से तो नाका बंद नहीं हुआ।

हॉस्टल से किशोरी लापता

उदयपुर, (निसं)। क्रिश्चन हॉस्टल में रहते हुए पढ़ने वाली किशोरी के लापता होने पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार पीड़ित ने बताया कि मेरी पुत्री रानी रोड स्थित क्रिश्चन हॉस्टल में रहती थी एवं कम्प्यूटर कोर्स कर रही थी जो 17 अप्रेल को घर आने के लिए हॉस्टल से रवाना हुई लेकिन आज दिन तक वह नहीं आई। इस पर उसकी तलाश की लेकिन सुराग नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया, जिसकी जांच एएसआई रणजीतसिंह कर रहे हैं।

छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण

वजीरपुर। निदेशालय महिला अधिकारिता विभाग की आई एम शक्ति उडान योजना के तहत राजकीय कन्या महाविद्यालय, वजीरपुर में छात्राओं को सेनेटरी नैपकिन का वितरण किया। यह जानकारी महाविद्यालय के नोडल अधिकारी प्रोफेसर रमेश चंद बैरवा ने दी।

टी.एम.सी. सरकार दे रही गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को बढ़ावा : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस के समर्थन में मारवाड़ी समाज एवं उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित किया

पश्चिम बंगाल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि टीएमसी सरकार के कार्यकाल में पश्चिम बंगाल की दुर्दशा हो रही है। यह सरकार गुंडागर्दी, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता देश के विकास के लिए इस लोकसभा चुनाव में भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाएगी और राजस्थान की तरह बंगाल भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बंपर जीत का तोहफा देगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर में भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस के समर्थन में मारवाड़ी समाज एवं उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के बाद दुनिया का भारत के प्रति नजरिया बदला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विगत वर्षों में धारा 370 हटाने, अयोध्या में श्रीराम मंदिर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, उज्जैन में महाकाल कॉरिडोर का निर्माण जैसे कई ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में देश के किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए जितना कार्य किया है, आज तक किसी ने भी नहीं किया। हम सब को तीसरी बार भाजपा को भारी बहुमत से विजयी बनाकर मोदी को फिर प्रधानमंत्री बनाना है, ताकि गरीब कल्याण की योजनाओं का विस्तार हो तथा देश प्रगति के पथ पर और तेजी से अग्रसर हो। शर्मा ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि आज पूरा देश भाजपा कार्यकर्ता की तरफ देख रहा है। कार्यकर्ता घर-घर जाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चलायी गई जनकल्याणकारी योजनाओं को अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करें, ताकि इस चुनाव में "अबकी बार 400 पार" का संकल्प साकार हो सके। शर्मा ने श्रीरामपुर लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी कबीर शंकर बोस को भारी बहुमत से विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल मां काली की धरती है। यहां की माताएं-बहनें ठान लेती है तो दुनिया की कोई ताकत उन्हें नहीं रोक सकती। उन्होंने उम्मीद जतायी कि 4 जून को पश्चिम बंगाल के नतीजे भाजपा के पक्ष में होंगे और पार्टी को यहां 35 से अधिक सीटें मिलेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की होगी। उनके इस सपने को साकार करने के लिए हम सब को एकजुट होकर केन्द्र में भाजपा की सरकार बनानी होगी।

फिरौती मांगने के आरोपी को पुलिस ने पैदल घुमाया

गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया

सादुलपुर, (निसं)। शहर के एक व्यापारी को विदेशी एप से 20 लाख रुपए की फिरौती मांगने तथा परिवार के एक सदस्य की हत्या करने तथा पुलिस को सूचना देने पर फिरौती की राशि डबल 40 लाख रुपए देने की धमकी के आरोप में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड लिया है। वहीं पुलिस ने आमजन में विश्वास अपराधियों में डर का संदेश देते हुए आरोपी को पुलिस दल के साथ पैदल शहर में घूमते हुए न्यायालय में पेश किया।

- व्यापारी से विदेशी एप से 20 लाख रुपए की फिरौती मांगी तथा धमकी दी थी

थानाधिकारी पुष्पेंद्र सिंह झाझड़िया ने बताया कि आरोपी सिकंदर खान तेली (28) वार्ड 39 सादुलपूर को शहर की प्रमुख मार्गो से पैदल घूमते हुए न्यायालय पेश किया ताकि आम लोगों में एक मैसेज जाए कि इस प्रकार के अपराधियों से भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है तथा आमजन में पुलिस के प्रति लोगों में विश्वास बढ़े तथा कानून के डंडे से ऊपर कोई नहीं है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी सिकन्दर खान तेली को पुलिस थाने से पुलिस दल के साथ पैदल न्यायालय में पेश किया तथा राजगढ़ थाने से रेलवे स्टेशन, नंद प्लाजा, बस स्टैंड होते हुए न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड लिया है। वहीं जगह-जगह पर आरोपी को देखने के लिए लोग उत्सुक थे। लोगों ने कहा कि अपराधी की कोई लंबी उम्र नहीं होती जाना तो सलाखों के पीछे ही है। बस स्टैंड पर लोगों ने चर्चा करते हुए कहा कि पुलिस ने अच्छा कदम उठाकर अपराधियों में भय पैदा करने के लिए यह कमद उठाकर पुलिस का आम जन में विश्वास का संदेश दिया है।

थाना अधिकारी पुष्पेन्द्र झाझड़िया ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी सिकंदर खान ने बताया कि वार्ड नंबर नौ निवासी मुरारी लाल गोयल के अलावा शहर के एक मेडिकल व्यवसायी सहित कई लोगों को फोन पर धमकी देकर फिरोती की मांग की थी। इसके अलावा अपने आप को साइबर क्राइम ब्रांच का अधिकारी बनकर शहर के अनेक लोगों को भी धमकाया था। इस संबंध में थाना अधिकारी पुष्पेन्द्र झाझड़िया ने बताया कि मामले की जांच के चलते आरोपी द्वारा जिन लोगों को धमकी दी गई उनके नाम उजागर अभी नहीं कर सकते हैं, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अजमेर की आनासागर झील में फैली जलकुंभी की दुर्गंध से बीमारी का खतरा बढ़ा

अजमेर, (कासं)। अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील इन दिनों में सबसे खराब दौर से गुजर रही है। शहर की खूबसूरती में चार-चांद लगाने वाली और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रही झील को जलकुंभी ने अपनी चपेट में ले रखा है। निगम प्रशासन द्वारा हर स्तर पर जलकुंभी निकालने का काम किया जा रहा है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वहीं जलकुंभी की दुर्गंध से आस-पास की कॉलोनियों सहित अन्य क्षेत्रों में बीमारी का खतरा भी बढ़ रहा है। साथ ही रामप्रसाद घाट के पास डाली जा रही जलकुंभी के पानी से गिर रहे वाहन चालकों की परेशानी को देखते हुए कच्ची नाली बनाकर गंदा पानी नाले में डाला जा रहा है। वहीं नगर निगम द्वारा नई डी-वीडिंग मशीन भी खरीदी गई, पिछले कुछ दिनों में पूरी झील में जलकुंभी फैल गई।

आनासागर झील से मशीनों से जलकुंभी निकली जा रही है।

- निगम प्रशासन द्वारा हर स्तर पर जलकुंभी निकालने का काम किया जा रहा है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है
- रामप्रसाद घाट के पास सड़क पर फैल रहे जलकुंभी के पानी के लिए बनाई नाली से लोगों को मिलेगी राहत

शहर की ऐतिहासिक आनासागर झील में फैली जलकुंभी को नगर निगम द्वारा निकाल कर झील के रामप्रसाद घाट के सामने खाली भूमि पर डाली जा रही है, जिसके कारण जलकुंभी से रिसाव होकर सड़क पर आ रहे पानी से वाहन चालकों और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो वाहन चालक स्लीप हो रहे हैं, इसी समस्या को लेकर सोमवार को नगर निगम के अधिकारियों ने एक कच्ची नाली बनाकर जलकुंभी के पानी को नाले में छोड़ दिया है, अब यहां से गुजरने वाले लोगों व वाहन चालकों को राहत मिलेगी।

महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के प्रमुख प्रो. प्रवीण माथुर ने कहा कि जलकुंभी पानी की गुणवत्ता को कम कर देती है। चौपाटी आने वाले पर्यटक झील के बदबूदार पानी से हतोत्साहित हो रहे हैं। वहीं क्रिश्चियन गंज क्षेत्र में सहित आस-पास रहने वाले क्षेत्रवासियों ने बताया कि चौपाटी पर सुबह और शाम सैकड़ों बुजुर्ग और युवा टहलने के लिए आते हैं, लेकिन बदबू के कारण पैदल चलना संभव नहीं हो रहा है। दुर्गंध से बीमारी का भी खतरा बढ़ा है। लोगों इस बात से नाराज हैं कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत भारी भरकम रकम खर्च कर दी गई, लेकिन झील की कोई निगरानी नहीं की गई। आनासागर झील में अभी भी कई नालों का पानी गिर रहा है, जिससे झील में जलकुंभी का फैला अधिक हो रहा है। यदि समस्या ऐसी ही बनी रही तो झील में ऑक्सीजन का स्तर कम होने से मछलियां भी मर रही है।

नगर निगम प्रशासन द्वारा दो पॉकलेन और दो जेसीबी मशीन जलकुंभी निकालने के काम से हटा कर चारों मशीनें रामप्रसाद घाट और बाडी नदी के पास उतार गई है, जलकुंभी बिखेरने और वहां सफाई के काम में लगी है। इसका असर जलकुंभी निकालने की गति पर पड़ा। निगम ने छह पॉकलेन और चार जेसीबी लगा रखी है। निगम से एक पॉकलेन किराए पर भी ले रखी है। हाल ही में मुंबई से बड़ी डीविडिंग मशीन भी मंगाई है। नई डीविडिंग अकेले करीब पचास डंपर जलकुंभी निकाल रही है।

दूदू कलेक्टर रिश्वत मामले की जांच कर रहे ए.एस.पी. को ए.पी.ओ. किया

- मामले में एसीबी कार्रवाई की सूचना लीक होने से कलेक्टर को ट्रेप नहीं किया जा सका
- वहीं यह भी बताया जा रहा है कि एकल पट्टा मामले में एएसपी सुरेन्द्र सिंह कोर्ट ओ.आई.सी. थे।

जयपुर। दूदू कलेक्टर के 25 लाख की रिश्वत मांगने की जांच कर रहे एसीबी के एडिशनल एसपी सुरेंद्र सिंह को हटा दिया गया है। राज्य सरकार ने सोमवार को उन्हें एपीओ करने के आदेश जारी कर दिए।

एडीजी एसीबी हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि इस केस में जल्द नया आईओ लगा दिया जाएगा। सूत्रों के अनुसार एसीबी ने एफआईआर में मेंशन किया है कि कलेक्टर को ट्रैप करने की सूचना लीक हुई है।

गौरतलब है कि एसीबी ने दूदू जिला कलेक्टर और पटवारी पर रिश्वत मांगने को लेकर केस दर्ज किया था। परिवादी ने इस संबंध में एसीबी में शिकायत की थी कि दूदू कलेक्टर व पटवारी भूमि कन्वर्जन के नाम पर 25 लाख की डिमांड कर रहे हैं। इस केस में एसीबी ने शुक्रवार देर रात छापा मारा। एसीबी का दावा है कि सत्यापन के दौरान सौदा 15 लाख में तय हुआ था। कलेक्टर ने साढ़े सात लाख रुपए डाक बंगले पर मंगवाए थे, लेकिन रुपयों का इंतजाम नहीं होने पर परिवादी ने समय मांगा।

इस पर कलेक्टर ने सहमति दे दी। इसके बाद एसीबी ने पीसी एक्ट के तहत केस दर्ज कर डाक बंगले, तहसील कार्यालय पर छापा मारा और सर्च में संबंधित दस्तावेज जब्त किए।

एसीबी की एफआईआर में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि सूचना लीक नहीं हुई होती तो कलेक्टर रंगे हाथ पकड़े जाता। एसीबी के अधिकारियों ने इस पैसे का इस्तेमाल क्यों नहीं किया। इस पर कोई भी अधिकारी जवाब देने के लिए तैयार नहीं है। ऐसे में सरकार की ओर से इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए एडिशनल एसपी को एपीओ किया गया।

वहीं यह भी बताया जा रहा है कि एकल पट्टा मामले में पूर्व यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल को क्लीन चिट मिलने के बाद सरकार ने यह कदम उठाया है। इस प्रकरण में एएसपी सुरेन्द्र सिंह कोर्ट ओ.आई.सी. थे।

सर्वर डाउन होने के कारण सोमवार को सवाईमानसिंह अस्पताल के धनवंतरि ओ.पी.डी. में लंबी-लंबी कतारें लग गई। इस कारण मरीजों को घंटों इंतजार के बाद पर्ची मिली।

गौरव सिंह, विनोद और गिर्राज शर्मा फिर तीन दिन के रिमांड पर

- अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओजी जारी करने का मामला
- सूत्रों के अनुसार, गौरव सिंह ने स्टेट लेवल कमेटी ही नहीं आईएएस के फर्जी साइन से भी एनओसी जारी की थी।
- सोटो की अधिकांश गतिविधियां एसएमएस अस्पताल के बजाए आरयूएचएस में संचालित हो रही थी।

जयपुर। अंग प्रत्यारोपण के लिए फर्जी एनओजी जारी करने के मामले में गिरफ्तार सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह विनोद सिंह और गिर्राज शर्मा को सोमवार को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर फिर तीन दिन के रिमांड पर लिया है।

जवाहर सर्किल थाना अधिकारी विनोद सांखला ने बताया कि मामले में प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह, फोर्टिस हॉस्पिटल के कॉ-ऑडिनेटर विनोद सिंह और गिर्राज शर्मा को सोमवार को कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें पूछताछ के लिए फिर 3 मई तक तीन दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंप दिया गया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है।

उधर, इस मामले में रोजाना नए खुलासा से हो रहे है। सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया कि सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह ने स्टेट लेवल कमेटी ही नहीं आईएएस के फर्जी साइन से भी एनओसी जारी की थी। जब यह एनओसी दूसरे राज्य में ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए पहुंची तो एनओसी का फॉर्मेट देखकर वहां चिकित्सक भी चौंक गए। उन चिकित्सकों ने इस बारे एसएमएस प्रशासन को पत्र लिखकर जानकारी दी थी।

वहीं सोटो की अधिकांश गतिविधियां एसएमएस अस्पताल के बजाए आरयूएचएस में संचालित हो रही थी। सूत्रों के अनुसार पिछले साल तत्कालीन स्वास्थ्य सचिव सुधांश पंत ने आपत्ति जताते हुए मामले को लेकर राज्य सरकार को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया कि एसएमएस में मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध है, ऐसे में इसे आरयूएचएस में शिफ्ट कराने का प्लान बनाया जा रहा है। इससे स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन का काम प्रभावित होगा। इसके बाद इस योजना पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने रोक लगा दी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कराया योगाभ्यास

जयपुर। आयुर्वेद हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर लाखना की ओर से रविवार को सांगानेर स्थित दादिया ग्राम पंचायत कार्यालय भवन में योगाभ्यास शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान योग प्रशिक्षक किशनलाल बागड़ा एवं आयुर्वेदिक चिकित्सक डॉक्टर चंद्रशेखर जैन की ओर से दादीया सेक्टर की आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को योगासन, प्राणायाम के साथ साथ स्वस्थ रहने के गुर सिखाए गए। योग शिविर के दौरान कार्यकर्ताओं को गर्भवती महिलाओं को कराए जाने वाले योग और आसन की जानकारी दी गई। उपस्थित आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को डॉक्टर चंद्रशेखर जैन ने संबोधित किया।

अमित शाह का वीडियो एडिट कर वायरल करने के मामले में एफ.आई.आर. दर्ज कराई

- भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया विभाग की ओर से जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है

जयपुर। भाजपा प्रदेश सोशल मीडिया विभाग की ओर से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के वीडियो में एडिटिंग कर उसे वायरल करने के मामले में जयपुर साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इस दौरान भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और सोशल मीडिया विभाग के सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने रिपोर्ट दी।

भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने बताया कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स और फेसबुक पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का एक वीडिया वायरल किया जा रहा है। यूजर द्वारा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के वीडियो को एडिटिंग कर एक जाति समुदाय को उकसाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे लोकसभा चुनावों के दौरान सामाजिक सौहार्द्र बिगड़ने की संभावनाओं को देखते हुए भाजपा की ओर से यूजर के खिलाफ साइबर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी गई है।

भाजपा सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सह संयोजक अजय विजयवर्गीय ने बताया कि यूजर द्वारा वीडियो में एडिटिंग कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान को आरक्षण समाप्त करने वाला बताते हुए इसे वायरल कर दिया। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित भाजपा के सभी वरिष्ठ राजनेताओं ने आरक्षण को लेकर संविधान में किसी भी तरह का बदलाव नहीं करने का आश्वासन दिया है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण और बाबा साहब का अपमान कांग्रेस पार्टी ने किया है। कांग्रेस पार्टी ओबीसी के साथ एसटी-एससी के आरक्षण में से एक समुदाय विशेष के लोगों को आरक्षण देना चाहती है। ऐसे में चुनावों के दौरान आमजन को कांग्रेस पार्टी आरक्षण को लेकर गुमराह कर रही है।

प्रोत्साहन प्रावधानों के बाद नए सिरे से आरंभ होगी तीन ईएल की नीलामी प्रक्रिया

जयपुर, (का.सं.)। स्ट्रेटेजिक और क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को गति देने के लिए निजी क्षेत्र की भी सक्रिय भागीदारी बढ़ाई जाएगी। भारत सरकार के माइंस मंत्रालय द्वारा इस संबंध में शीघ्र ही आवश्यक प्रावधान संभावित है। इसी को ध्यान में रखते हुए नए प्रावधानों के बाद प्रदेश के दो आरईई और एक पोटाश के ब्लॉकों के एक्सप्लोरेशन लाइसेंस के लिए नए सिरे से ई-नीलामी प्रक्रिया आरंभ की जाएगी।

राजस्थान सहित देश के कई राज्यों में 29 स्ट्रेटेजिक, क्रिटिकल व अन्य मिनरल्स के विपुल भण्डारों को देखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार के एक्सप्लोरेशन संस्थानों व उपक्रमों के साथ ही देश दुनिया की निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता की एक्सप्लोरेशन कार्य में सक्रिय सहभागिता तय करने के लिए प्रोत्साहित किया जाने का निर्णय किया जा रहा है। इससे इस तरह के मिनरल्स के खोज कार्य में सरकारी के साथ ही निजी क्षेत्र के प्लेयर्स आगे आयेंगे और सरकार द्वारा प्रोत्साहन सहयोग से एक्सप्लोरेशन कार्य में तेजी आने के साथ ही गुणवत्ता भी आएगी।

डॉ. सतीश पूनिया आज से हरियाणा प्रवास पर

- महीनेभर तक हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर करेंगे चुनाव प्रचार

जयपुर। भाजपा हरियाणा प्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां 30 अप्रैल से लेकर लगभग महीनेभर तक हरियाणा की सभी 10 लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार करेंगे।

सतीश पूनियां 30 अप्रैल को भाजपा प्रदेश कार्यालय रोहतक में आयोजित बैठक में शामिल होंगे, जिसमें वह हरियाणा एवं राजस्थान के जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ संवाद कर विश्व के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के संकल्प के लिये हरियाणा की सभी 10 सीटों पर भाजपा की जीत को लेकर रणनीति पर मंथन करेंगे।

बता दें कि भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के निर्देशानुसार हरियाणा लोकसभा चुनाव में प्रचार एवं प्रबंधन के लिये हरियाणा प्रदेश इकाई के साथ राजस्थान के तमाम जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी हरियाणा प्रवास पर रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों सतीश पूनियां ने मैराथन दौरे कर राजस्थान की 11 लोकसभा सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनाव प्रचार किया था।

अब तक अवैध सामग्री की जब्ती का आंकड़ा 1000 करोड़ रुपये के पार

- प्रदेश में लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च से अब तक कार्रवाई की

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर अलग-अलग एनफोर्समेंट एजेंसियों ने मार्च महीने की शुरुआत से अब तक नशीली दवाओं, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त बांटी जाने वाली वस्तुओं (फ्रीबीज) और अवैध नकद राशि के रूप में लगभग 1000 करोड़ रूपए की रुपये कीमत की जब्तियां की हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से संदिग्ध वस्तुओं और धन के अवैध उपयोग पर अलग-अलग एजेंसियां कड़ी निगरानी कर रही हैं। 1 मार्च से अब तक प्रदेश में 982 करोड़ रूपए से अधिक की जब्ती की गयी है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद निर्वाचन विभाग के निर्देश पर 16 मार्च से अब तक एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई वस्तुओं की कीमत 880 करोड़ रुपये से ज्यादा है। 1 मार्च से अब तक राजस्थान में 5 जिलों में 40-40 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की संदिग्ध वस्तुएं और नकदी आदि जब्त की गई है।

गुप्ता ने बताया कि अलग-अलग एजेंसियों की ओर से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, इस वर्ष 1 मार्च से अब तक लगभग 40 करोड़ रुपये नकद, 177.07 करोड़ रुपये मूल्य की ड्रग्स, 45.82 करोड़ रुपये से अधिक कीमत की शराब और लगभग 51.39 करोड़ रुपये मूल्य की सोना-चांदी जैसी कीमती धातुओं की जब्ती की गई है। साथ ही, 666.90 करोड़ रुपये से ज्यादा कीमत की अन्य सामग्री तथा लगभग 90 लाख रुपये मूल्य की मुफ्त वितरण की वस्तुएं (फ्रीबीज) भी जब्त की गई हैं। संदिग्ध वस्तुओं के अवैध परिवहन पर कार्रवाई करने वाली कार्यकारी एजेंसियों में राज्य पुलिस, राज्य एक्साइज, नारकोटिक्स विभाग एवं आयकर विभाग प्रमुख हैं। इन जांच एवं निगरानी एजेंसियों और विभागों द्वारा प्रदेश भर में आचार संहिता की अवधि के दौरान कड़ी निगरानी रखी जा रही है और किसी भी संदेहास्पद मामले पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने मनाई सातवीं वर्षगांठ

जयपुर। ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने में प्रतिष्ठित सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी इन्सोलेशन एनर्जी लिमिटेड ने सनराइज रिसोर्ट में अपनी सातवीं सालगिरह मनाई। चेयरमैन मनीष गुप्ता, एमडी विकास जैन इस अवसर पर अपने अभी स्टके होल्डर्स का आभार व्यक्त किया। चेयरमैन मनीष गुप्ता ने बताया कि हाल ही में कंपनी को मार्केट कैपिटल के आधार पर सेबी द्वारा फाइनेंसियल ईयर 23-24 बिज़नेस रेस्पोंसिबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी रिपोर्ट में एंड प्लेटफार्म में भारत में नंबर 1 और मैन बोर्ड प्लेटफार्म में 757 पोजीशन हासिल की।

गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2017 में देश के ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए राजस्थान की सबसे बड़ी सोलर पैनल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की स्थापना की। आज आईएनए सोलर राजस्थान ही नहीं अपितु भारतवर्ष में ग्रीन एनर्जी के साथ मेक इन इंडिया पॉलिसी को प्रमोट करने एवं एनर्जी सिक्योरिटी में अहम भूमिका निभा रही है। कंपनी देश में 300 से अधिक डीलर्स डिस्ट्रीब्यूटस नेटवर्क, 500 से अधिक सक्सेसफुल प्रोजेक्ट्स, 10000 से अधिक सेटिस्फाइड कस्टमर्स, देश के 100 जिलों में कंपनी की मौजूदगी, इनोवेशन, आमजन तक पहुंच बढ़ाने का मिशन, बेहतर विजन के दम पर निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। एमडी विकास जैन ने बताया कि कंपनी की जयपुर में वर्ल्ड क्लास आधुनिक सुविधाओंयुक्त दोनों इकाइयों की संयुक्त उत्पादन क्षमता सालाना 950 मेगावाट है। आगामी वर्षों में निर्माण क्षमता को 3000 मेगावाट तक बढ़ाने, 1200 मेगावाट सोलर सेल मैन्युफैक्चरिंग की यूनिट लगाने की योजना है। आईएनए सोलर विभिन्न आकारों में उच्च दक्षता के सोलर पैनल, बैटरी और इनवर्टर के निर्माण का व्यवसाय करती हैं। कंपनी शीघ्र टॉप कोन सोलर पैनल का निर्माण शुरू कर देगी जिससे की आईएनए सोलर ब्रांड के मिनीमम से लेकर 600 वाट तक के सोलर पैनल बाजार में उपलब्ध हो सकेंगे।

अवैध हथियारों की धरपकड़ जारी

- वोटिंग के बाद 8 पिस्तौल, 21 कारतूस पकड़े
- राज्य में अब तक 1,394 अवैध हथियार जब्त

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के लिए आमतौर पर शांतिपूर्ण ढंग से मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए कड़ी चौकसी बरती जा रही है। इस क्रम में मतदान के दो दिन बाद रविवार को राज्य पुलिस ने 8 अवैध हथियारों और 21 कारतूस की बरामदगी की है। राज्य में अब तक 1,394 अवैध हथियार जब्त किए गए हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में क़ानून-व्यवस्था की स्थिति पर कड़ी नजर रखने का परिणाम है कि राज्य में चुनाव से जुड़ी गतिविधियों के दौरान शांति रही है। पुलिस ने इस अवधि में 2,646 कारतूस, 4,161 किलोग्राम विस्फोटक पदार्थ और 7 आईईडी (बम) जब्त किए गए हैं। एक अवैध हथियार निर्माण फैक्ट्री पर छापे की कार्रवाई भी की गई है।

गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव के लिए 16 मार्च को आचार संहिता लागू होने के साथ ही निर्वाचन विभाग सहित विभिन्न विभागों की मुस्तैदी के चलते राजस्थान में भयमुक्त, निष्पक्ष एवं भेदभाव रहित चुनाव करवाने के लिए हर स्तर पर प्रभावी कदम उठाए गए। राज्य पुलिस ने अवैध हथियारों तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़, लाइसेंसी हथियारों को जमा करने तथा चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित कर सकने वाले संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें पाबंद करने की कार्यवाही की।

राजस्थान पुलिस मुख्यालय की ओर से भारत निर्वाचन आयोग को इस विषय में प्रेषित नवीनतम नियमित रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के दौरान 1.99 लाख व्यक्तियों को विभिन्न अवांछित गतिविधियों के कारण पाबंद किया गया. कुल 64,089 व्यक्तियों को अपराध प्रक्रिया संहिता की धाराओं 107, 108, 110 एवं 151 आदि के तहत पाबंद किया है। इसी प्रकार, 1,35,316 व्यक्तियों को संहिता की उक्त धाराओं के साथ ही 109 और 116(3) धाराओं के तहत पाबंद किया गया। इस अवधि में 17 लोगों को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) सहित अन्य धाराओं में प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश भर में आम सुरक्षा की दृष्टि से कुल 1,62,777 लाइसेंसशुदा हथियारों में से 1,55,666 हथियार विभिन्न पुलिस थानों में जमा करवाए गए हैं. कुल 1,743 हथियार लाइसेंस निरस्त किए गए हैं तथा 51 लाइसेंसी हथियारों को जब्त किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षुता जागरूकता कार्यशाला

जयपुर, (का.सं.)। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड-उत्तरी क्षेत्र व यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आज जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय शिक्षुता जागरूकता कार्यक्रम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ राजस्थान चैम्बर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष डॉ के एल जैन, एन के जैन-अध्यक्ष राजस्थान नियोक्ता एसोसिएशन, एस के मेहता-निदेशक राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड भारत सरकार, प्रो डॉ बिस्वेजॉय चटर्जी वाईस चांसलर यू ई एम, जयपुर, मानस खवास-सहायक निदेशक राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड भारत सरकार, डॉ प्रदीप शर्मा-रजिस्ट्रार आदि ने माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया।

कार्यक्रम में निदेशक एस के मेहता ने बताया कि राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप जागरूकता वर्कशॉप और पुरस्कार कार्यक्रम का आयोजन करने का मुख्य उद्देश्य कौशल विकास और श्रम वृद्धि में अपरेंटिसशिप के महत्व को प्रोत्साहित करने और पहचान करने के लिए एक शानदार पहल है। वर्कशॉप में दिए गए सुझावों में राष्ट्रीय अपरेंटिसशिप का परिचय तथा कार्यक्रम के उद्देश्य और लक्ष्यों का परिचय कराना, आज की अर्थव्यवस्था में अपरेंटिसशिप के महत्व को हाइलाइट करने के लिए अपरेंटिसशिप या व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख व्यक्ति को आमंत्रित करना, पैनल चर्चा, "कौशल अंतर की पुलिंग में अपरेंटिसशिप की भूमिका-उद्योगपति, शिक्षक और नीति निर्माताओं को आमंत्रित करना ताकि अपरेंटिसशिप की वर्तमान स्थिति, चुनौतियों और सुधार के अवसरों पर चर्चा करना आदि।

निगमों के कर्मचारी सरकारी कर्मचारी नहीं?

- अदालत ने मामले पर अपना फैसला सुरक्षित किया

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (जे.वी.वी.एन.एल.) के कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी नहीं माने जाने वाले और इस संस्था में अपनी सेवाओं के संदर्भ में राजस्थान सिविल सर्विसेज अपीलेट ट्रिब्युनल (रैट) में याचिकाएं दायर करने से बाधित किये जाने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित किया है।

न्यायाधीश समीर जैन की अदालत में यह मामला के.के.गुप्ता व अन्य बनाम जे.वी.वी.एन.एल. तथा चार अन्य संलग्न मामलों पर सुनवाई करते हुए अपना फैसला सुरक्षित किया है। जैसा कि विदित है जे.वी.वी.एन.एल.पूर्णत:सरकारी कंपनी है और अन्य सरकारी निगमों की तरह इसका संचालन भी वरिष्ठ आई.ए.एस. अफसर ही करते हैं।

युवक ने छात्र को सरेराह डंडे से पीटा

जयपुर। चित्रकूट इलाके में एक प्राइवेट स्कूल के स्टूडेंट को बेहरमी से डंडे से पीटने का मामला सामने आया है। दरअसल, स्कूल में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स के बीच आपस में झगड़ा हो गया था। एक स्टूडेंट की तरफ से आए युवक ने डंडे से दूसरे पर हमला कर दिया। मामले में चित्रकूट थाना पुलिस ने स्टूडेंट्स और दूसरे व्यक्ति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि स्कूलवालों का कहना है कि तीनों स्टूडेंट्स 12वीं क्लास में पढ़ते हैं। गत 26 अप्रैल को स्कूल की छुट्टी के बाद किसी बात को लेकर तीनों में झगड़ा हो गया। चित्रकूट स्टेडियम के पास झगड़ा बढ़ने पर रोड पर दो क्लासमेट लडने लग गए थे। मौके पर मौजूद लोगों के बीचबचाव करने के दौरान एक युवक झगड़े में कूद गया। युवक ने डंडे से एक स्टूडेंट को जमकर पीटा, वहां मौजूद लोगों ने समझाइश कर उसे रोका। झगड़े के दौरान लोगों ने वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के बाद भी स्कूल प्रशासन के शिकायत नहीं देने पर पुलिस ने अपनी ओर से एफआईआर दर्ज की है। जांच करने पर जयश्री पेडीवाल स्कूल प्रशासन की ओर से लेटर पुलिस को दिया गया।

सात विश्वविद्यालयों में विधायकों के मनोनयन पर सहमति

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सात राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों के सिंडिकेट और प्रबन्ध मण्डलों में राज्य सरकार द्वारा विधानसभा सदस्यों के मनोनयन पर सहमति प्रदान कर दी है।

राजस्थान विश्वविद्यालय के सिंडिकेट में विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, शेखावाटी विश्वविद्यालय के प्रबन्ध मण्डल में खेतडी विधायक धर्मपाल, महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर के प्रबंध मण्डल में डीग कुम्हेर विधायक शैलेश सिंह व वैर विधायक बहादुर सिंह, गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बांसवाड़ा के प्रबन्ध मण्डल में गढी विधायक कैलाशचन्द्र मीणा व सागवाडा विधायक शंकरलाल डेचा, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर के प्रबन्ध मण्डल में डूंगरगढ विधायक ताराचन्द, मोहनलाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर के प्रबन्ध मण्डल में वल्लभनगर विधायक उदयलाल डांगी व गोगुन्दा विधायक प्रताप लाल भील, राज ऋषि भर्तहरी मत्स्य विश्वविद्यालय, अलवर के प्रबन्ध मण्डल में बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत एवं तिजारा विधायक महन्त बालकनाथ के राज्य सरकार द्वारा किये गये मनोनयन पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सहमति प्रदान कर दी है।

जांच शिविर 1 से

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर 1 से 7 मई के मध्य आगार स्तर पर आयोजित किये जाएंगे। निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा ने बताया कि निगम द्वारा राज्य एवं अंतर्राज्यीय परिवहन सेवा का अति महत्वपूर्ण कार्य संपादित किये जाने को दृष्टिगत रखते हुए कार्यरत कार्मिकों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करवाया जायेगा। जयपुर जोन में शिविर 1 से 3 मई, भरतपुर जोन में 2 से 4 मई, बीकानेर जोन में 1 से 3 मई, सीकर जोन में 2 से 4 मई, अजमेर जोन में 3 से 5 मई, उदयपुंर जोन में 4 से 6 मई, जोधपुर एवं कोटा जोन में 5 से 7 मई को आयोजित होगे।

के.के.टावर में हो रहे अवैध निर्माण ने बुजुर्ग दुकानदार की जान ली

झोटवाड़ा स्थित रघुनाथपुरी में ग्रेटर नगर निगम की बिना परमिशन अवैध तरीके से बन रहा है कॉम्पलेक्स

- बुजुर्ग अपनी दुकान खोलने के बाद बोर्ड लगाने बाहर निकला था, तभी निर्माणाधीन छत में शटरिंग में काम आने वाला लकड़ी का फंटा उसके सिर पर गिर गया था
- गंभीर घायल त्रिलोकचंद को स्थानीय लोगों ने अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई
- स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण हो रहा है, इसकी शिकायत नगर निगम ग्रेटर में की थी, 10 दिन पहले निगम टीम मौके पर आई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं की

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। झोटवाड़ा स्थित रघुनाथपुरी में मुख्य सड़क पर बने कॉम्पलेक्स "के.के.टावर" में अवैध निर्माण ने बुजुर्ग दुकानदार की जान ले ली। इस बिल्डिंग में चौथी मंजिल पर छत डालने का काम चल रहा था, तभी दुकानदार त्रिलोकचंद अपनी दुकान खोलने के बाद बोर्ड लगाने बाहर निकला तो शटरिंग में काम आने वाली लकड़ी की प्लेट का बड़ा हिस्सा नीचे उसके सिर पर गिर गया, इससे बुजुर्ग दुकानदार गंभीर घायल हो गया और उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में रोष और उन्होंने अवैध निर्माण को लेकर ग्रेटर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की।

जानकारी के मुताबिक झोटवाड़ा स्थित रघुनाथपुरी में मुख्य सड़क पर हाल ही में "के.के.टावर" कॉम्पलेक्स बना है। इस कॉम्पलेक्स में कालवाड़ रोड सिंधी कॉलोनी निवासी त्रिलोकचंद (72) की दुकान थी। वे रविवार सुबह अपनी दुकान खोलने के लिए के.के. टॉवर में आए थे। इसी कॉम्प्लेक्स में चौथी मंजिल पर निर्माण का काम चल रहा था, छत डालने के लिए शटरिंग लगी हुई थी। तभी मजदूरों से शटरिंग में काम आने वाला फंटा गिर गया। वह सीधे त्रिलोकचंद के सिर पर गिरा। मौके पर मौजूद लोगों ने घायल त्रिलोकचंद को निजी हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे शास्त्री नगर स्थित कावंटिया हॉस्पिटल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान त्रिलोकचंद ने दम तोड़ दिया।

घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण हो रहा है। इसकी शिकायत नगर निगम ग्रेटर में की थी। शिकायत पर निगम की टीम 10 दिन पहले मौके पर आई थी, लेकिन टीम ने यहां कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस को स्थानीय लोगों ने बताया कि त्रिलोकचंद दुकान खोलने के बाद अपनी दुकान का बोर्ड लगाने बाहर आए थे। बोर्ड लगाकर जैसे ही वह दुकान के अंदर जाने लगे तभी ये हादसा हो गया। लोगों का आरोप है कि चौथी मंजिल का काम करने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का भी ध्यान नहीं रखा गया, जिसके कारण ये हादसा हो गया।

विधि विद्यार्थियों को विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के बारे में दी जानकारी

बीकानेर, (कासं)। राजकीय विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आज प्राचार्य प्रो. भगवाना राम बिश्नोई की अध्यक्षता में राजकीय विधि स्नातकोत्तर महाविद्यालय बीकानेर तथा लीगल विजन, बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में विधि विद्यार्थियों के लिए 'अवेयरनेस प्रोगाम फॉर लॉ एस्पायरेंट्स' का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में दो सेशन रहे जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में रैना शर्मा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं अतिरिक्त जिला न्यायाधीश बीकानेर रही। साथ ही दूसरे सेशन में मुख्य वक्ता के रूप में जोया खान मेंटर, आईस्टार्ट, राजस्थान बीकानेर टेक्निकल यूनिवर्सिटी तथा विपुल कुमार डोमेन एक्सपर्ट, आईस्टार्ट राजस्थान थे। कार्यक्रम की आयोजन सचिव मीनाक्षी कुमावत ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान रैना शर्मा ने अपने उद्बोधन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उसके कार्यों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी दी।

इसके साथ ही उन्होंने विक्टिम कंपनसेशन स्कीम के बारे में बताया कि किस तरह पीडित व्यक्ति स्वयं ही विक्टिम कंपनसेशन के लिए आवेदन कर सकता है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वह समाज में अधिक से अधिक इस स्कीम के बारे में जागरूकता फैलाएं। साथ ही उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकने संबंधी विधिक प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को जागृत किया।

विधि महाविद्यालय में कानून के विद्यार्थियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम को मुख्य वक्ता जोया खान ने संबोधित किया।

- **कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न रोकने संबंधी विधिक प्रावधानों के बारे में विद्यार्थियों को जागृत किया**
- **बाल विवाह रोकथाम और मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी विद्यार्थियों से बातचीत कर जानकारी दी**

उन्होंने सीनियर सिटीजंस को सम्मान देने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा सीनियर सिटीजंस के अधिकारों के बारे में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बाल विवाह रोकथाम और मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने विद्यार्थियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के साथ मिलकर समाज सेवा करने के लिए भी प्रेरित किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में जोया द्वारा आई स्टार्ट प्रोग्राम, उसके फायदे और उद्देश्यों के बारे में विधि विद्यार्थियों को जानकारी दी। साथ ही विधि विद्यार्थियों के प्रश्नों का उन्होंने समाधान भी किया। इसके साथ ही विपुल कुमार ने विद्यार्थियों को कहा कि भारत को आत्मनिर्भर व संपन्न बनाने के लिए अब आज का युवा जॉब क्रिएटर बनें। कार्यक्रम की संयोजक डॉ कुमुद जैन ने विद्यार्थियों से कहा कि विधि विद्यार्थियों को न केवल अधिकारों के बारे में जानकारी होनी चाहिए अपितु उन्हें समाज के हर स्तर तक सभी को जागरूक करना चाहिए तथा समाज की सुरक्षा करनी चाहिए।

लीगल विजन संगठन के संयोजक रेवंत सिंह राठौड़ ने लीगल विजन के उद्देश्य एवं उसके कार्यों पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को इंटर्नशिप और करियर निर्माण के विभिन्न तरीके बताए। अंत में डॉ. कुमुद जैन द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस दौरान सभी शैक्षणिक व अशैक्षणिक सदस्य उपस्थित थे।

'उछब थरपणा' का आगाज 3 मई से

बीकानेर, (कासं)। राजस्थान की मरूधरा में अपनी साहित्य, सांस्कृतिक स्थापत्य कला एवं पुरासम्पदा के लिए पूरे देश में विख्यात बीकानेर नगर के स्थापना दिवस समारोह को गत वर्षों की भांति ही इस वर्ष के 536वें स्थापना दिवस को तीन दिवसीय 'उछब थरपणा' समारोह के रूप में मनाया जायेगा।

कार्यक्रम के आयोजक वरिष्ठ शिक्षाविद एवं संस्कृतिकर्मी राजेश रंगा ने बताया कि इस वर्ष 3 मई से 5 मई तक होने वाले इस भव्य समारोह राजस्थानी साफा, पाग-पगडी, कला-संस्कृति संस्थान एवं थार विरासत संस्था के साझा आयोजन के रूप में आयोजित किया जायेगा। इस समारोह में बीकानेर के सूचना एवं जन संपर्क कार्यालय का सहयोग भी रहेगा।

कार्यक्रम के समन्वयक साफा पाग-पगड़ी विशेषज्ञ कृष्णचंद पुरोहित ने बताया कि तीन दिवसीय 'उछब थरपणा' के प्रथम दिन प्रातः 10:30 बजे स्थानीय सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के सभागार में एक अनूठी एवं नव पहल लिए हुए हमारी सांस्कृतिक विरासत साफा, पाग-पगड़ी एवं बीकानेर की स्थापना से आज तक अपनी अलग राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाए हुए 'चंदौ' के विभिन्न रूपों के साथ प्रदर्शित किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक मोना सरदार डूडी एवं मुकेश सांचीहर ने बताया कि कार्यक्रम 3 मई से 5 मई तक चलेगा।

सार-समाचार

योग का अभ्यास करवाया

बिसाऊ,(निसं)। बिरमी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बिरमी में योग प्रशिक्षण शिविर में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को योग का महत्व बताया गया। राजकीय आयुर्वेद औषधालय पाटोदा में कार्यरत योग प्रशिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को योगाभ्यास करवाकर एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया।योग शिक्षक मोगा ने शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक सुख एवं शांति के लिए विभिन्न आसन, प्राणायाम एवं योग मुद्राओ की जानकारी दी जिससे गर्भवती महिला अपने शरीर,मन को सुदृढ़, शांत, तनाव मुक्त मानसिक, शारीरिक संतुलन बनाए रख सके। जिससे बच्चे का जन्म स्वस्थ होए। योग शिक्षक प्रमेन्द्र मोगा ने साथ में सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ से निवेदन किया कि वे अपने केन्द्रो पर आने वाली गर्भवती व धात्री महिलाओं को सुबह - सुबह योगाभ्यास के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रिंसिपल किरण कुल्हारी ने किया। इस अवसर पर महिला बाल विकास विभाग में कार्यरत महिला पर्यवेक्षक अंजू कुल्हारी सहित सेक्टर बिरमी की सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित थीं।

ग्रामवासियों ने किया स्वागत

नवलगढ़,(निसं)। ग्राम परसरामपुरा गांव की बेटी ऋतु मीणा का आईएएस में चयन होने पर ग्रामवासियों की ओर से रविवार शाम को गांव में भव्य स्वागत सत्कार किया गया। जिसके मुख्य अतिथि पूर्व विधायक डॉ. राजकुमार शर्मा, एएसपी फूलचंद मीणा, सरपंच करणीराम के नेतृत्व ऋतु मीणा व उसके भाइयों व माता का फूल बरसा कर डीजे की धुन पर कार्यक्रम स्थल तक रैली के रूप ले जाया गया। जहां गांव की महिलाओं ने पुष्प वर्षा कर अपनी लाडली का स्वागत में पलक पांवड़े बिछा दिए। इस दौरान पूर्व सरपंच बनवारीलाल कुमावत, पूर्व सरपंच किशनदास महाराज, सुमेर पीटीआई, सरदारसिंह चाहर, अरुण चाहर, सुभाष जांगिड़, सीताराम शर्मा, नारदू मांठ, फतेह मोहम्मद, दिलीप सांई, मीणा समाज जिलाध्यक्ष दिलीप मीणा, जोधपुरा पूर्व सरपंच रतनलाल मीणा, बनवारीलाल मीणा माधोगढ़, सुरेश मीणा किशोरपुरा, जगदीश टोडी आदि मौजूद रहे।

बहु चिकित्सकीय परामर्श शिविर

सीकर,(निसं)। मित्र मंडल द्वारा संचालित जीवन सुधा डिस्पेंसरी और इंटर्नल हॉस्पिटल सांगानेर के संयुक्त तत्वाधान में स्वर्गीय मोहनी देवी मोदी धर्मपत्नी स्वर्गीय चिरंजी लाल पनवाड़ी की पुण्य स्मृति में बहु चिकित्सकीय परामर्श शिविर आयोजित किया। शिविर में इंटर्नल हॉस्पिटल सांगानेर-जयपुर स्थानीय चिकित्सक डॉ मेघराज मीणा ह्रदय रोग विशेषज्ञ,डॉ भानु कौशिक मूत्र रोग विशेषज्ञ,डॉ. स्नेह कुमार वासनानी फिजिशियन,डॉ मोनिका जैन ईएनटी,डॉ अशोक धनवाल त्वचा रोग विशेषज्ञ द्वारा शिविर में निशुल्क परामर्श दिया गया साथ ही शिविर में पधारे हुए 298 रोगियों की निःशुल्क जांच एवं दवाइयां की व्यवस्था भी की गई है। शिविर में दीप प्रज्वलन धर्मचंद ,सरोज ,अभिषेक ,प्रेम,सलोनी, शिवांश मोदी परिवार द्वारा किया गया। इस दौरान शिविर संयोजक राजीव झाँझरी,डिस्पेंसरी संयोजक सुनील दीवान,सह संयोजक प्रियंक गंगवाल,वित्त प्रभारी कमल संगही जैन मित्र मंडल के अध्यक्ष मुकेश कुमार,उपाध्यक्ष पवन छाबड़ा, महावीर सैन एवं अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। मंच संचालन मुकेश कुमार जैन द्वारा किया गया।

भांबू ने कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

झुंझुनू,(निसं)।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राजेंद्र भांबू ने केहरपुरा खुर्द, मालसर, चारणवास प्रतापपुरा, चारणवास श्यामपुरा सहित झुंझुनूं शहर के अन्य सामाजिक पारिवारिक व धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लिया तथा आयोजनकर्ताओं को बधाई व शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्याम टीबड़ेवाल, सुरेंद्र निर्मल, गुलाबसिंह, लक्ष्मणसिंह, मुकेश पातुसरी, गंगाराम पूनियां, आदित्य पूनियां, सुभाष झाझड़िया, दुर्गाप्रसाद मीणा, प्रमोद बुडानिया सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आज मासिक अवकाश रहेगा

झुंझुनूं, (निसं)। गल्ला व्यापार संघ झुंझुनूं के निर्णय अनुसार मासिक अवकाश के संदर्भ में महीने के आखिरी दिवस पर 30 अप्रैल को बाजार बंद रहेगा। जानकारी देते हुए गल्ला व्यापार संघ के अध्यक्ष आनंद टीबड़ा एवं सचिव ने बताया कि पिछले काफी समय से छावनी बाजार के व्यापारी मासिक अवकाश के अंतर्गत महीने के अंतिम दिवस पर बाजार बंद करते आ रहे हैं। इस क्रम में 30 अप्रैल को छावनी बाजार बंद रखने का निर्णय रखा गया है। महीने के अंतिम दिवस 30 अप्रैल को जोशियों की कुटिया से लेकर छावनी बाजार एवं गोल मंडी बालाजी तक जो भी खुदरा एवं थोक की दुकान है पूर्णतया बंद रहेगी।

पाइप व डंडों से मारपीट

सादुलपुर, (निसं)। हमीरवास थाने के गांव नीमां में एक युवक को घर से बाहर बुलाकर चार नामजद आरोपियों द्वारा लोहे के पाईप व डंडों से मारपीट करने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं मारपीट की वारदात में घटना के युवक के दोनों पैर टूट जाना बताया गया है। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार हमीरवास थाने में रामचंद्र पुत्र टोरूरम मेघवाल निवासी नीमां ने इस आरोप की रिपोर्ट देकर मामला दर्ज करवाया है कि 27 अप्रेल को समय करीब रात्रि 10 बजे उसके पुत्र रतनसिंह को उनके गावं के प्रवीन पुत्र महावीर मेघवाल ने फोन कर उनके घर से बाहर बुलाया और उसे उसके गावं के रोहताश पुत्र फूलाराम मेघवाल के बाड़े में ले जाकर प्रवीन व उसके साथी मुकेश पुत्र संतुराम मेघवाल, गोपीराम पुत्र सिंहराम मेघवाल, पंकज पुत्र पवन मीणा ने मिलकर उसके पुत्र रतनसिंह को जान से मारने के उद्देश्य से लोहे के पाइप व डण्डों से बुरी तरह मारपीट करने लगे। जिससे उसको चोटें आई। जब उसके पुत्र ने बचाओ-बचाओ शोर मचाया तो उसके परिवार के सदस्य मौके पर गये।

पी.बी.एम. के वार्डों व शौचालयों के गंदे पानी का होगा शोधन

बीकानेर, (कासं)। पीबीएम अस्पताल परिसर के अंदर स्थित विभिन्न अस्पतालों, वार्डों, कॉटेज वार्डों इत्यादि के शौचालयों से निकलने वाला गंदा पानी अब शोधित होगा व पुनः उपयोग हो सकेगा।

- **गंदे पानी को शोधित करने के लिए मेडिकल कॉलेज के पीछे मैदान परिसर में 1.5 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और पंपिंग स्टेशन का निर्माण अंतिम चरण में है**

गंदे पानी को शोधित करने के लिए मेडिकल कॉलेज के पीछे मैदान परिसर में 1.5 एमएलडी क्षमता के सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट और पंपिंग स्टेशन का निर्माण अंतिम चरण में है। एसबीआर तकनीक से तैयार हो रहे इस एसटीपी का मई में ट्रायल रन होने की संभावना है। 9.20 करोड़ की लागत से इसका निर्माण हो रहा है। इस एसटीपी से शोधित होने वाले पानी का अधिकतम उपयोग कॉलेज मैदान पार्क में हो सकेगा। संवेदक फर्म इस एसटीपी का दस साल तक रख रखाव व संचालन देखेगी।

डेढ़ एमएलडी क्षमता के इस एसटीपी का निर्माण 50 गुणा 30 वर्ग मीटर में हुआ है। इस एसटीपी से पीबीएम अस्पताल परिसर के अंदर स्थित मुख्य भवन, बच्चा अस्पताल, हार्ट अस्पताल, यूरोलॉजी, जीरियाट्रिक क्लीनिक, डायबिटिक सेंटर, ट्रोमा सेंटर, टीबी अस्पताल, डेंटल अस्पताल, मानसिक रोग विभाग, एमसीएच, कैंसर अस्पताल, सभी कॉटेज वार्ड, चिकित्सकों के क्वाटर्स इत्यादि के शौचालय-सीवर एसटीपी से जुड़े हैं।

पीबीएम अस्पताल परिसर की सीवर जाम व गंदे पानी की समस्या के निस्तारण के लिए पहले पीबीएम परिसर में ही डेढ़ एमएलडी क्षमता के एसटीपी की योजना बनी थी। काम शुरू होने से पहले एसटीपी का स्थान को बदलने की मांग भी उठी। फिर स्थान बदल कर मेडिकल कॉलेज के पीछे किया गया। इससे कार्य प्रारंभ होने में देरी हुई। पहले जहां यह प्रोजेक्ट 7 करोड़ 92 लाख रूपए की लागत में पूरा होना था। स्थान बदलने से लागत भी बढ़ गई। 1.28 करोड़ की लागत बढ़कर प्रोजेक्ट 9.20 करोड़ रूपए का हो गया।

नौ करोड़ से अधिक की लागत से स्वयं का एसटीपी बनने के बाद भी पीबीएम अस्पताल परिसर से बाहर स्थित मेडिकल कॉलेज व इससे जुड़ी कई इमारतें, हॉस्टल और क्वाटर्स की सीवर लाइनें इस एसटीपी से नहीं जुड़ी हैं। जानकारों का कहना है कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन को इसके लिए प्रयास करना चाहिए। इनमें मेडिकल कॉलेज, आई हॉस्पीटल, एसएसबी, बॉयज हॉस्टल, गर्ल्स हॉस्टल, स्विमिंग पूल, चिकित्सकों के क्वाटर्स इत्यादि शामिल हैं। इनकी सीवर लाइनों को भी एसटीपी से जोड़ने की जरूरत है। पीबीएम अस्पताल परिसर में आए दिन सीवर जाम की समस्या बनी रहती है।

प्रभारी सचिव से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

झुंझुनूं,(निसं)।भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष बनवारी लाल सैनी के नेतृत्व में जिले के प्रभारी सचिव डॉ. समित शर्मा से जिले की अनेक जन समस्याओं के हल के लिए मिले। जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी के नेतृत्व में मिले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष प्यारेलाल ढूकिया, भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह छावसरी, भाजयुमो के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय मोरवाल, भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता महेश जीनगर, भाजपा पार्षद विजय सैनी, भाजपा के नगर महामंत्री रवि लांबा सहित अनेक गणमान्य कार्यकर्ताओं ने प्रभावी सचिव से मुलाकात कर समस्याओं को तुरंत प्रभाव से हल करने की मांग की। जिलाध्यक्ष सैनी के नेतृत्व में प्रभारी सचिव से मिलते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने झुंझुनूं शहर में पेयजल किल्लत, नगर से घरों में आ रहे गंदे पेयजल को आरओ प्लांट लगाकर शुद्ध करने, शहर में सुचारू सफाई व्यवस्था, लंबित बकाया शिविर लाइन कनेक्शन करवाने, जिले में आगामी तीव्र गर्मी के महीनों में होने वाली पानी की समस्याओं का मुद्दा रखा।

24 साल बाद मई-जून में नहीं बजेगी शहनाई

श्रीगंगानगर, (कासं)। हर साल मई और जून में शादियों के भरपूर मुहूर्त होते हैं, लेकिन इस बार गुरू व शुक्र तारा अस्त होने से मई और जून में एक भी विवाह मुहूर्त नहीं है। इसके बाद चातुर्मास के कारण चार माह कोई विवाह मुहूर्त नहीं होगा। इस अवधि में मात्र दो दिन आखातीज और देवउठनी एकादशी पर सावों का अबूझ मुहूर्त होने से शादियां हो सकेंगी।

- **इस बार गुरू व शुक्र तारा अस्त होने से मई और जून में एक भी विवाह मुहूर्त नहीं**

पंडित शिवदयाल शास्त्री ने बताया कि वैशाख कृष्णा चतुर्थी 28 अप्रेल से आषाढ़ कृष्णा अमावस्या 5 जुलाई तक शुक्र का तारा अस्त रहेगा। इसी दौरान वैशाख कृष्णा चतुर्दशी 7 मई से ज्येष्ठ कृष्ण अष्टमी 31 मई को गुरू का तारा अस्त रहेगा। गुरू व शुक्र का तारा अस्त होने से विवाह समेत मांगलिक कार्यों पर रोक रहेगी। लेकिन वैशाख शुक्ला तृतीया आखातीज 10 मई को अबूझ मुहूर्त होने से विवाह करने में कोई दोष नहीं रहेगा।

अबूझ सावे 10 मई को अक्षय तृतीया, 16 मई को जानकी नवमी, 23 मई को पीपल पूर्णिमा, 16 जून को गंगादशमी को ही विवाह हो सकेंगे। ज्योतिषों की मानें तो करीब 24 साल बाद ऐसा योग बना है, जब मई और जून में शुक्र के अस्त होने से विवाह नहीं होंगे। देव शयनी एकादशी अर्थात आषाढ़ शुक्ला एकादशी 17 जुलाई से देव उठनी एकादशी अर्थात कार्तिक शुक्ला एकादशी 12 नवम्बर तक चार माह देव-शयन काल होने से विवाह समेत मांगलिक कार्यों पर रोक रहेगी।

ऐसे में अप्रेल से लेकर नवम्बर के बीच आखातीज और देवउठनी एकादशी पर विवाह के अबूझ मुहूर्त रहेंगे। यदि आकाश मंडल में गुरू और शुक्र ग्रह उदितमान हो तभी विवाह के शुभ मुहूर्त होते हैं। यदि ये ग्रह अस्त हो तो विवाह के लिए मुहूर्त नहीं होता। दोनों ग्रह के अस्त होने से मई-जून में विवाह के फेरे नहीं लिए जा सकेंगे। ज्योतिष शास्त्र में विवाह के लिए कुंडली मिलान, गुण दोष मिलान किया जाता है।

भूमि चयन में उलझा स्वीकृत ट्रीटमेंट प्लांट

सादुलशहर, (कासं)। राज्य सरकार ने करीब साढ़े छह वर्ष पूर्व सादुलशहर नगर पालिका को फिकल सलज ट्रीटमेंट प्लांट की सौगात दी थी। लेकिन भूमि का चयन नहीं होने से यह फिकल सलज ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) आज तक स्थापित नहीं हुआ। जिस कारण नगर पालिका क्षेत्र के सेप्टिक टैंकों की गंदगी खुले में डाली जा रही है। इससे लगातार बीमारियां फैल रही हैं।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की ओर से वर्ष 2018 में फिकल सलज ट्रीटमेंट प्लांट के लिए 1.04 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी। फिकल सलज ट्रीटमेंट प्लांट से सेप्टिक टैंक की गंदगी से खाद तैयार कर किसानों को बेचा जाना प्रस्तावित था। 2018 में राजस्थान में इस तरह के 100 प्लांट लगने थे, जिसके प्रथम फेज में 20 निकायों का चयन किया गया था, जिनमें सादुलशहर भी शामिल था। यह प्लांट नगर पालिका की चार बीघा भूमि में स्थापित किया जाना था। तत्कालीन पालिका संचालन मण्डल ने इसकी स्वीकृति भी प्रदान कर दी थी, लेकिन अभी तक यह कार्य सिरे नहीं चढ़ सका है। भूमि चयन को लेकर फाइलें विभागों में दौड़ रही हैं।

पालिका अध्यक्ष कांता खीचड़ व इओ राकेश कुमार अरोड़ा प्लांट को स्थापित करवाने के लिए प्रयासरत हैं।

सड़क सुरक्षा पोर्टल तैयार

श्रीगंगानगर, (कासं)। परिवहन एवं सड़क सुरक्षा विभाग, राजस्थान की ओर से राज्य सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ द्वारा राजस्थान नॉलेज कॉरपोरेशन लिमिटेड सहयोग से व्यापक सड़क सुरक्षा वेब पॉर्टल तैयार किया गया है।

जिला परिवहन अधिकारी अवधेश चौधरी ने बताया कि वेब पोर्टल हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में है, जिसमें सड़क सुरक्षा से जुड़ी समस्त जानकारियां समाहित की गई हैं। साथ ही इसमें सड़क सुरक्षा से संबंधित क्विज एवं लर्निंग मॉड्यूल्स का समावेश भी किया गया है। इसके माध्यम से हितधारक/आमजन/विद्यार्थी सड़क सुरक्षा के बारे में विभिन्न जानकारी हासिल कर ई-सर्टिफिकेट प्राप्त कर सकते हैं।

ओवरफ्लो से व्यर्थ बहता रहा पानी, विभाग बेखबर

नोखा, (कासं)। नोखा कस्बे में मुख्य पेयजल पाइपलाइन में जगह-जगह लीकेज होने से लाखों लीटर पानी रोज व्यर्थ बह रहा है। इतना ही नहीं कुछ जगह हालात यह है कि कर्मचारियों की लापरवाही से टैंक भरने के दौरान बूस्टर चालू छोड़कर चले जाने से ही हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहता रहता है। रविवार को ऐसा ही नजारा वार्ड 42 जोरावरपुरा में पानी की टंकी के पास देखने को मिला।

- **टंकी भरने के बाद बूस्टर को बंद नहीं करने से हजारों लीटर पानी रास्ते में बहने से कीचड़ हो गया**

यहां जलहौद भरने के लिए एक तरफ बूस्टर चलाकर छोड़ दिया गया। दूसरी तरफ घरों में पेयजल आपूर्ति करने के लिए चलाया बूस्टर बंद हो गया। इस दौरान कर्मचारी गली में पेयजल आपूर्ति चैक करने चला गया। पीछे से जलहौद ओवरफ्लो होकर पानी रास्ते में व्यर्थ बहता नजर आया। यहां पाइप लाइन में लीकेज होने से भी पानी व्यर्थ बहता रहा। संबंधित विभाग व्यर्थ बहते पानी से बेखबर है। टंकी भरने के बाद बूस्टर को बंद नहीं करने से हजारों लीटर पानी रास्ते में बहने से कीचड़ हो गया।

राजेश कुमार, कार्यवाहक एईएन पीएचईडी नोखा का कहना है कि एक जगह की लाइन ट्रीपिंग हो गई, जिससे एक तरफ तो जलहौद में पानी भरता रहा और दूसरी तरफ बिजली गुल होने से बूस्टर बंद हो गया। जलहौद ओवरफ्लो होने से कुछ देर पानी बहता रहा। उस समय कर्मचारी पास की गली में घरों में पेयजल आपूर्ति चैक करने गया था, जिससे ऐसा हुआ है। अब कर्मचारी को पाबंद किया है।

मंडियों में किसानों का अनाज खुले में नहीं रहे जिससे बारिश में भीगे नहीं : कलेक्टर

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला कलेक्टर कानाराम ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन किसान हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उनकी प्रगति से ही जिले और राज्य की प्रगति संभव है। उन्होंने कहा कि हमारी मुख्य प्राथमिकता है कि अन्नदाता को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। इसके लिए हम सभी को संकल्पबद्ध होकर कार्य करना होगा।

जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला कलेक्टर ने सोमवार को समीक्षा बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले की अनाज मंडियों में किसानों की मेहनत खुले में नहीं रहे। बारिश में भीगे नहीं, इसके लिए तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मंडियों में किसानों से समर्थन मूल्य पर मिलने वाले अनाज का समयबद्ध उठाव कराने के निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने कहा कि उनकी मेहनत का समुचित प्रतिफल दिलाने के लिए पूर्ण पारदर्शिता से समयबद्ध भुगतान कराएं। उन्होंने मंडियों में नियमित साफ-सफाई कराने के निर्देश भी दिए।

हनुमानगढ़ कलेक्टर कानाराम ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

जिला कलेक्टर ने कहा कि शहर में किराने की दुकानों और सब्जियों मंडियों सहित अनेक स्थानों पर पॉलिथीन का इस्तेमाल हो रहा है। इनकी रोकथाम के लिए सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाए। उन्होंने ई-फाइल के जरिए ही राजकीय कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने मौसमी बीमारियों की रोकथाम, समय पर उपचार, नियमित फोगिंग, डेंगू की जांच सहित बचाव के लिए प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, जलदाय, शिक्षा, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज और कृषि विभाग के अधिकारियों को कार्यों में सुधार के दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुनीता चौधरी और अतिरिक्त जिला कलेक्टर उम्मेदी लाल मीना सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

- **मंडियों में तिरपाल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए**
- **मौसमी बीमारियों की रोकथाम, समय पर उपचार के निर्देश दिए**

होनहारों, समाजसेवी व बुजुर्गों को किया सम्मानित

बीकानेर, (कासं)। बहावलपुर पंचायत सभा द्वारा समाज के मेद्यावी, प्रतिभावान विद्यार्थी, समाजसेवा में योगदान देने वाले एवं वरिष्ठ वृद्धजन का सम्मान समारोह खैरपुर भवन, कमला कॉलोनी में आयोजित किया गया।

मनोहर लाल अध्यक्ष बहावलपुर पंचायत सभा बीकानेर ने बताया कि सम्मान समारोह में समाज के प्रतिभावान विद्यार्थियों जिन्होंने श्रेष्ठ अंक प्राप्त किए उन्हें सम्मानित किया गया। वही रेलवे सेवा के कार्य करते हुए सुनील कुमार शादी को विशेष तौर पर सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि ट्रेनों में टिकट परीक्षण के अपने कार्य के दौरान सुनील शादी ने नाराज होकर घर छोड़कर जाने वाले नवयुवाओं-किशोर किशोरियों को समय रहते उन्हें गलत हाथों में जान बचाया एवं समझा कर उनके अभिभावकों के सुपुर्द किया।

सम्मान समारोह में कुमारी तनु सतीजा को उनके उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। अपनी बोली अपना विचार को सार्थक करते हुए जवाहर जोशी और रमेश ने मुल्तानी बोली जिसे शिरायकी बोली कहते हैं अपनी बोली ओर विरासत के बारे में जानकारी दी। साथ ही समाज के वृद्धजन सम्मान में कन्हैया लाल छाबड़ा, भगवानदास, वीरा देवी कालड़ा, राधा देवी कालड़ा, शीला देवी सतीजा, खेमचंद मुंजाल, भागवंती छाबड़ा, तारादेवी जुलाह शामिल थी।

बहावलपुर पंचायत सभा ने समाज की होनहार प्रतिभाओं व बुजुर्गों को सम्मानित किया।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और सीएसके के बैटिंग कोच माइकल हसी ने गायकवाड़ की तारीफ की है। उन्होंने साथ ही कप्तानी को लेकर बहुत बडी बात कही। -माइकल हसी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर, ऋतुराज गायकवाड़ के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **के.एल. राहुल**

लखनऊ की बल्लेबाजी की ताकत कप्तान केएल राहुल की बेहतरीन फार्म के अलावा मार्कस स्टायनिस और निकोलस पूरन है जिनकी बल्लेबाजी में निरंतरता बनी हुयी है। कल के बड़े मैच में केएल राहुल को अपनी जोड़ीदार क्विटंन डिकॉक से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी। गेंदबाजी विभाग में नजर डालें तो रफ्तार के सौदागर मयंक यादव का कल के मैच में भी खेलने में संशय है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले की तरह यश ठाकुर, आवेश खान और मोहसिन खान के अलावा कप्तान के पास रवि विश्नोई और अनुभवी अमित मिश्रा के विकल्प होंगे।

क्या आप जानते हैं ?... एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अभी तक ऐसा क्रिकेटर नहीं हुआ है जिसने नंबर 1 से 11 तक हर क्रम पर बल्लेबाजी की हो।

कोलकाता ने दिल्ली को सीजन में दूसरी बार हराया

16.3 ओवर में चेज किया टारगेट

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल-2024 के 47वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 7 विकेट से हरा दिया। कोलकाता ने दिल्ली को इस सीजन में दूसरी बार हराया है। टीम ने 154 रन का टारगेट 16.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। ईडन गार्डन्स स्टेडियम में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कैपिटल्स ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 153 रन बनाए। से फिल सॉल्ट ने 33 बॉल पर 68 रनों की पारी खेली। उन्होंने सीजन में चौथी फिफ्टी जमाई। सुनील नरेन ने 15 और रिंकू सिंह ने 11 रन का योगदान दिया। अक्षर पटेल को 2 विकेट मिले। इससे पहले, के कुलदीप यादव ने 26 बॉल पर नाबाद 35 रन बनाए, जबकि कप्तान ऋषभ पंत ने 27 रन का योगदान दिया। वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट चटकाए, जबकि वैभव अरोड़ा और हर्षित राणा को 2-2 सफलताएं मिलीं। मिचेल स्टार्क और सुनील नरेन को एक-एक विकेट मिला। इस जीत से कोलकाता की टीम पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 पर बरकरार है। टीम के खाते में 9 में से 6 जीत के साथ 12 अंक हैं।

टेस्ट कोच गिलेस्पी ने पाक टीम को दी हिदायत, कहा-
वह बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। पाकिस्तान के नए मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी चाहते हैं कि उनके 'प्रतिभाशाली' खिलाड़ी 'वास्तविक' बने रहें और किसी विशिष्ट पद्धित के अनुरूप अपने खेल में बदलाव नहीं करें। उनका कहना है कि टेस्ट क्रिकेट में आगे बढ़ ने के लिए उन्हें केवल सकारात्मक और आक्रामक रहने की जरूरत है।

पाकिस्तान ने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज गिलेस्पी को पुरुष टेस्ट टीम का कोच नियुक्त किया जबकि सफेद गेंद के प्रारूप में कोच की भूमिका दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज गैरी कर्स्टन को सौंपी गई है जिनके मार्गदर्शन में 2011 में भारत ने वनडे विश्व कप जीता था। वर्ष 2014 और 2015 में यॉर्कशर को काउंटी चैंपियनशिप खिताब दिलाने वाले 49 वर्षीय गिलेस्पी ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

पीसीबी के पॉडकास्ट में गिलेस्पी के हवाले से कहा गया, "मैं बस इतना चाहता हूं कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम उस शैली की क्रिकेट खेले जो उनके अनुकूल हो, मेरे लिए, यह महत्वपूर्ण है। मेरा मानना है कि कुछ ऐसा बनने की कोशिश मत करो जो तुम नहीं हो!" उन्होंने कहा, "आप इसे कैसे करते हैं इसे लेकर आपको वास्तविक होने की जरूरत है। मैं वहां जाकर कहूंगा: बस सकारात्मक, आक्रामक, मनोरंजक बनें। अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ खेलें और हमारे प्रशंसकों का मनोरंजन करें।"

गिलेस्पी ने कहा, "ऐसा समय आएगा जब आपको कड़ी मेहनत करनी होगी और यही टेस्ट क्रिकेट है। यह आपके कौशल, मानसिक क्षमता और धैर्य की परीक्षा है। इसमें ऐसा समय होता है जब आपको आक्रमण करना होता है और कभी कभी विरोधी के दबाव को भी झेलना पड़ता है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 71 टेस्ट और 97 एकदिवसीय मैचों में क्रमश: 259 और 142 विकेट लेने वाले गिलेस्पी ने कहा कि पाकिस्तान के पास कुशल खिलाड़ी हैं लेकिन निरंतरता एक ऐसी चीज है जिस पर उन्हें काम करने की जरूरत है।

एशियाई खेलों से बाहर होने से राष्ट्रीय टीम में वापसी की प्रेरणा मिली

कोलकाता, 29 अप्रेल। तीरंदाजी विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाले तरुणदीप राय ने रविवार को कहा कि पिछले एशियाई खेलों की टीम से बाहर होने के बाद वह गुस्से में थे लेकिन उन्होंने इसे दमदार वापसी करने के लिए प्रेरणा की तरह लिया। तीन बार के ओलंपियन राय ने विश्व कप में ऐतिहासिक स्वर्ण जीतने के बाद कहा, " मैं गुस्से से भरा था लेकिन मैंने खुद को एक और मौका देने का फैसला किया।" एशियाई खेलों (ग्वांगझू 2010) में देश के लिए पदक जीतने वाले इकलौते रिकर्व तीरंदाज राय ने कहा, " मैं क्वालीफिकेशन में कुछ नियमों के कारण अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद हांगझोउ एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम से बाहर हो गया था।

राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव की भारतीय तिकड़ी ने मौजूदा ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को पछाड़ते हुए रविवार को यहां 14 साल बाद तीरंदाजी विश्व कप में ऐतिहासिक जीत हासिल की। यह पहली बार है जब तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में भारतीय पुरुष टीम ने कोरिया को शिकस्त दी है। इस जीत से टीम पेरिस ओलंपिक का टिकट हासिल करने के मामले में अच्छी स्थिति में है। चालीस साल के राय 2010 विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम के भी सदस्य थे। उस विश्व कप का आयोजन भी शंघाई में हुआ था।

मयंक यादव का साथ नहीं छोड़ रही बुरी किस्मत

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। मयंक यादव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए आईपीएल 2024 में अपना डेब्यू किया। पहले दो मैच में ही प्लेयर ऑफ द मैच और अपनी रफ्तार से सबको चौंका दिया। हर कोई उनकी गेंदबाजी का कायल हो गया, उन्होंने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की। साथ ही इस सीजन में सबसे तेज गेंद फेंकने का कारनामा भी किया।

उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में चना जाना करीब-करीब पक्का था, लेकिन इस दौरान उनकी बुरी किस्मत बीच में आ गई। दरअसल, वो आईपीएल के अपने तीसरे मैच में चोटिल हो गए।मयंक ने अपने आईपीएल डेब्यू मैच में ही पेस से बड़े-बड़े बल्लेबाजों के फीते खोल दिए थे। वो सटीक लाइन लेंथ के साथ 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेदंबाजी कर रहे थे। क्रिकेट एक्सपर्ट्स ने तो यहां तक कहना शुरू कर दिया था कि वह इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए तैयार हैं। उन्हें टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का मजबूत दावेदार तक माना जा रहा था। टी20 वर्ल्ड कप 2024 खेलना असंभव। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, सेलेक्टर्स की मयंक पर नजर थी और उन्हें टी20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में जगह भी देने का मन बना लिया था। लेकिन, मयंक की चोट ने सारा खेल खराब कर दिया और बीसीसीआई को अपना प्लान बदलना पड़ा। बता दें कि ये पहली बार नहीं है, जब उन्हें चोट के कारण नुकसान हुआ है बल्कि उनका आईपीएल में डेब्यू 2022 में ही हो जाता लेकिन उस दौरान भी वो चोटिल हो गए थे।

मुंबई को बड़े अतंर से हराने के इरादे से मैदान पर उतरेगी 'राहुल' सेना

लखनऊ, 29 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में अब तक बेहतर प्रदर्शन कर रही लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) मंगलवार को यहां जब इकाना के मैदान पर उतरेगी तो टीम के हर सदस्य का इरादा कमजोर दिख रही मुबंई इंडियंस के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज अंकतालिका में अपनी स्थिति को मजबूत करने का होगा।

लखनऊ को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिये अभी पांच मैच खेलने हैं जिनमें अगले दो मैच उसके अपने घरेलू मैदान पर खेले जायेंगे जिसका फायदा उठाने में केएल राहुल की टीम कोई कोरकसर छोड़ना नहीं चाहेगी। मुबंई को मौजूदा सत्र के नौ मैचों में सिर्फ तीन जीत मिली है जबकि छह में हार का सामना करना पड़ा है, वहीं लखनऊ ने नौ में से पांच मैचों में जीत दर्ज की है और दस अंकों के साथ वह प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुयी है। आईपीएल के पिछले रिकार्ड में नजर डाली जाये तो उसमें भी के एल राहुल की टीम मुबंई से भारी दिख रही है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए चार मुक़ाबलों में एलएसजी के खाते में तीन जीत आयी हैं। पिछले सत्र में लखनऊ ने इसी मैदान पर मुबंई के खिलाफ पांच रनो से रोमांचक जीत हासिल की थी।

लखनऊ की बल्लेबाजी की ताकत कप्तान केएल राहुल की बेहतरीन फार्म के अलावा मार्कस स्टायनिस और निकोलस पूरन है जिनकी बल्लेबाजी में निरंतरता बनी हुयी है। कल के बड़े मैच में केएल राहुल को अपनी जोड़ीदारी क्विटंन डिकॉक से भी अच्छी शुरुआत की उम्मीद होगी वहीं मध्यक्रम में देवीदत्त पड्डिक्कल को एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परिचय देना होगा। गेंदबाजी विभाग में नजर डालें तो रफ्तार के सौदागर मयंक यादव का कल के मैच में भी खेलने में संशय है। उनकी गैर मौजूदगी में पहले की तरह यश ठाकुर, आवेश खान और मोहसिन खान के अलावा कप्तान के पास रवि विश्नोई और अनुभवी अमित मिश्रा के विकल्प होंगे। अमित मिश्रा का रिकार्ड मुबंई के हिट मैन रोहित शर्मा के खिलाफ काफी प्रभावशाली है।

उन्होंने रोहित को टी20 क्रिकेट में सात बार आउट किया है। उन्हे खेलने में रोहित खुद को खासा असहज महसूस करते हैं। मिश्रा मुबंई के नये कप्तान हार्दिक पांड्या के लिये भी मुसीबत का सबब बन सकते हैं। मुबंई के लिये तेजी से रन बटोरने की काबिलियत रखने वाले सूर्य कुमार यादव पर अंकुश लगाने के लिये लखनऊ की टीम रणनीति बना चुकी होगी वहीं बूम बूम बुमराह को लखनऊ के बल्लेबाजों संयम और सूझबूझ से खेलना होगा। हालांकि लखनऊ के कप्तान का रिकार्ड बुमराह के खिलाफ शानदार रहा है और इसे देखते हुये पहले पावर प्ले में धूम धड़ाका देखने को मिल सकता है।

लखनऊ के पास अगर मध्य प्रदेश के घातक स्पिनर अमित मिश्रा हैं तो मुबंई के पास उत्तर प्रदेश के दिग्गज स्पिनर पियूष चावला हैं जो अपने गृह राज्य में बेहतरीन प्रदर्शन के लिये लालयित होंगे और उनसे लखनऊ के बल्लेबाजों को संभल कर रहना होगा। लखनऊ का मौसम शाम पांच बजे तक खासा गर्म रहने का अनुमान है हालांकि क्रिकेट के दीवाने दर्शक इसकी परवाह नहीं करते और शायद इसीलिये शाम साढ़े सात बजे से शुरु होने वाले इस हाइप्रोफाइल मैच की सभी टिकटें बिक चुकी हैं और दर्शकों को अपने चहेते स्टार रोहित शर्मा, हार्दिक पांड्या और जसप्रीति बुमराह को मैदान पर देखने का इंतजार है।

धोनी की जगह लेना... ऋतुराज की कप्तानी पर कोच माइकल हसी ने कहा दी बहुत बड़ी बात

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने आईपीएल 2024 के 46 वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ कमाल की बल्लेबाजी की। बतौर ओपनर उतरे गायकवाड़ महज दो रन से शतक से चूक गए। उन्होंने 54 गेंदों में 10 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 98 रन बनाए। सीएसके ने 212/3 का स्कोर खड़ा किया और एसआरएच को 78 रन से करारी शिकस्त दी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और सीएसके के बैटिंग कोच माइकल हसी ने गायकवाड़ की तारीफ की है। उन्होंने साथ ही कप्तानी को लेकर बहुत बड़ी बात कही।

हसी से जब सीएसके वर्सेस एसआरएच मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछा गया कि गायकवाड़ ने कप्तानी को किस तरह से संभाला है तो इसपर कोच ने कहा कि सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ की जगह लेना चैलेंजिंग होता है। उन्होंने कहा, उसके लिए भी चुनौतीपूर्ण था। वह ऐसे कप्तान की जगह ले रहा था जो भारत का सर्वकालिक सर्वश्रेष्ठ कप्तान रहा है। बता दें कि एमएस धोनी ने मौजूदा सीजन शुरू होने से पहले गायकवाड़ को सीएसके की कप्तान सौंपी थी। धोनी के नेतृत्व में चेन्नई ने पांच आईपीएल ट्रॉफी जीतीं। धोनी आईसीसी की तीन ट्रॉफी (टी20 वर्ल्ड कप, वनडे वर्ल्ड कप, आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी) जीतने वाले इकौलते कप्तान हैं।

टीम इंडिया में सेलेक्शन आईपीएल सीजन से हो रहा, हमारे समय में घरेलू क्रिकेट सो होता था : इरफान

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल की शुरुआत के बाद से भारतीय क्रिकेट परिदृश्य में हुए अहम बदलावों पर प्रकाश डाला है। 2003 में भारत के लिए डेब्यू करने वाले पठान के मुताबिक, आईपीएल से पहले, खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम में जाने के लिए रणजी ट्रॉफी, दिलीप ट्रॉफी या अंडर 19 क्रिकेटर खेलकर टीम इंडिया तक पहुंचे थे। लेकिन आज एक आईपीएल सीजन के आधार पर भारतीय टीम में चयन हो रहा है। 180 नॉट आउट पॉडकास्ट पर बोलते हुए इरफान पठान ने अतीत और वर्तमान के बीच साफ अंतर पर जोर देते हुए कहा कि, हमारे दोर में अगर हमें बड़ौदा की तरफ से अगर रणजी ट्रॉफी खेलना होता तो एक ही तरीक था। उस समय एक ही भारतीय टीम होती थी। कोई आईपीएल नहीं था। आपको रणजी, दिलीप ट्रॉफी खेलना था और टीम इंडिया में आने का सबसे अहम दरवाजा अंडर-19 ऐज ग्रुप क्रिकट था। तब हमारा यही एक लक्ष्य होता था। लेकिन अब चीजें बदल गईं हैं। आप एक आईपीएल खेल सकते हैं, और भारतीय में प्रवेश पा सकते हैं।

गैरी कर्स्टन का लक्ष्य अपने दो साल के कार्यकाल में कम से कम एक आईसीसी ट्रॉफी जीतना

कराची, 29 अप्रेल। पाकिस्तान के नवनियुक्त मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के लिए एक सामान्य लक्ष्य रखा है कि उसे अगले तीन साल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के तीन टूर्नामेंटों में से कम से कम एक ट्रॉफी जीतनी होगी। अब और 2026 के बीच होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं में 2024 (अमेरिका और वेस्टइंडीज) और 2026 (भारत) में दो टी20 विश्व कप के साथ-साथ 2025 एकदिवसीय चैंपियंस ट्रॉफी भी शामिल है जिसकी मेजबानी पाकिस्तान करेगा।

भारत की विश्व कप विजेता टीम के मुख्य कोच रह चुके कर्स्टन चाहते हैं कि बाबर आजम और उनकी टीम कम से कम एक टूर्नामेंट जीते।वर्तमान में आईपीएल टीम गुजरात टाइटंस के मार्गदर्शक (मेंटर) कर्स्टन को रविवार को वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय के लिए पाकिस्तान का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज कर्स्टन के पाकिस्तान के इंग्लैंड दौरे से पहले 22 मई से अपनी नई जिम्मेदारी संभालने की उम्मीद है। कर्स्टन से उनके कार्यकाल के दौरान उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के पॉडकास्ट में कहा, "अगर आप उन तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं में से एक जीत सकते हैं तो यह एक शानदार उपलब्धि होगी, चाहे वह आगामी प्रतियोगिता (टी20 विश्व कप) हो या अब से दो साल बाद।"

अगले साल होने वाली ट्रॉफी के लिये पीसीबी ने लाहौर, कराची, रावलपिंडी को चुना

लाहौर, 29 अप्रेल। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने अगले साल चैम्पियंस ट्रॉफी के लिये कराची, लाहौर और रावलपिंडी को चुना है। भारत की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये 'हाइब्रिड मॉडल' की अटकलों के बीच पीसीबी ने कहा है कि टूर्नामेंट पाकिस्तान में ही होगा। पिछली बार इंग्लैंड में 2017 में हुई चैम्पियंस ट्रॉफी अगले साल फरवरी मार्च में हो सकती है।

भारत ने अभी तक अपनी भागीदारी की पुष्टि नहीं की है और ऐसी अटकलें हैं कि आईसीसी हाइब्रिड मॉडल का उपयोग करके भारत के मैच तटस्थ स्थान पर करा सकता है, अगर भारतीय टीम को सरकार से यात्रा की मंजूरी नहीं मिलती है तो।आईसीसी ने साफ तौर पर कहा है कि वह किसी सदस्य देश को उसकी सरकारी नीति का उल्लंघन करने को नहीं कहेगा। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा ," हमने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के मैचों के लिये शेड्यूल भेज दिया है। आईसीसी के सुरक्षा दल से बैठक अच्छी रही। उन्होने इंतजामात का जायजा लिया और हमने भी उन्हें सारी जानकारी दी।" पिछले साल एशिया कप का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल पर किया गया था। भारत के मैच श्रीलंका में कराये गए थे जबकि टूर्नामेंट का आधिकारिक मेजबान पाकिस्तान था।

कुलदीप यादव ने आर. अश्विन के सामने खोला अपने बचपन का राज

नई दिल्ली, 29 अप्रेल। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के स्पिनर कुलदीप यादव ने आर अश्विन के सामने अपने बचपन का एक राज खोला है। कुलदीप ने दिग्गज स्पिनर अश्विन को बताया कि वह एमएस धोनी और कई धाकड़ क्रिकेटर्स की वजह से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के तगड़े फैन रहे। बता दें कि 29 वर्षीय कुलदीप आईपीएल 2024 में शानदार लय में हैं। उन्होंने सात मैचों में 12 शिकार किए हैं। वह डीसी के मौजूदा सीजन में फिलहाल सेकेंडहाईएस्ट विकेट-टेकर हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब टॉक शो कुट्टी स्टोरीज में कुलदीप से पूछा, आईपीएल की शुरुआत 2008 में हुई। तब आप की 14 या 15 साल उम्र होगी। उस वक्त आपका माइंडसेट क्या था? कुलदीप ने जवाब में कहा, मैंने 2008 में अंडर-15 स्टेट लेवल खेला। क्रिकेट को लेकर यह नहीं था कि मुझे इंडिया या आईपीएल में खेलना है। मैं अंडर-19 खेलने के बारे में सोच रहा था। मेरा लक्ष्य था कि अगर अंडर-19 खेलूंगा तो शायद फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेलने का मौका मिलेगा। मैं उस टाइम ऐसा सोचता था। कुलदीप ने आगे कहा, जब आईपीएल शुरू हुआ तो ईमानदारी से बताऊं मैं सीएसके का फैन था। सीएसके मुझे बहुत पसंद थी। मैथ्यू हेडन और एमएस धोनी जैसे खिलाड़ी थे टीम में। आप (अश्विन) भी थे। टीम बहुत अच्छी थी। मैं सीएसके का फैन दिल से था। अश्विन ने इसके बाद पूछा कि क्या अब भी सीएसके के फैन हो? कुलदीप ने कहा, मैं, सीएसके का फैन तो हूं लेकिन जब कोई छोटा बच्चा होता, तब उसे सपोर्ट करने के लिए टीम चुननी होती है। मेरे लिए सीएसके थी हमेशा से। फिर अंडर-19 खेला और 2012 में मुंबई इंडियंस में चांस मिला। उससे पहले आईपीएल देखता था। उस टाइम बस सीएसके थी। गौरतलब है कि कुलदीप आईपीएल में दिल्ली के अलावा मुंबई और कोलकात नाइट राइडर्स (केकेआर) का हिस्सा रहे हैं। उन्हें केकेआर की ओर से 2016 में आईपीएल डेब्यू का मौका मिला था कुलदीप ने अब तक 80 आईपीएल मैचों में 83 विकेट चटकाए हैं। उन्होंने 2017 में इंटरनेशनल क्रिकेट में कदम रखा था। उन्होंने भारत का 12 टेस्ट (53 विकेट), 103 वनडे (168 विकेट) और 35 टी20 इंटरनेशनल (59 विकेट) में प्रतिनिधित्व किया है।

जूडो कराटे के संस्थापक जयशंकर टाइगर को याद किया

भरतपुर, 29 अप्रेल। जूडो कराटे क्लब के संस्थापक स्वर्गीय जयशंकर टाईगर की 24 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किला स्थित टाईगर क्लब में किया गया। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शहर के अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। मौजूद अतिथियों में भरतपुर के खाटू श्याम जी मंदिर के महंत रोहित जी महाराज, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, क्लब के संरक्षक गिरधारी तिवारी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा, सतीश कुमार नेशनल ताइक्वांडो चौंपियन राजस्थान पुलिस, मनोज पाराशर सहायक अभियंता पीएचईडी, राजेश चौधरी महिला जिला प्रभारी पतंजलि योग समिति भरतपुर, जितेंद्र गामड़ी विकास अधिकारी पंचायत समिति कुम्हेर, नवाब सिंह नेशनल जूडो चौंपियन राजस्थान पुलिस, वेद कुंतल नेशनल वूशु चौंपियन आरएसी, पवन पराशर कुंग फू चौंपियन, पोहप सिंह जादौन जूडो चौंपियन,भरतपुर की पहली महिला कराते ब्लैक बेल्ट नेहा टाईगर एवं लोकेश कुमार रिलायंस जिओ प्रबंधक ने जयशंकर टाईगर की प्रतिमा पर माल्यार्पण तथा पुष्प अर्पित कर व दो मिनट का मौन रख उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर क्लब के खिलाड़ियों ने जूडो, कराते एवं ताइकांडो का प्रदर्शन किया जिसमें खिलाड़ियों ने किक, पंच, ब्लाक, काता, पूम्से का प्रदर्शन किया। खाटू श्याम जी मंदिर के महंत रोहित महाराज

ने अपने उद्बोधन में जूडो कराटे के क्षेत्र में भरतपुर को आगे ले जाने में व युवा एवं युवतियों को प्रशिक्षण देने में जयशंकर टाईगर के योगदान की सराहना की। जिला महिला प्रभारी पतंजलि योग समिति की राजेश चौधरी ने भी बालिकाओं की सुरक्षा के लिए स्कूल व कॉलेज में वूमन डिफेंस प्रोग्राम चलाने पर बल दिया। सतीश कुमार नेशनल ताइक्वांडो चौंपियन राजस्थान पुलिस ने बताया कि मार्शल आर्ट खेल से खिलाड़ियों का एनर्जी लेवल एवं स्टेमिना में विकास होता है। जयशंकर टाईगर की पुण्य स्मृति में आयोजित होने वाली भरतपुर जिला ताइक्वांडो संघ के तत्वाधान में एवं राजस्थान ताइक्वांडो संघ के मार्गदर्शन में 11 से 12 मई को ताइक्वांडो की प्रतियोगिता का पोस्टर विमोचन किए गए। जिसमें भरतपुर ताइक्वांडो संघ अध्यक्ष पवन पाराशर, उपाध्यक्ष विष्णु दत्त, सचिव ई दीप्ति शर्मा, चौंपियनशिप आयोजन सचिव राजेश पुष्कर ने प्रतियोगिता को सफल बनाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्ति उप निदेशक आयुर्वेदिक विभाग के डॉक्टर सुशील पाराशर ने किया। कार्यक्रम के अंत में श्री ब्राह्मण सभा भरतपुर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौशलेश शर्मा ने क्लब की तरफ से सभी प्रबुद्ध नागरिकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्षा प्रतिभा शर्मा, सचिव पीयूष जयशंकर टाईगर एनआईएस कोच, वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चंद मुद्गल, एडवोकेट भगवान सिंह लवानिया, केदार पाराशर अध्यक्ष समता आंदोलन, गायत्री परिवार से डॉ गिरीश शर्मा, देवेंद्र मोहन तिवारी, डॉ सुनील चौधरी, राजेंद्र भारद्वाज अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय मानव सुरक्षा, बृजभूषण पाराशर बीएसएनएल, योगेश लवानिया, अग्रवाल धर्मशाला के महंत प्रेमजी पंडित, उमेश पाराशर बीजेपी, नरेश कटारा, कपिल ऑप्टिकल एवं आशीष तिवारी आदि सदस्यों ने श्रद्धांजलि देते हुए क्लब के खिलाड़ियों को अपने उद्बोधन से लाभान्वित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान में धुंआधार चुनाव प्रचार के बाद अब दूसरे राज्यों में चुनाव प्रचार में जुट गये हैं। सोमवार को मु. मंत्री भजनलाल ने कोलकाता के श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार कबीर शंकर बोस के समर्थन में रोड शो किया और उनके नामांकन कार्यक्रम में भी शामिल हुये। रोड शो के दौरान भारी भीड़ जुटी, जगह-जगह पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कलकत्ता में भाजपा प्रत्याशी के लिए रोड शो व नामांकन सभा को संबोधित किया

प्रदेश भाजपा नेता देशभर में भाजपा के पक्ष में मारवाड़ी वोट बैंक साधने में जुट गए हैं

■ **मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित प्रदेश के 150 भाजपा नेताओं के अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के कार्यक्रम तय।**

जयपुर, 29 अप्रेल (का.सं.)। राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों पर चुनाव सम्पन्न होने के बाद प्रदेश के भाजपा नेता देश भर में रह रहे मारवाड़ियों को साधने के लिए अन्य प्रदेशों के दौरे पर हैं। इन नेताओं को केंद्रीय नेतृत्व की ओर से मारवाड़ियों को साधने का काम दिया गया है। इसी क्रम में, प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, केबिनेट मंत्री और अन्य प्रदेश स्तरीय नेता दौरे कर रहे हैं।

प्रदेश के नेता राजस्थानियों के बीच जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। ज्ञातव्य है कि, बड़ी संख्या में व्यापार के सिलसिले में राजस्थानी लोग देश के अलग-अलग राज्यों में बसे हैं और सालों से इन राज्यों में रहने के कारण वे वहां के स्थानीय वोटर भी हैं। पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में, जहां राजस्थानियों की तादाद ज्यादा हैं, वहां प्रदेश के नेताओं को प्रचार के लिए भेजा जा रहा है। इसी क्रम में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज कलकत्ता की श्रीरामपुरा लोकसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी की नामांकन सभा और रोड शो में शामिल हुए। इसके बाद उन्होंने मारवाड़ी समाज और उद्योगपतियों के सम्मेलन को संबोधित किया।

मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के धनबाद लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे प्रबुद्धजन सम्मेलन व संवाद कार्यक्रम और प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसी दिन शाम को रांची में मारवाड़ी धर्मशाला में प्रबुद्धजन सम्मेलन व प्रवासी राजस्थानी सम्मेलन में शामिल होंगे।

बुधवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा झारखंड के हजारीबाग लोकसभा प्रत्याशी मनीष जायसवाल के समर्थन में जनसभा और नामांकन कार्यक्रम में शामिल होंगे। केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पंजाब में प्रचार के लिए आज सुबह चंडीगढ़ पहुंचे।

प्रदेश भाजपा के करीब 150 नेता अन्य राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाएंगे। पश्चिम बंगाल, झारखंड उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में प्रदेश के नेताओं को जिम्मदारियां दी गई हैं। इसी के तहत पूर्व नेता प्रतिपक्ष, राजेन्द्र राठौड़, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, प्रभुलाल सैनी सहित कई नेता रविवार को तेलंगाना के लिए रवाना हो गए। ये नेता वहां प्रचार के साथ-साथ चुनाव प्रबंधन का काम भी देखेंगे। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, कैलाश चौधरी, मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़, झाबर सिंह खर्रा सहित अन्य मंत्री व नेता भी दूसरे राज्यों में प्रचार के लिए जाएंगे।

कोटा में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10.30 बजे की है। उन्नीस वर्षीय छात्र सुमित कुमार पुत्र विजयपाल ने अपने हॉस्टल के कमरे में आत्महत्या कर ली। वह बीते एक साल से कोटा में रह रहा था।

घटना के बाद पुलिस ने उसके हॉस्टल का कमरा सीज़ कर दिया है और परिजनों को पूरे मामले की सूचना भी दे दी गई है। उत्तम रैज़िडैंसी के जिस कमरे में सुमित ने सुसाईड किया है उसमें एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं लगी हुई थी, जबकि, कोटा में सभी हॉस्टल और पीजी संचालकों को कमरों में एंटी सुसाइड रॉड लगवाना अनिवार्य किया गया है। बताया जा रहा है कि, सुमित को 5 मई को नैशनल टेस्टिंग एजेन्सी की नीट यूजी 2024, परीक्षा देनी थी। सुमित पहले भी नीट की परीक्षा दे चुका है। कहा जा रहा है कि, संभवत: वह परीक्षा के दबाव में था जिस कारण उसने आत्महत्या का कदम उठाया।

सुमित के चाचा सुरेंद्र पांचाल ने आरोप लगाया है कि, यह पूरी तरह से मर्डर का मामला है। वे हॉस्टल में जाकर भी देखेंगे क्योंकि सुमित की गर्दन पर कट का निशान था।

ऐसा घाव रस्सी से नहीं हो सकता है और उसके हाथ भी पूरी तरह से लाल पड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि, हम इसकी जांच करवाएंगे। सुमित के पिता विजयपाल का कहना है कि, सुमित से पांच दिन पहले बात हुई थी और रविवार को सुबह से शाम तक, उन्होंने कई बार कॉल किया लेकिन बातचीत नहीं हो पाई। जब उन्होंने हॉस्टल संचालक को इस संबंध में सूचना दी तब उसने कमरे में जाकर देखा तो हादसे के बारे में पता चला।

परिजनों ने मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम और मामले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम गठित करने की मांग की है। कोटा शहर के पुलिस उपाधीक्षक द्वितीय, राजेश कुमार सोनी का कहना है कि, जिला प्रशासन ने भी हॉस्टल के रूम में एंटी हैंगिंग डिवाइस नहीं होने के मामले में जांच पड़ताल कर रिपोर्ट मांगी है। हॉस्टल संचालक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

‘इंदौर में कांग्रेस के उम्मीदवार ने नाम वापस लिया व भाजपा ‘‘जॉइन’’ की

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

■ **गत 22 अप्रैल को सूरत में भी कुछ ऐसा ही हुआ। कांग्रेस के उम्मीदवार का पर्चा त्रुटियों के कारण स्वीकार नहीं किया गया तथा बाकी सभी अन्य उम्मीदवारों ने अपने-अपने नाम वापस ले लिये थे, भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध विजयी घोषित हुआ।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है और इस झटके से पार्टी की राज्य इकाइयों पर कमजोर होती पकड़ जगजाहिर हो गई है, क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने अभी कुछ ही दिनों में आज दूसरा लोकसभा उम्मीदवार खो दिया है। मध्य प्रदेश के इंदौर से पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय बाम ने अपनी सीट से नामांकन वापस ले लिया है और वे इंदौर सीट की दौड़ से बाहर हो गए और इसके बाद वे आज ही भाजपा में भी शामिल हो गए हैं जबकि इस सीट पर कुछ ही दिनों में चुनाव होने वाले हैं।

इस घटना का खुलासा मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाश विजयवर्गीय की एक पोस्ट से हुआ है, जिसमें उन्होंने एक कार में ली गई फोटो में अपने साथ उम्मीदवार को दिखाया है।

विजयवर्गीय ने अपनी पोस्ट में कहा कि, इंदौर लोकसभा सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बाम का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष वी.डी. शर्मा के नेतृत्व वाली भाजपा में स्वागत है।

इंदौर सीट के लिए नामांकन पत्र भरने का आज आखिरी दिन था, इस सीट पर चुनावों के चौथे चरण में 13 मई को वोट डाले जाएंगे।

जिलाधीश आशीष सिंह ने पत्रकारों को सूचित किया कि ‘‘कांग्रेस उम्मीदवार बाम सहित तीन प्रत्याशियों ने निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर अपना नाम वापस ले लिया। इसी पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई है।’’

अक्षम बाम उम्मीदवारी का अपना नामांकन वापस लेने के लिए भाजपा के एम.एल.ए. रमेश मेन्दोला के साथ जिलाधीश कार्यालय गए थे।

कांग्रेस ने इंदौर में भाजपा के सांसद शंकर लालवाणी के खिलाफ 45 वर्षीय बाम को चुनाव मैदान में पहली बार उतारा था, यह निर्वाचन क्षेत्र मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा निर्वाचन क्षेत्र है। कांग्रेस ने बाम को एक ऐसे समय में चुना जब पार्टी कार्यकर्ताओं की एक लंबी कतार थी, उनके साथ तीन निवर्तमान विधायकों ने भी कांग्रेस छोड़कर मध्य प्रदेश में भाजपा में शामिल हो गए हैं।

पिछले सप्ताह गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर विपक्षी पार्टी को एक प्रत्याशी का नुकसान हुआ था। क्योंकि घटनाओं की एक ऐसी नाटकीय श्रृंखला चली कि, उसमें कांग्रेस के उम्मीदवार को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों को अयोग्य घोषित किया गया और आठ उम्मीदवारों ने उसेक बाद उस सीट से नाम वापस ले लिये और एक के बाद दूसरे ने भी इसमें बसपा व एक निर्दलीय उम्मीदवार भी वापसी में शामिल है। इस घटनाक्रम के बाद 22 अप्रैल को भाजपा के मुकेश दलाल को सूरत लोकसभा निर्वाचन सीट से निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था।

कांग्रेस को वर्तमान लकोसभा चुनावों में यह दूसरा तगड़ा झटका लगा है, इंदौर में पार्टी के स्थानीय नेताओं ने इस घटना पर गहरी निराशा व्यक्त की है और पार्टी नेतृत्व के द्वारा श्री बम को उम्मीदवार बनाने का निर्णय पर सवाल खड़ा किया है।

पार्टी के निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए स्थानीय कांग्रेसी नेता देवेन्द्र यादव ने मीडिया से चर्चा में कहा कि, ‘‘मैंने हमारी पार्टी के नेताओं को अक्षय बाम का चयन करते समय आगाह किया था। मैंने सचेत किया था कि वह उसका नामांकन पत्र वापस लेगा। हमें दु:ख इस बात का है कि, हमारे जैसे पार्टी कार्यकर्ताओं, जो वर्षों से कांग्रेस की सेवा कर रहे हैं, उनकी अनदेखी कर उन जैसे लोगों को पार्टी ने टिकट दे दिया।’’

बम के नामांकन पत्र की जांच के दौरान, भाजपा के विधि प्रकोष्ठ ने बाम के नामांकन फार्म पर इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज कराई कि, उन्होंने आई.पी.सी. की धारा 307 के बारे में सूचना अथवा एक जमीन विवाद से संबंधित 17 वर्ष पुराने केस में हत्या के प्रयास के मुकदमे का उल्लेख नहीं किया। चुनाव अधिकारियों ने इस आपत्ति को नज़रअंदाज कर दिया था और बाम के नामांकन पत्र को स्वीकार भी कर लिया था क्योंकि उन्होंने जिस दिन नामांकन पत्र दाखिल किया था, उसी दिन उसमें आरोप जोड़ दिया था।

कांग्रेस के आदमी पर उंगली उठाई तो जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा-उचियारड़ा

फलौदी थाने के बाहर धरने में दिए गए उचियारड़ा के भाषण का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल

■ **धरना हालांकि समाप्त हो चुका है, पर किसी ने इस धरने और उसमें दिए गए करण सिंह के भाषण का विडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो वायरल हो गया।**

■ **वायरल वीडियो में उचियारड़ा ने यह भी कहा कि, न हिन्दू, न मुसलमान, न सिख न इसाई, हमारा धर्म सिर्फ कांग्रेस है।**

जोधपुर, 29 अप्रेल (कासं)। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो, कांग्रेस के आदमियों पर उंगली उठाने वालों की उंगली काटकर जवाब देने की बात कह रहे हैं। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लोकसभा चुनाव मतदान के दौरान फलोदी जिले के बैंगटीकला व अन्य पोलिंग बूथ पर हुई झड़प के मामले में पुलिस द्वारा 11 लोगों को पकड़ने के विरोध में रविवार को फलोदी में कांग्रेस ने धरना दिया। इस बीच नेताओं के साथ करण सिंह उचियारड़ा भी फलोदी पहुंचे और थाने के आगे जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर आई.पी.सी. की धारा 307 में प्रकरण दर्ज करने व सी.आर.पी.सी. की धारा 151 में गिरफ्तार करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित करने की मांग की। धरने के दौरान कांग्रेस नेता प्रकाश छंगाणी, पूर्व विधायक किशनाराम विश्नोई, कुम्भसिंह पातावत की अगुवाई में सैकड़ों कार्यकर्ताओं भी मौजूद थे।

धरने के दौरान उचियारड़ा ने कहा कि, कांग्रेस के किसी भी आदमी पर उंगली उठाई तो उसका जवाब उंगली काटकर दिया जाएगा। न तो मुसलमान, न हिंदू, न सिख, न ईसाई, हमारा एक धर्म सिर्फ कांग्रेस है। मैं राजपूत हूँ और जबान देता हूँ, किसी को नहीं छोड़ूंगा। अगर भगत सिंह जान दे सकते हैं तो करण सिंह लोकतंत्र को जिंदा रखने के लिए हजारों डंडे खा सकता है।

धरने को संबोधित करते हुए उचियारड़ा ने कहा, मैंने जिला कलेक्टर, एस.पी., आई.जी. व आला नेताओं से बात की मगर कोई रास्ता नहीं निकला। इसलिए हमें धरना देना पड़ा। हालांकि, धरना रविवार को हटा दिया गया मगर किसी ने करण सिंह उचियारड़ा के भाषण का वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर डाल दिया। वीडियो आज दिन भर चर्चा का विषय बना रहा।

क्या गहलोत की टीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के साथ है। गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. सोशल मीडिया पर ट्रैंड कर रहे हैं, क्योंकि वो गहलोत को कांग्रेस पार्टी से निकालने की मांग कर रहे हैं।

गहलोत को चुनाव प्रचार के लिए बाड़मेर जाना था। उनकी इस यात्रा के लिए दो गाड़ियाँ बुक की गईं, गहलोत के नाम से तथा उत्तरलायी एयरपोर्ट पर इन गाड़ियों को प्रवेश करने की इजाज़त के लिए स्वीकृति भी प्राप्त की गई। अन्ततोगत्वा गहलोत बाड़मेर नहीं गए तथा इन गाड़ियों का उपयोग रविन्द्र सिंह भाटी ने किया। इससे इन चर्चाओं ने जोर पकड़ा कि, अशोक गहलोत उन्हें सपोर्ट कर रहे थे और कांग्रेस के अधिकारिक प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल को हराने का प्रयास कर रहे थे।

इस मामले में गंभीर रूप ले लिया है और गहलोत अपना बचाव नहीं कर पा रहे हैं। गहलोत कैम्प रक्षात्मक कार्यवाही में जुटा है, वहीं, पार्टी का गहलोत विरोधी कैम्प आक्रामक रूप से उन्हें निशाना बना रहा है।

ट्रेन में यात्री के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

10 अगस्त, 2022 को साबरमती एक्सप्रेस के ए.सी. कोच में बैठकर मोहाली से जयपुर आ रही थी। रेवाड़ी स्टेशन पर कई बिना टिकट तथा कई जनरल कोच के यात्री उसके ए.सी. कोच में आ गए। शिकायत के बावजूद न तो मौके पर टी.टी. और कोच अटैन्डैंट आया और ना ही रेलवे पुलिस का कर्मचारी आया। इसके अलावा कोच में सुरक्षा का कोई इंतजाम भी नहीं था। इस दौरान एक व्यक्ति परिवादी का पर्स लेकर ट्रेन से कूद गया। उसके पर्स में 1.70 लाख रुपए नकद और अस्सी हजार रुपए की अंगूठी सहित अन्य सामान था। ऐसे में उसके सामान की रक्षा करने की जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की थी। इसलिए उसे क्षतिपूर्ति दिलाई जाए। जिसके जवाब में रेलवे प्रशासन की ओर से कहा गया कि, रेलवे नियमों के अनुसार, सवारी डिब्बों में ले जाने वाली वस्तुएं मालिक की स्वयं की जोखिम पर ले जाई जाती हैं। रेलवे अधिनियम की धारा 100 के तहत ‘‘अनबुक्ड’’ लगेज के नुकसान के लिए रेलवे जिम्मेदार नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आयोग ने रेलवे पर हर्जाना व चोरी गई संपत्ति का मुआवजा देने का निर्णय दिया।

‘हमने जमानत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है।’’ सिंघवी विजय मदनलाल चौधरी के फैसले का हवाला देते हुए कहते हैं: ‘‘धारा 19 की व्याख्या वृहद है।’’

सिंघवी ने कहा कि इसके तीन वाक्यांश हैं: (1) अपने पास मौजूद सामग्री (2) विश्वास के कारण (3) अपराध दोष। गिरफ्तार करने की शक्ति का यह मतलब नहीं है कि गिरफ्तार ही कर लिया जाए। संदेह के आधार पर नहीं बल्कि अपराध सिद्ध होना चाहिए। पी.एम.एल.ए. की धारा 45 की भी एक सीमा है। आप किसी को एक लम्बे समय तक गिरफ्तार कर रहे हैं, जबकि आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू है।

‘‘या तो आपके पास दस्तावेज होते हैं या अपराध साबित करने वाले साक्ष्य होते हैं अथवा कोई आधार होता है, जिसके बारे में हम नहीं जानते। हिरासत में बंद किसी व्यक्ति से 16वीं बार बयान लिया जाता है। उसे जमानत मिलती है और बाद में वह सरकारी गवाह बन जाता है। उसका बयान आधार बन जाता है। यह पिछले वर्ष जुलाई माह की बात है। वे मेरे मुवक्किल को मार्च के महीने में गिरफ्तार करते हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि मुख्यमंत्री को दण्ड से मुक्ति प्राप्त है, लेकिन क्या उसके पास अधिकार कम हैं?

दिल्ली के मुख्यमंत्री के दृष्टिकोण को समझाने के लिए सिंघवी उसके बाद एक अन्य त्वरित बयान देते हुए कहते हैं, ‘‘लेकिन कृपया ध्यान दें, मैं कोई आरोपी नहीं हूं। वे 24 मार्च तक यह स्वीकार करते हैं कि मैं ना तो कोई आरोपी हूं और ना ही कोई संदिग्ध।’’

वह सी.बी.आई. की तीन चार्जशीट्स का भी हवाला देते हैं।

जस्टिस खन्ना ने एडवोकेट सिंघवी से कहा कि ‘‘सी.बी.आई. प्रकरण में आपका नाम अब तक नहीं है, जिस पर सिंघवी का उत्तर ना में था।

जस्टिस खन्ना ने आगे और स्पष्ट करते हुए कहा कि ‘‘बाद में केजरीवाल के नाम पर ई.सी.आई.आर. दायर की गई? इस पर सिंघवी का जवाब था- ‘‘ऐसा नहीं है। ई.डी. द्वारा केजरीवाल के खिलाफ केस बनाने के लिए पी.एम.एल.ए. की धारा 50 के अन्तर्गत गवाहों के बयानों पर भरोसा जताने से पहले ही ई.सी.आई.आर. फाइल कर दी गई थी।’’ सिंघवी आपराधिक केस की प्रक्रिया और पी.एम.एल.ए. प्रक्रिया के बीच के मूलभूत अंतर का उल्लेख करते हैं, खासतौर पर धारा 19 का, जो केजरीवाल के केस में लागू होती है।

जस्टिस खन्ना ने सिंघवी से पूछा कि उन्होंने जमानत याचिका दायर करने का विकल्प क्यों नहीं चुना। उन्होंने कहा कि ‘‘मतलब ये है कि आप गिरफ्तारी और रिमांड के खिलाफ हैं। मैं जिज्ञावासश ही पूछ रहा हूँ कि आपने जमानत का आवेदन क्यों नहीं दिया? इस पर सिंघवी ने कहा कि ‘‘क्योंकि गिरफ्तारी अवैध है। पी.एम.एल.ए. की धारा 19 का दायरा बहुत व्यापक है।

आम आदमी पार्टी ने बताया है दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की पत्नी सुनीता को तिहाड़ जेल में उनके पति से मिलने की इजाज़त दे दी गई है।

अन्ततोगत्वा जोधपुर में गजेन्द्र सिंह ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हजार से अधिक वोटों के अन्तर से शिकस्त देकर जीत हासिल की थी।

इस बार के चुनाव में तो शेखावत का खुद का कद काफी बढ़ा हुआ था। हालांकि इस बार के चुनाव में भी मुख्य चेहरा तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का था। मगर शेखावत की खुद की पहचान भी भाजपा के बड़े नेताओं में होने लगी थी जिसका उन्हें फायदा मिल सकता है।

जोधपुर से अब तक के सांसद

1951-52 महाराजा हनुवंत सिंह (निर्दलीय)
1952-57 (उपचुनाव) जसवंत राज मेहता (निर्दलीय)
1957-62 जसवंत राज मेहता (कांग्रेस)
1962-67 एल.एम. सिंघवी निर्दलीय
1967-71 एन.के. सिंघी (कांग्रेस)
1971-77 राजमाता कृष्णाकुमारी (निर्दलीय)
1977-80 रणछोड़दास गट्टानी (भारतीय लोकदल)
1980-84 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1984-89 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1989-91 जसवंत सिंह जसोल (भाजपा)
1991-96 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1996-98 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1998-99 अशोक गहलोत (कांग्रेस)
1999-04 जसवंत सिंह (विश्नोई भाजपा)
2004-09 जसवंत सिंह विश्नोई (भाजपा)
2009-14 चंद्रेश कुमारी (कांग्रेस)
2014-19 गजेंद्र सिंह शेखावत (भाजपा)
2019-24 गजेन्द्र सिंह शेखावत (भाजपा)

तीस जून को...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुलाई को वार्षिक वेतन वृद्धि देने का प्रावधान है। याचिका में कहा गया कि, कर्मचारियों को वार्षिक वेतन वृद्धि अग्रिम देने के बजाए एक साल की सेवा करने के बाद में दी जाती है। ऐसे में याचिकाकर्ता एक साल की सेवा पूरी कर तीस जून को रिटायर हुए हैं। इसलिए उन्हें उस वर्ष काम करने के कारण एक जुलाई को मिलने वाली वार्षिक वेतन वृद्धि दी जाए।

याचिका में यह भी कहा गया कि, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट पूर्व में तय कर चुके हैं कि, वेतन वृद्धि देने के लिए यह नहीं देखा जाएगा कि कर्मचारी सेवा में हैं या नहीं। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वह याचिकाकर्ताओं को एक वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ दे।

बी.ए.पी. की कड़ी चुनौती के बाद भी बांसवाड़ा-डूंगरपुर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मालविया ही पाला बदल चुके हैं तो स्वाभाविक है उनके समर्थक भी उनके साथ भाजपा में चले गए हैं। क्षेत्र में अच्छी पकड़ के चलते मालविया की स्थिति, बाप पार्टी की तुलना में मज़बूत मानी जा रही है।

बीएपी के राजकुमार रोत की युवा वर्ग पर अच्छी पकड़ है। उन्होंने अब तक अलग चल रहे समर्थकों के परिजनों को भी बी.ए.पी. के समर्थन में मतदान करने पर राजी कर लिया, लेकिन इसमें भी उन्हें आंशिक सफलता ही मिल पाई है। रोत के पास युवा जोश है पर सिर्फ इसी के सहारे चुनाव नहीं जीता जा सकता है। मालविया को इस क्षेत्र में राजनीतिक विशेषज्ञ माना जाता है उसके पास धनबल है, संगठन की ताकत है लिहाजा उनका पलड़ा भारी है।

बांसवाड़ा -डूंगरपूर संसदीय सीट परम्परागत रूप से कांग्रेस-भाजपा के लिए वर्चस्व की लड़ाई के रूप में जानी जाती थी। पर पिछले कुछ समय से क्षेत्रीय दल भारत आदिवासी पार्टी (बाप) का प्रभाव बढ़ रहा है। लोकसभा चुनाव में बाप पार्टी ने क्षेत्र की आठों विधानसभा सीटों में पहले ही प्रचार शुरु कर दिया था। कांग्रेस ने पहले तो यहां प्रत्याशी खड़ा कर दिया था पर बाद में बाप से गठबंधन कर लिया और अपना प्रत्याशी वापस लेने की घोषणा कर दी पर कांग्रेस के प्रत्याशी अरविंद डामोर नामांकन वापसी की आखिरी तारीख को ‘‘लापता’’ हो गए। डामोर नेतृत्व के निर्देशों को दरकिनार करते हुए चुनावी मैदान में डटे रहे। इसका फायदा सीधे तौर पर भाजपा को होता लग रहा है।

असल में बाप के साथ समझौते को लेकर डूंगरपुर जिला कांग्रेस खुश नहीं थी। दूसरी ओर बाप ने भी कांग्रेस को अपने प्रचार अभियान से दूर ही रखा हुआ था। दोनों जिलों में कांग्रेस ने क्षेत्रीय दल के प्रत्याशी के समर्थन में पहले तो कोई सभा तक नहीं की लेकिन, अन्तिम दौर में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी दोनों ने बी.ए.पी. के प्रत्याशी राजकुमार रोत के समर्थन में एक जनसभा कर अपना गठबंधन धर्म निभाया था। क्षेत्र के एकमात्र कांग्रेस विधायक गणेश घोघरा पहले दिन से ही इस बाप पार्टी से अपनी दूरी बनाये हुए हैं। पिछले दस वर्षों से आपसी गुटबाजी ने कांग्रेस की हालत खराब कर दी है।

पंचायती राज के चुनावों में कमल-कांग्रेस का गठबंधन कर जिला प्रमुख का पद भाजपा को सौंपा गया था। आन्तरिक कलह इस कदर बढ़ गई कि विधानसभा चुनावों में पूर्व जिलाध्यक्ष की कार्यशैली को लेकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर खूब चला था। पार्टी चार भागों में विभक्त हो गई थी। डूंगरपुर कांग्रेस में हो रही इस तरह की गुटबाजी को लेकर कभी भी प्रदेश नेतृत्व ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उसी के कारण आजादी के बाद से जो कांग्रेस इस जिले में एक छत्र रूप से छाई हुई थी। उसका आम कार्यकर्ता अपने आप को असुरक्षित समझने लगा और लोकसभा चुनावों से पहले बांसवाड़ा के कद्दावर नेता सांसद व मंत्री रह चुके मालवीया ने भाजपा का दामन थाम लिया। उनके साथ-साथ कई अन्य कांग्रेसी नेताओं ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली और इन चुनावों में भाजपा के लिए राह आसान कर दी।

पांच महीने पहले विधानसभा चुनाव में हुए मतदान और लोकसभा चुनाव के मतदान में सबसे ज्यादा कमी इस बार कुशलगढ़ विधानसभा में आई है। यहां 89.90 प्रतिशत मतदान हुआ था जो अब 69 प्रतिशत पर पहुंच चुका है। इतनी गिरावट की वजह स्थानीय लोगों का रोजगार के लिए गुजरात और महाराष्ट्र की ओर पलायन है। भाजपा प्रत्याशी की बागीदौरा सीट पर 5.39 और बाप प्रत्याशी राजकुमार की चौरासी विधानसभा सीट पर 8.36 प्रतिशत कम मतदान हुआ है। इस संसदीय सीट पर बांसवाड़ा में 79.02, बागीदौरा में 76.66, कुशलगढ़ में 75.01, घाटोल में 80.85, गढ़ी में 75.01, सागवाड़ा में 69.05 प्रतिशत, चौरासी में 71 तथा डूंगरपुर में 65.12 प्रतिशत मतदान हुआ। इस क्षेत्र की आठ सीटों पर कुल 72.77 प्रतिशत मतदान हुआ।

देवेगौड़ा के पौत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया गया।

कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रश्न किया कि यह जानने के बावजूद कि प्रज्वल दुनिया के सबसे बड़े एवं घिनौने यौन दुराचार का सरगना है, प्रधानमंत्री ने उसके लिए चुनाव प्रचार क्यों किया और उनके साथ मंच क्यों साझा किया।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि प्रज्वल को बच कर जर्मनी भागने में किसने मदद की? कांग्रेस ने उक्त प्रश्न कर अपने इरादे बिल्कुल स्पष्ट कर दिए हैं कि कर्नाटक व अन्यत्र होने वाले उसके चुनाव प्रचार में यह मुद्दा उठाया जाता रहेगा।

तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष यह मुद्दा पहले ही उठा चुकी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक ट्वीट कर कहा कि ‘‘नरेन्द्र मोदी जी एवं जे.पी. नड्डा जी। आपकी कर्नाटक की सहयोगी पार्टी जे.डी. (एस.) का लोकसभा प्रत्याशी प्रज्वल रैवन्ना महिलाओं का बलात्कार और यौन उत्पीड़न करता रहा है। यहां तक कि तब भी यौन हिंसा की फिल्म बनाता रहा, और उस दौरान महिलाएं रोती रहीं। प्रज्वल अब देश से बाहर है। ‘‘नारी शक्ति’’ पर कृपया आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है।’’

इस कांड के खुलासे की ‘‘टाइमिंग’’, न केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश में, भाजपा की संभावनाओं को हानि पहुंचा सकती है। सोशल मीडिया प्रचार के जमाने में, इण्डिया गठबंधन के नेता, खासकर पश्चिम बंगाल में, इस नवीनतम कांड के कारण भाजपा पर करारा प्रहार करेंगे। तृणमूल कांग्रेस, जिसे भाजपा ने संदेशखाली घटनाओं के कारण घेर लिया था, वह अब कर्नाटक सैक्स कांड और भाजपा की इस कांड पर चुप्पी को प्रभावकारी तरीके से इस्तेमाल करेगी। संयोगवश, पश्चिम बंगाल में भी अभी काफी ज्यादा सीटों पर मतदान होना बाकी है। भाजपा की चुप्पी प्रज्वल रैवन्ना जो कि विदेश भाग चुका है, के भागने को आसान बनाने में कथित मिलीभगत महिलाओं के वोट मांगने वाले उनके प्रचार को कमजोर कर सकती है।

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल (एस.) के नेता एच.डी. कुमारस्वामी के कमज़ोर बचाव ने समस्या को और जटिल बना दिया है। नाराज़ कुमारस्वामी ने पूछा, ‘‘वीडियोज़’’ को तीन दिन पहले ही क्यों ‘‘रिलीज़’’ किया, उससे पहले क्यों नहीं? इस पुराने मुद्दे को चुनाव के वक्त उठाने की क्या जरूरत है? कुमारस्वामी द्वारा प्रश्न करने से ऐसा प्रतीत होता है कि वह इन वीडियोज़ की सत्यता को स्वीकारते हैं। अब जाँच के लिए स्पेशल इन्वैस्टिगेशन टीम (एस.आई.टी.) का गठन हो चुका है, सत्य को उजागर होने दीजिए। उन्होंने रैवन्ना के परिवार से दूरी बनाते हुए कहा, ‘‘जो भी गलती करेगा उसे देश के कानून के अनुसार नतीज़े भुगतने होंगे।’’ पार्टी के अंदर, अब नेतृत्व से प्रज्वल रैवन्ना के खिलाफ ‘‘एक्शन’’ लेने की मांग की जा रही है। जद (एस.) के विधायक, प्रज्वल रैवन्ना और उसके पिता एच.डी. रैवन्ना के पार्टी से निष्कासन की मांग कर रहे हैं क्योंकि, कथित तौर पर दोनों पर ही महिलाओं से यौन-उत्पीड़न के आरोप हैं।

इन जद (एस.) नेताओं के विरूद्ध दाखिल किए गए, एक विशेष मुकदमे में घर में काम करने वाली एक महिला ने पिता-पुत्र की जोड़ी पर, सन् 2019 से उसके यौन-उत्पीड़न करने का दावा किया है। सरकार द्वारा गठित एस.आई.टी. ने फरार नेता के खिलाफ धारा 354 डी, 506 और 509 के तहत केस दर्ज किया है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, **जयपुर कार्यालयः** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, **उदयपुर कार्यालयः** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालयः-**राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908